हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शनिवार, 4 अक्तूबर 2025 | अंक 349/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

• डॉ. श्री बालाजी तांबे (संतूलन आयुर्वेदिक)
• श्री स्वागत तोडकर • तन्वी हर्बल क्लिनिक
इनकी दवाईयाँ उपलब्ध तथा Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

----- विशेष उपचार -----

वात, जोडों का दर्द, सुजन, लखवा, नसों में अकडन, हड्डीयों मे (Fluid Liquid) कम हो जाना, डायबिटीज से परेशान, B.P. (Heart) , पेट कि समस्या, पाईल्स, बालों की समस्या, समस्त स्त्री रोग, आदि सभी जटील रोगों पर विशेष उपचार।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

सभी प्रतिष्ठित आयुर्वेदिक कम्पनियो की दवाईयाँ तथा सभी प्रकारकी काष्ट औषधिया, दिव्य वनौषधी, जडीबुटीयाँ तथा उनके पावडर मिलने का विश्वषनिय स्थान।

लेह हिंसा-वांगचुक की पत्नी की सीएस में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका

बोलीं- एक हफ्ता हो गया, न पति की सेहत पता, न ही गिरफ्तारी की वजह

नई दिल्ली. सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने अपने पति की रिहाई की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। गीतांजलि जे अंगमो ने वांगचुक को तुरंत रिहा करने की मांग करते हुए हेबियस कार्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका लगाई है। डॉ. अंगमो ने 2 अक्टूबर को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर की। उन्होंने दावा किया कि उनके पति की गिरफ्तारी अवैध है। अंगमो ने यह आरोप भी लगाया कि दिल्ली में हर जगह उनका पीछा किया जा रहा है।

उनके एक कर्मचारी को भी हिरासत में रखा गया है। वांगचुक फिलहाल जोधपुर की जेल में हैं, उन्हें 24 सितंबर को लेह हिंसा भड़काने के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत 26 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। हिंसा में 4 लोग मारे गए थे। सोनम के अलावा लेह की स्थानीय जेल में बंद 56 आंदोलनकारियों में से 26 को 2 अक्टूबर को छोड़ दिया गया। इन पर गंभीर धाराएं नहीं थीं। 30 लोग अभी जेल में हैं। वांगचुक की पत्नी बोलीं- एक हफ्ता बीता, डिटेंशन ऑर्डर कॉपी नहीं मिली, गीतांजलि ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- आज एक हफ्ता हो गया है।

अभी भी मुझे सोनम की सेहत, उनकी हालत और नजरबंदी के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

गीतांजलि का आरोप-उनका पीछा किया जा रहा है

"दिल्ली में हर जगह मेरा पीछा किया जा रहा है। मैं जहां भी जाती हूं, एक कार मेरा पीछा करती है। हमारे साथ मिलकर काम करने वाले एक कर्मचारी को हिरासत में लिया गया है। उसे पीटा जा रहा है और मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।"

अंगमो ने वकील सर्वम ऋतम खरे के जरिए दायर याचिका में वांगचुक की हिरासत को चुनौती दी है।

साथ ही उनकी तुरंत रिहाई की मांग की है। वांगचुक के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लगाने के फैसले पर भी सवाल उठाया है।

अंगमो का आरोप है कि उन्हें अभी तक हिरासत आदेश की कॉपी नहीं मिली है, जो नियमों का उल्लंघन है। हेबियस कार्पस लैटिन भाषा का शब्द है, इसका मतलब होता है- शरीर सामने लाओ। यानी किसी व्यक्ति को गैर-कानूनी ढंग से गिरफ्तार किया है, हिरासत में रखा है, तो अदालत उस व्यक्ति को तुरंत कोर्ट के सामने पेश करने का आदेश दे सकती है। संविधान के अनुच्छेद 32 और 226 के तहत यह अधिकार हर नागरिक को मिला है।

कोई भी व्यक्ति, उसका परिवार/दोस्त हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में हेबियस कॉर्पस रिट दायर कर सकता है। आदेश के बाद पुलिस को पूरी जानकारी कोर्ट के सामने रखनी होती है। लेह में लद्दाख प्रशासन के कर्फ्यू में ढील दिए जाने के बाद लोगों के रोजमर्रा के काम फिर से शुरू हो गए हैं। ढील के तहत दुकानों को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खोलने की अनुमति दी गई। स्कूल कई दिनों के बंद रहने के बाद फिर से खुल गए हैं। लेह डीएम ने मिनी बसों और बाकी पब्लिक ट्रांसपोर्ट को भी 9 दिनों के बाद फिर से शुरू करने की परमिशन दे दी है।

पीएम, प्रेसिडेंट और गृह मंत्री को लेटर लिख चुकीं अंगमो

अंगमो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, गृह मंत्री अमित शाह, लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और लेह जिला कलेक्टर को लेटर लिखा था। जिसकी कॉपी उन्होंने एक्स पर शेयर की। अंगमो का आरोप है कि वांगचुक को शांत कराने के लिए पिछले महीने से विच हंट शुरू किया गया है। अंगमो ने कहा कि वांगचुक कभी भी किसी के लिए खतरा नहीं हो सकते, अपने राष्ट्र की तो बात ही छोड़ दें।

कनाडा में थिएटर पर हुआ हमला

ओटावा. कनाडा के ओकविल के सिनेमाघर पर दो बार हमला हुआ. सिनेमाघर में पहले हमले में आग लगाई गई. इसी के बाद दूसरी बार फायरिंग हुई. थिएटर पर यह हमला तब हुआ जब भारतीय फिल्मों की स्क्रीनिंग हो रही थी.

इस हमले के बाद अब शक की सुई खालिस्तानी आतंकियों पर है. कनाडा के ओकविल में स्थित फिल्म. सिनेमाज हिंसक हमलों का निशाना बना. इसकी एक वीडियो भी सामने आई है. दरअसल, यह हमला भारतीय फिल्मों की स्क्रीनिंग के दौरान हुआ. इसी के बाद सुरक्षा को देखते हुए बड़ा निर्णय लिया गया है. इसके चलते भारतीय फिल्मों की स्क्रीनिंग रद्द कर दी गई है. थिएटर पर पहला हमला 25 सितंबर को हुआ था. सुबह करीब 5:20 बजे दो संदिग्धों ने थिएटर के दरवाजे पर पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की. हमलावरों ने बाहर से ही आग लगाई.

इससे इमारत को हल्का-फुल्का नुकसान हुआ, लेकिन आग अंदर तक नहीं फैल पाई. पुलिस के मुताबिक, दोनों संदिग्ध काले कपड़ों और मास्क में थे. सीसीटीवी में एक ग्रे एसयूवी और एक व्हाइट एसयूवी दिखाई दी, जिनसे हमलावर पहुंचे और भागे. इसी के बाद दूसरा हमला 2 अक्तूबर को हुआ. करीब 1:50 बजे रात को एक संदिग्ध ने थिएटर के एंट्रेंस पर गोलियां चलाईं. पुलिस ने बताया कि हमलावर भारी शरीर वाला, काले कपड़े और मास्क पहने हुए था. दोनों हमले टार्गेटेड बताए गए हैं.

सेना प्रमुख बोले- भारत अब संयम नहीं रखेगा

आगे की कार्रवाई करेगा; पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा, भूगोल में रहना है या नहीं

नई दिल्ली.

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को आतंकवाद पर बहुत ही सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि इस बार भारत ऑपरेशन सिंदूर 1.0 की तरह संयम नहीं बरतेगा और पाकिस्तान तय कर ले कि उसे भूगोल में रहना है या नहीं रहना। उन्होंने भारतीय सेना को हर तरह से तैयार रहने को भी कह दिया है।

जनरल द्विवेदी से ठीक एक दिन पहले गुरुवार को पश्चिमी सीमा पर ही गुजरात के भुज में शस्त्र पूजा के मौके पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी सर क्रीक क्षेत्र में पाकिस्तान की हरकतों को लेकर उसे सुधर जाने की चेतावनी दी थी। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत और पाकिस्तान के बीच चार-दिवसीय टेस्ट मैच बताते हुए चेतावनी दी कि युद्ध कभी भी योजना के अनुसार नहीं चलता। राजस्थान के अनूपगढ़ में उन्होंने सख्त शब्दों में कहा, 'इस बार हम उस तरह से संयम नहीं बरतेंगे, जैसे ऑपरेशन सिंदूर 1.0 में बरता था...इस बार हम कुछ ऐसा करेंगे कि पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि वह भूगोल में रहना चाहता है या नहीं। अगर पाकिस्तान भूगोल में रहना चाहता है, तो उसे राज्य-प्रायोजित आतंकवाद को रोकना पड़ेगा।' इससे एक दिन पहले ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सर क्रीक के पास पाकिस्तान की हरकतों को लेकर उसे चेतावनी दी थी और आरोप लगाया था कि आजादी के 78 साल बाद भी वह इस विवाद का समाधान नहीं निकालना चाहता।

उन्होंने भी पाकिस्तान से दो टूक कहा था कि अगर कुछ गड़बड़ी की तो उसे अब बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि 'भारतीय सेना और बीएसएफ संयुक्त रूप से भारत की सीमाओं की सतर्कतापूर्वक रक्षा कर रहे हैं। अगर सर क्रीक क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर से कोई दुस्साहस की कोशिश हुई तो उसे ऐसा जवाब मिलेगा कि इतिहास और भूगोल दोनों बदल जाएंगे। 1965 के युद्ध में भारतीय सेना ने लाहौर पहुंचने की क्षमता दिखाई थी। आज 2025 में पाकिस्तान को याद रखना चाहिए कि क्रीक का एक रास्ता कराची तक भी जाता है।'

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुत ही स्पष्ट तौर से कह रखा है कि भारत ने आतंकवाद के खिलाफ शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर को सिर्फ निलंबित कर रखा है, यह बंद नहीं हुआ है और जब भी आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की जरूरत पड़ेगी, यह ऑपरेशन शुरू हो जाएगा। भारत ने अब एक नीति यह भी तय कर दी है कि आतंकवाद के समर्थकों से भी उसी तरह से निपटा जाएगा, जैसे आतंकवादियों के साथ निपटा जाता है।

एनजीटी ने लगाई थी रोक

यमुना किनारे मनाया जाएगा छठ

नई दिल्ली. छठ पर्व को लेकर दिल्ली सरकार ने बड़ा फैसला लिया है. इस बार छठ पर्व यमुना किनारे मनाया जाएगा. बढ़ते प्रदूषण के चलते एनजीटी ने यमुना किनारे छठ पर्व मनाने पर रोक लगाई थी. मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, अब तक छठ के आराधकों की भावनाओं का अपमान हुआ था. लेकिन मुख्यमंत्री ने निर्णय लिया है कि इस बार छठ भव्य तरीके से मनाई जाएगी और जो सबकी इच्छा है कि छठ की पूजा यमुना तट पर हो तो इसके लिए सरकार संकल्पित है और इस बार सरकार छठ का आयोजन यमुना मैया के तट पर करेगी. दिल्ली सरकार के फैसले पर आम आदमी पार्टी ने कहा कि कोर्ट के आदेश पर यमुना घाट पर छठ मनाने पर रोक लगी थी. हमने कोर्ट में मांग भी की थी पूजा की इजाजत दी जाए. लेकिन बीजेपी झूठ बोलती है. हमें तो देखना है कि प्रवेश वर्मा यमुना का झाग कैसे रोकेंगे. वो तथाकथित जहरीला केमिकल कैसे यमुना में डालेंगे. दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछले दिनों घोषणा की थी कि आस्था का छठ पर्व इस बार यमुना नदी के दोनों किनारों पर आयोजित किया जाएगा.यमुना के किनारों पर छठ पूजा को लेकर विशेष प्रबंध किए जाएंगे ताकि व्रतधारियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े.

मुख्यमंत्री का यह भी कहना है कि यमुना नदी के अलावा जहां कहीं भी छठ पूजा का आयोजन होगा, सरकार वहां पूरी व्यवस्था की निगरानी करेगी. मुख्यमंत्री के अनुसार आस्था, प्रकृति और भावनाओं से जुड़े इस पर्व को सुरक्षित, स्वच्छ और सुव्यवस्थित ढंग से मनाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है. मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में यमुना के किनारो के अलावा मुनक नहर, मुंगेशपुर ड्रेन के अलावा कृत्रिम तालाबों में भी छठ पूजा आयोजित की जाती है. राजधानी में कुल मिलाकर 929 स्थलों पर पूजा-अर्चना की जाती है. इन स्थलों पर सरकार की ओर से समुचित व्यवस्थाएं की जाएंगी. अगर किसी संस्थान को एनओसी चाहिए तो उसे भी बिना किसी परेशानी से उसे दिया जाएगा.

छिंदवाड़ा कफ सिरप कांड:

बच्चों की मौत पर सस्पेंस, नमूने निकले सही

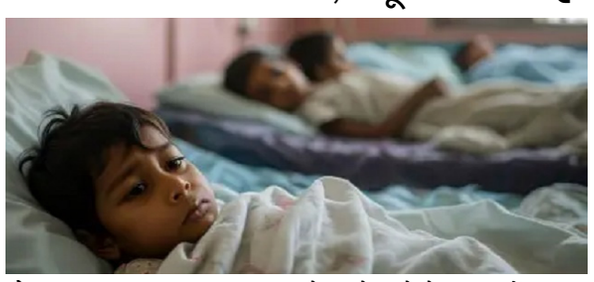

भोपाल.

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा सिरप कांड को लेकर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि दवाओं से मौत होने की बात से इनकार किया है. उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि इस कांड से जुड़ी 12 प्रकार की दवाओं के नमूने परीक्षण के लिए भेजे गए हैं. अभी तक तीन दवाओं के नमूने आएं हैं. इनकी रिपोर्ट में ऐसा कोई पदार्थ नहीं मिला है जिससे यह पता चले कि इन दवाओं के कारण मौतें हुई हैं. उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि शेष दवाओं की रिपोर्ट भी आज शाम या फिर कल सुबह तक आने की उम्मीद है. फिलहाल प्रयोगशालाओं में भेजे गए नमूनों की रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं. साथ ही छिंदवाड़ा मामले को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से भी बात की जा रही है. इस मामले में सरकार और अधिकारी जिम्मेदारी से कार्य कर रहे हैं. इस मामले में कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने उपमुख्यमंत्री और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला पर सवाल उठाया है. उन्होंने कहा कि सरकार दवा कंपनी को पहले ही क्लीन चिट कैसे दे सकती है. सभी दवाओं के नमूने आने के बाद उन्हें इस पर सोचना चाहिए था. अब तक बच्चों में किडनी की बीमारी के 15 से ज्यादा केस सामने आ चुके हैं, जिनमें से 7 की मौत हो चुकी है. विधायक का कहना है कि ऐसे मामलों में सरकार को संबंधित लोगों पर एक्शन लेना था, लेकिन उन्होंने बचाव किया है. वहीं उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने का कहना है कि बच्चों की मौत के पीछे कफ सिरप जिम्मेदार नहीं है. उन्होंने कहा कि तीन दवाओं की रिपोर्ट आ चुकी है, जिनमें किसी भी प्रकार की गड़बड़ी नहीं पाई गई है. अन्य दवाओं के नमूने की रिपोर्ट भी जल्द आ जाएगी. उन्होंने आरोप कोई भी किसी पर लगा सकता है. उन्होंने लोगों से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें। बता दें कि बीते 24 अगस्त को बच्चों में तेज बुखार और पेशाब बंद होने जैसी संदिग्ध समस्याएं सामने आईं और 7 सितंबर को पहली मौत दर्ज की गई. हालात बिगड़ने पर कई बच्चों को नागपुर रेफर किया गया, लेकिन 7 बच्चों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. जांच में सामने आया कि जिन बच्चों की किडनी फेल हुई, उनमें से अधिकतर को कोल्ड्रिफ और नेक्स्रो-डीएस कफ सिरप दिया गया था.

पिकनिक के दौरान अरब सागर में एक ही परिवार के 3 लोग डूबे, 4 अन्य लापता

सिंधुदुर्ग. महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग ज़िले में शुक्रवार को एक ही परिवार के तीन सदस्य अरब सागर में डूब गए, जबकि चार अन्य लापता हो गए। हादसे के समय पीड़ित पिकनिक मनाने गए थे। अधिकारियों ने खोज और बचाव अभियान शुरू कर दिया है, जबकि चार शव समुद्र से निकाले जा चुके हैं। यह घटना मुंबई से 490 किलोमीटर से अधिक दूर स्थित शिरोडा-वेलागर समुद्र तट पर शाम लगभग 4 बजे हुई। पुलिस ने बताया कि एक परिवार के आठ सदस्य पिकनिक पर थे। उनमें से दो कुडाल (सिंधुदुर्ग) में रुके थे, जबकि छह अन्य बेलगाम (कर्नाटक के बेलगावी) से आए थे। वे सभी आठ तैरने के लिए समुद्र में उतरे।

हालाँकि, कुछ ही देर बाद, पानी की गहराई का अंदाज़ा न लगा पाने के कारण वे डूबने लगे। सूचना मिलने के बाद, पुलिस और स्थानीय आपदा प्रबंधन टीमों ने बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान तीन लोगों के शव बरामद हुए, जबकि चार अन्य अभी भी लापता हैं। बाकी चार लोगों की तलाश देर शाम तक जारी रही।

नाबालिग बेटों के सामने रिक्शा चालक की हत्या

छत्रपति संभाजीनगर. बुधवार रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई. सैयद इमरान शफीक नाम के रिक्शा चालक को उसके दो नाबालिग बेटों के सामने बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया गया. घटना इतनी क्रूर थी कि उसके हाथ और उंगलियाँ काट दी गईं और सिर व गर्दन पर कई बार वार किए गए. इमरान अपने 13 साल के बेटे अयान और 3 साल के बेटे अजान के साथ घर लौट रहे थे. घटना का समय बुधवार रात करीब 8:30 बजे बताया जा रहा है. सिल्क मिल कॉलोनी इलाके में फ्लाईओवर के नीचे रेलवे स्टेशन के पास एक कार ने उनका रिक्शा रोक लिया. कार से 5-6 हमलावर उतरे और बच्चों को रिक्शा से बाहर निकाल दिया. इसके बाद इमरान पर हमलावरों ने हथियारों से हमला कर दिया. जब इमरान ने हथियार छीनने की कोशिश की, तो हमलावरों ने उसकी उंगलियाँ और दाहिनी कलाई काट दी. इसके बाद सिर और गर्दन पर कई वार करके उसे मौके पर ही मौत के घाट उतार दिया. बच्चे इस क्रूर घटना के गवाह बने और डर के मारे चीखते रहे थे.

आईएएफ चीफ बोले- एफ16 समेत 6 विमान हवा में गिराए, 6 विमानों को एयरबेस पर नष्ट किया

ऑपरेशन सिंदूर में पाक के 12 एयरक्रॉफ्ट तबाह

नई दिल्ली.

वायुसेना प्रमुख एयरचीफ मार्शल एपी सिंह ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के करीब 12 विमान तबाह किए गए थे। वायुसेना प्रमुख के हवाले से बताया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के पांच फाइटर जेट और एक सी-130 (ट्रांसपोर्ट एयरक्रॉफ्ट) को जमीन पर तबाह किया। ये विमान पाकिस्तान के एयरबेस और हैंगर (विमानों की पार्किंग) पर खड़े थे।

वहीं इंडियन एयरफोर्स ने 300 किलोमीटर से ज्यादा की मारक क्षमता वाली (सतह से हवा में मार करने वाली) मिसाइल से हवा में पाकिस्तान के 6 विमानों को मार गिराया। इसमें पांच फाइटर जेट या तो एफ-16 या जेएफ-17 थे। वहीं एक एवब्लू-सी (सिग्नल इंटेलिजेंस) विमान था। एपी सिंह ने आगे कहा कि पाकिस्तान की तरफ से भारत के जेट गिराने के दावे सिर्फ मनोहर कहानियां जैसे हैं।

अगर उनके पास कोई सबूत हैं तो दिखाएं। दो महीने में यह दूसरी बार है, जब एयरफोर्स चीफ ने पाकिस्तान के हुए नुकसान की जानकारी दी। इससे पहले 9 अगस्त को उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के 5 लड़ाकू विमान गिराए गए थे। अगर उन्हें लगता है कि उन्होंने हमारे (भारत) 15 जेट मार गिराए हैं, तो उन्हें सोचने दीजिए। मैं इसके बारे में बात क्यों करूं? आज भी, मैं इस बारे में कुछ नहीं कहूंगा कि क्या हुआ, कितना नुकसान हुआ, कैसे हुआ, क्योंकि उन्हें पता करने दीजिए। क्या आपने एक भी तस्वीर देखी है जहां हमारे किसी एयरबेस पर कुछ गिरा हो, हमें कोई टक्कर लगी हो, कोई हैंगर तबाह हुआ हो, या ऐसा कुछ? हमने उन्हें उनकी जगहों की इतनी सारी तस्वीरें दिखाईं।

लेकिन, वे हमें एक भी तस्वीर नहीं दिखा पाए। ये उनकी 'मनोहर कहानियां' है। उन्हें खुश रहने दीजिए, आखिरकार, उन्हें भी अपनी इज्जत बचाने के लिए अपने लोगों को कुछ तो दिखाना ही है। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। जहां तक पाकिस्तान के नुकसान का सवाल है। हमने बड़ी संख्या में उनके हवाई अड्डों और प्रतिष्ठानों पर हमला किया। इन हमलों के कारण, कम से कम चार स्थानों पर रडार, दो स्थानों पर कमांड और कंट्रोल सेंटर, दो जगह पर रनवे क्षतिग्रस्त हो गए।

इसके अलावा तीन हैंगर भी नष्ट किए और कम से कम 4 से 5 लड़ाकू विमान भी तबाह किए गए। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आतंकियों के नए अड्डे बनाने की खबरों पर एपी सिंह ने कहा, जाहिर है, यह होना ही था। हमें भी खबर मिल रही है वे शायद बड़े ढांचे बनाने की बजाय छोटे-छोटे ढांचे बना रहे हैं। लेकिन फिर भी हम उन्हें और उनके ठिकानों को नष्ट कर सकते हैं। इसलिए, हमारे विकल्प नहीं बदले हैं।

हमने लक्ष्य के साथ युद्ध खत्म किया

भारतीय सेना को स्पष्ट संदेश दिया गया था। यह एक सबक है जो इतिहास में दर्ज होगा कि यह एक ऐसा युद्ध था जो एक लक्ष्य के साथ शुरू किया गया था और इसे बिना बढ़ाए तुरंत खत्म कर दिया गया। हम देख रहे हैं कि दुनिया में क्या हो रहा है, जो दो युद्ध (रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास) चल रहे हैं, उन्हें खत्म करने की कोई बात नहीं हो रही है, लेकिन हमने अपनी लड़ाई को उस स्थिति तक पहुंचाया, जहां दुश्मन युद्धविराम की मांग करने लगा। मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो दुनिया को हमसे सीखने की जरूरत है।

एक्सिस बैंक ने शुरू की पहली स्वर्ण-समर्थित क्रेडिट लाइन

नई दिल्ली.

एक्सिस बैंक ने फ्रीचार्ज के साथ मिलकर यूपीआई पर गोल्ड लोन के साथ क्रेडिट की शुरुआत की है - यह भारत की पहली स्वर्ण-आधारित क्रेडिट लाइन है जो यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से उपलब्ध है।

ऋणदाता के अनुसार, यह उत्पाद विशेष रूप से शहरी और ग्रामीण भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), स्व-नियोजित उद्यमियों और व्यापारियों के लिए, स्वर्ण परिसंपत्तियों की आर्थिक क्षमता को उजागर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

फ्रीचार्ज के साथ साझेदारी में, एक्सिस बैंक ने यूपीआई पर गोल्ड लोन के साथ क्रेडिट सुविधा शुरू की है। इसका मतलब है कि अब यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के ज़रिए सीधे लोन उपलब्ध कराए जा सकेंगे। यूपीआई पर गोल्ड लोन के साथ क्रेडिट की सुविधा उपयोगकर्ताओं को अपनी स्वर्ण संपत्तियों पर तेज़ी से क्रेडिट प्राप्त करने में सक्षम बनाती है।

एक्सिस बैंक के ग्राहक गोल्ड लोन देने वाली सभी शाखाओं में इस कार्यक्रम का लाभ उठा सकते हैं, बिना शाखा में जाए भी।

गौरतलब है कि इस योजना के तहत, ब्याज केवल उस राशि पर लगाया जाता है जो वास्तव में उपयोग की जाती है, पूरी स्वीकृत सीमा पर नहीं। इन निधियों का उपयोग तत्काल नकदी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जा सकता है। इससे अनावश्यक ब्याज लागत नहीं आएगी। तुरंत भुगतान और पुनर्भुगतान करने के लिए, ग्राहक फ्रीचार्ज या किसी अन्य यूपीआई ऐप का उपयोग करके यूपीआई या यूपीआई क्यूआर का उपयोग कर सकते हैं।

यूपीआई क्रेडिट लाइनों को समझना: एक अवलोकन

एनपीसीआई की वेबसाइट पर यूपीआई पर क्रेडिट लाइन का उल्लेख इस प्रकार किया गया है, "यूपीआई पर क्रेडिट लाइन एक अभिनव वित्तीय पेशकश है जिसे भारतीय रिज़र्व बैंक के ग्राहकों की ऋण तक पहुच को बदलने के दृष्टिकोण के अनुरूप विकसित किया गया है। यह उत्पाद व्यक्तियों और छोटे व्यवसायों को बैंकों से पूर्व-स्वीकृत क्रेडिट लाइन प्राप्त करने में सक्षम बनाता है, जिसका उपयोग यूपीआई के माध्यम से लेनदेन के लिए तुरंत किया जा सकता है।

शेयर और बॉन्ड में गिरावट

> सोना-चांदी ही सुरक्षित सहारा, कियोसाकी का बयान

नई दिल्ली.

दुनियाभर के शेयर बाजारों में बीते कुछ समय से उथल-पुथल नजर आई है. डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ अटैक से ट्रेड वॉर की स्थिति बनी हुई है. इन सब हालातों के बीच अब दुनिया के दिग्गज निवेशक बर्कशायर हैथवे के चेयरमैन वॉरेन बफे के रुख भी बदले-बदले हैं. अब तक वो गोल्ड-सिल्वर को एक नॉन प्रोडक्टिव संपत्ति करार देते रहे और अक्सर शेयर इन्वेस्टमेंट के टिप्स बताते थे. लेकिन हाल ही में उन्होंने इनका समर्थन किया है. इसे लेकर मशहूर किताब 'रिच डैड-पुअर डैड' के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने बड़ा अलर्ट करते हुए कहा है कि शेयर-बॉन्ड सब क्रैश होने वाले हैं. उन्होंने एक बार फिर सिर्फ सोना-चांदी को ही मुसीबत का सहारा करार दिया है.

सोने की कीमतों में जहां इस साल ताबड़तोड़ उछाल आया है, तो वहीं चांदी ने तो रिटर्न देने को मामले में गोल्ड को भी कहीं पीछे छोड़ दिया है. इनके भाव में तेजी ने एक बार फिर से सुरक्षित निवेश के ठिकानों के रूप में फेमस कीमती धातुओं की भूमिका को उजागर किया है. इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि बफे जो अब तक सोने-चांदी में निवेश को दरकिनार करते हुए गैर-उत्पादक संपत्तियां बताते थे और पिछले कई दशकों से निवेश के रूप में सोने को रखने की आलोचना करते नजर आते थे. रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2025 में अब तक सोने और चांदी में 45-50% के उछाल के साथ दुनिया के टॉप-10 अमीरों में शुमार इन अरबपति की कंपनी भी इन धातुओं पर पैनी नजर रख रही है.

गोल्ड-सिल्वर रेट में उछाल से फाइनेंशियल सेक्टर के दो बेहद प्रभावशाली लोगों (रिच डैड पुअर डैड के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी और बर्कशायर हैथवे के चेयरमैन वॉरेन बफेट) के बीच लंबे समय से चली आ रही बहस को फिर से हवा दे दी है. क्योंकि, रोबर्ट कियोसाकि हमेशा लोगों को गोल्ड-सिल्वर और बिटकॉइन में पैसे लगाने की सलाह देते रहे हैं.

गौतम अदाणी ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का निरीक्षण किया

मुंबई.

अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (एनएमआईए) अपने औपचारिक उद्घाटन से पहले अंतिम चरण में पहुँच चुका है। बुधवार, 8 अक्टूबर को होने वाले उद्घाटन से पहले अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने एयरपोर्ट का दौरा किया और तैयारियों का जायजा लिया।

गौतम अदाणी ने एयरपोर्ट की तकनीकी प्रगति और संचालन का गहन निरीक्षण किया। पूर्ण रूप से संचालित होने के बाद, यह एयरपोर्ट प्रति वर्ष 9 करोड़ यात्रियों को संभालने की क्षमता रखेगा, जिससे यह विश्व के सबसे बड़े और अत्याधुनिक एयरपोर्ट में शामिल हो जाएगा। गौतम अदाणी ने इस अवसर पर एयरपोर्ट को आकार देने वाले विभिन्न समूहों से भी संवाद किया। उन्होंने निर्माण कार्यों में लगे मज़दूरों, इंजीनियरों, प्रोजक्ट टीम, दमकलकर्मियों और टर्मिनल के रिटेल आउटलेट में कार्यरत दिव्यांग कर्मचारियों से मुलाकात की।

इस अवसर पर गौतम अदाणी ने कहा, यहा हर रनवे, हर टर्मिनल और हर गेट हजारों हाथों और दिलों से जुड़ा हुआ है। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट केवल एक इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि यह भारत की भावना और सामूहिक प्रयास का प्रतीक है भारत के लोगों द्वारा, भारत के लोगों के लिए निर्मित।

प्रधानमंत्री द्वारा 8 अक्टूबर को उद्घाटन से पहले, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट मुंबई की हवाई सेवाओं में भीड़-भाड़ को कम करने, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय आर्थिक विकास को प्रोत्साहन देने और भारत के भविष्य का द्वार बनने के लिए पूरी तरह तैयार है।

भारत-रूस की दोस्ती, इन देशों को करेगा ऑइल सप्लाई

नई दिल्ली.

यूक्रेनी ड्रोन हमलों की वजह से मॉस्को की कई रिफाइनरियां बंद हो गईं, जिसके कारण रूस ने अपने ईंधन निर्यात में कटौती कर दी. अब भारत इस कमी को पूरा करने के लिए आगे आ रहा है. भारत की प्राइवेट रिफाइनर कंपनियां, जैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी, ब्राजील, तुर्की, यूएई और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में ईंधन की सप्लाई बढ़ा रही हैं, क्योंकि ये देश रूसी ईंधन का विकल्प ढूंढ रहे हैं.

केपलर के डेटा के मुताबिक, रूस ने अपने घरेलू बाजार को प्राथमिकता दी और ईंधन की कमी से बचने के लिए निर्यात पर रोक लगा दी. इससे सितंबर में रूस का ईंधन निर्यात लगभग 2 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) कम हो गया. केपलर के रिसर्चर सुमित रिटोलिया ने बताया कि रूसी रिफाइनरियों में रुकावट और डीजल और गैसोलीन पर बैन की वजह से सितंबर के अंत में रूस से ईंधन निर्यात सीमित हो गया. भारत ने इस मौके का फायदा उठाया. ब्राजील को भारत का रिफाइंड ईंधन निर्यात अगस्त के 40,000 बीपीडी से बढ़कर सितंबर में 97,000 बीपीडी हो गया. तुर्की को सप्लाई भी 20,000 बीपीडी से बढ़कर 56,000 बीपीडी हो गई, जबकि पिछले साल सितंबर में तुर्की को कुछ भी नहीं भेजा गया था. रिटोलिया ने कहा कि जब रूस का डीजल, गैसोलीन प्रोडक्शन कम होता है, तो भारत जैसे देश इस कमी को पूरा करते हैं. ज्यादातर सप्लाई रिलायंस ने की, जबकि नायरा का योगदान कम रहा. तुर्की और ब्राजील रूस के बड़े डीजल खरीदार हैं. नायरा ने पिछले दो साल में इन देशों को कुछ नहीं भेजा था, लेकिन यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के बाद उसने अगस्त-सितंबर में सप्लाई शुरू की. यूएई को भारत की सप्लाई भी अगस्त के 1.4 लाख बीपीडी से बढ़कर सितंबर में 2.01 लाख बीपीडी हो गई.

5 वजहें जिससे शेयर बाजार चमका, निवेशकों को भारी लाभ

नई दिल्ली.

बुधवार की की तेजी के बाद शुक्रवार को शेयर बाजार का मूड अच्छा नहीं दिखाई दिया. सुबह से लेकर दोपहर तक सेंसेक्स और निफ्टी का मूड ऑन ऑफ होता रहा. लेकिन शेयर बाजार बंद होने से पहले सेंसेक्स और निफ्टी ने फिर रफ्तार पकड़ी. बाजार बंद होने तक जहां सेंसेक्स दिन के लोअर लेवल से 550 से ज्यादा अंकों की तेजी के साथ दिखाई दिया. वहीं निफ्टी भी 24,894.25 अंकों के साथ बंद हुआ. आंकड़ों को देखें तो मेटल शेयरों में बढ़त, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और पॉजिटिव ग्लोबल संकेतों की वजह से शुक्रवार को बेंचमार्क इक्विटी सूचकांकों ने शुरुआती गिरावट की भरपाई की.

टाटा स्टील, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में 4 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर वो 5 कारण कौन से जिनकी वजह से निवेशकों को 2.44 लाख करोड़ रुपए का फायदा हुआ. खास बात तो ये है कि शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी देखने को मिली. सेंसेक्स में लगातार दो दिनों में 900 से ज्यादा अंकों का इजाफा देखने को मिल चुका है.

मेटल शेयरों में खरीदारी: टाटा स्टील में लगभग 3 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और यह निफ्टी 50 सूचकांक में शीर्ष प्रदर्शन करने वाला शेयर रहा. यूरोपीय यूनियन द्वारा स्टील इंपोर्ट कोटा आधा करने और उससे अधिक मात्रा पर 50 फीसदी शुल्क लगाने की खबरों के बाद इस क्षेत्र में निवेशकों की रुचि बढ़ी. ब्रोकरेज फर्मों ने कहा कि इसका असर टाटा स्टील और सेल पर सीमित रहेगा, जिनकी निर्यात में 8 प्रतिशत से भी कम हिस्सेदारी है, जबकि टाटा स्टील के नीदरलैंड ऑपरेशन, जो इसके रेवेन्यू में एक-चौथाई का योगदान देता है, को लाभ हो सकता है.

कैपेक्स को बढ़ावा: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विकास को गति देने के लिए कैपेक्स बढ़ाने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई. अप्रैल-जून तिमाही में अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत बढ़ी, जो पिछली पांच तिमाहियों में सबसे तेज़ गति है. ज्यादा खर्च की उम्मीदों ने इंफ्रा और कैपिटल गुड्स के शेयरों को सहारा दिया, जिससे बाज़ार को सहारा मिला. कच्चे तेल में गिरावट: संभावित अमेरिकी सरकार के बंद होने की चिंताओं और ओपेक+ देशों की सप्लाई बढ़ने की उम्मीदों के चलते ब्रेंट क्रूड की कीमतें लगातार तीसरे दिन गिरकर 16 हफ़्तों के निचले स्तर पर आ गईं. कच्चे तेल की कम कीमतों ने भारत के आयात बिल और महंगाई को लेकर चिंताओं को कम किया है, जो घरेलू शेयर बाजारों के लिए सकारात्मक है.

सोयाबीन के मुद्दे पर होगी डोनाल्ड ट्रंप-शी जिनपिंग में बात

नई दिल्ली.

अमेरिका द्वारा दुनिया के तमाम देशों पर लगाए गए टैरिफ को जहां एक ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इकोनॉमी के लिए उठाया गया बेहतर कदम बताते और इसके फायदे गिनाते नजर आते हैं, तो कई ऐसे उदाहरण भी हैं जो इन दावों को दरकिनार करते हैं. खासतौर पर अमेरिकी किसानों से जुड़े, जी हां टैरिफ वॉर के बीच अमेरिका के किसान मक्के और सोयाबीन की खरीदारों की कमी से जूझ रहे हैं.

खुद ट्रंप को भी ये एहसास है और यही कारण है कि वे चीन के पीछे पड़े नजर आ रहे हैं, जो इसका सबसे बड़ा खरीदार है. हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि सोयाबीन के मुद्दे को लेकर चार हफ्तों में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे.

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से अमेरिकी सोयाबीन खरीदने से बीजिंग के इनकार के मुद्दे पर बात करेंगे. ये मुद्दा दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तनाव का एक बढ़ता हुआ क्षेत्र बना हुआ है. उन्होंने कहा कि वह इस महीने के अंत में आगामी एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन में शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे और सोयाबीन इस बैठक में प्रमुख विषय होगा.

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति पर एग्रीकल्चर सेक्टर पर टैरिफ युद्ध के चलते पड़ रहे बुरे असर को लेकर रिपब्लिकन सांसदों का दबाव लगातार बढ़ रहा है.

टैरिफ से कमाए पैसों से मदद का भरोसा

ट्रंप ने अमेरिका के सोयाबीन किसानों को हो रहे नुकसान को लेकर कहा कि चीन सिर्फ टैरिफ पर बातचीत के लिए सोयाबीन नहीं खरीद रहा है. ट्रंप ने देश के किसानों को मदद का भरोसा देते हुए कहा कि, 'हमने टैरिफ से इतना पैसा कमाया है कि हम उस पैसे का एक छोटा सा हिस्सा लेकर भी अपने किसानों की मदद कर सकते हैं. मैं अपने किसानों को कभी निराश नहीं करूंगा.'

सेबी की निगरानी में फैमिली ऑफिसेज

> अरबपतियों से मांगी जानकारी

नई दिल्ली.

भारत के बाजार नियामक, सेबी, अब फैमिली ऑफिसों को अपनी निगरानी में लाने की सोच रहा है, क्योंकि देश के अरबपति स्टॉक मार्केट में बड़ी ताकत बनते जा रहे हैं. सेबी चाहता है कि फैमिली ऑफिस पहली बार अपनी कंपनी, संपत्ति और निवेश के रिटर्न की पूरी जानकारी दें. साथ ही, उनके निवेश के तरीकों को कंट्रोल करने के लिए एक अलग कैटेगरी बनाने की भी बात चल रही है. रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है. सेबी को यह समझना है कि बड़े-बड़े परिवार सार्वजनिक कंपनियों में कैसे निवेश करते हैं और इससे मार्केट में क्या रिस्क हो सकते हैं. इस साल की शुरुआत में सेबी ने कुछ बड़े फैमिली ऑफिसों के साथ मीटिंग की और बाकियों से लिखित में जानकारी मांगी है. मगर ये नियम किस तरीके से लागू होंगे. या फिर किन परिवारों पर इसका ज्यादा असर पड़ेगा इसके बारे में अभी साफ तौर पर कोई सूचना नहीं है. पहले भारत में फैमिली ऑफिस बहुत कम थे, लेकिन अब ये स्टार्टअप्स, प्राइवेट इक्विटी और आईपीओस में बड़े निवेशक बन गए हैं. कई फैमिली ऑफिस ऑल्टरनेटिव इनवेस्टमेंट फंड्स या शैडो लेंडर्स जैसी रेगुलेटेड संस्थाओं के जरिए निवेश करते हैं. भारत में दुनिया के कुछ सबसे अमीर लोग रहते हैं. कई फैमिली ऑफिस, जैसे अजीम प्रेमजी की प्रेमजी इनवेस्ट, बजाज होल्डिंग्स, और शिव नादर व नारायण मूर्ति की इनवेस्टमेंट फर्म्स, आईपीओs में एंकर इनवेस्टर के तौर पर काम करते हैं. फैमिली ऑफिस एक परिवार की दौलत और लाइफस्टाइल को मैनेज करने वाली फर्म होती हैं. श्रीनाथ श्रीधरन के मुताबिक, निफ्टी 1000 की हर कंपनी का फाउंडर भारत या विदेश में कम से कम एक निवेश इकाई रखता है, और कई बार तो इससे भी ज्यादा. यानी, कुल मिलाकर 3,000 से ज्यादा ऐसी संस्थाएं हैं, जिनमें रियल एस्टेट फर्म्स भी शामिल हैं, लेकिन इनमें से बहुत कम ही प्रोफेशनली मैनेज्ड हैं.

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र दसरा भव्यतम सोडत — सोडत क्र. 02 — सोडत दिनांक 03/10/2025

मालिका	DB-01	DB-02	DB-03	DB-04	DB-05
पहिले बक्षिसे रु. 50 लाख (रु. 50 लाखाची 2 बक्षिसे)	22196	25597	अग्रवाल लॉटरी एजन्सी - धुळे प्रिन्स एजन्सी - मुंबई यांचा मार्फत		—
दुसरे बक्षिस रु. 1 लाख (रु. 1 लाखाची 5 बक्षिसे)	21879	37424	36089	20631 श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई	16049 न्यू जय अंबे लॉटरी भंडार, यवतमाळ

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

तिसरे बक्षिस रु. 10000/- : 7740

चौथे बक्षिस रु. 5000/- : 5406

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

बक्षिस										
पाचवे बक्षिस रु. 1000/-	1340	2182	2366	2372	4440	4615	5719	6465	8847	8863
सहावे बक्षिस रु. 500/-	0251	0259	2070	2747	4488	5176	6586	6717	6725	8339

सातवे बक्षीस रु. 400/- (सर्व मालिकांसाठी)

0009	0766	1394	2252	3263	3773	4517	5457	6362	7191	8154	9007
0014	0790	1411	2256	3273	3793	4522	5518	6454	7227	8168	9029
0047	0791	1418	2262	3312	3832	4534	5535	6463	7260	8202	9111
0090	0826	1503	2263	3327	3847	4738	5579	6552	7265	8269	9156
0103	0862	1517	2283	3330	3961	4744	5586	6574	7385	8306	9178
0107	0899	1531	2402	3360	3967	4776	5589	6608	7544	8308	9223
0161	0901	1581	2412	3362	3974	4787	5643	6616	7579	8387	9291
0166	0944	1596	2442	3381	4005	4829	5654	6622	7673	8489	9362
0231	0950	1604	2464	3384	4024	4842	5725	6669	7687	8492	9369
0238	1009	1610	2475	3393	4045	4844	5729	6736	7696	8528	9395
0240	1053	1617	2610	3409	4093	4889	5751	6766	7704	8569	9428
0247	1107	1732	2626	3423	4154	4948	5756	6792	7714	8586	9439
0260	1118	1763	2657	3433	4195	4990	5844	6796	7728	8608	9469
0273	1121	1775	2726	3438	4284	5036	5851	6831	7763	8638	9479
0294	1129	1900	2729	3455	4287	5056	5906	6863	7772	8682	9483
0307	1164	1915	2747	3463	4293	5075	5912	6896	7785	8685	9499
0413	1185	2000	2786	3493	4343	5135	5959	6902	7878	8809	9516
0505	1211	2044	2821	3505	4354	5165	6044	6952	7880	8816	9629
0536	1231	2059	2851	3533	4404	5216	6092	6976	7932	8837	9662
0558	1269	2105	2878	3579	4409	5235	6122	6990	7937	8851	9710
0605	1291	2158	2924	3607	4424	5320	6176	7028	7973	8867	9749
0700	1295	2178	2948	3632	4435	5353	6275	7049	8036	8869	9797
0715	1357	2180	3171	3686	4484	5355	6299	7057	8056	8888	9914
0719	1362	2239	3212	3691	4487	5410	6346	7067	8118	8977	9941
0722	1387	2247	3226	3732	4514	5420	6360	7179	8135	8988	9943

छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. • अचुक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. • प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

महाराष्ट्र दसरा भव्यतम सोडत — सोडत दिनांक 03/10/2025

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — **गणेशलक्ष्मी धन** विकली लॉटरी — सोडत सायं. 5:00 वाजता

सोडत दर शुक्रवार • सोडत क्रमांक 40 • तिकीट किं. रु. 10/- • सोडत दिनांक 03/10/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/- : MG-06 : 2766

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 2000/-				
3886 किशोर लॉटरी सेंटर, सांगली	7587 श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई	7703 ओम गं गणपतये नमः लॉटरी - पुणे	8880	9233

बक्षिस										
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	0262	0980	1011	1671	2694	5039	5933	7747	9024	9865
चौथे बक्षिस रु. 500/-	0412	1468	1544	2811	4210	4479	4619	5214	6524	7577

पाचवे बक्षीस रु. 200/- (सर्व मालिकांसाठी)

0036	0818	1408	2486	3759	4913	5773	6842	8020	9101
0081	0860	1515	2592	3808	4916	5848	6870	8108	9141
0085	0862	1532	2623	3809	5051	5953	6916	8137	9224
0109	0881	1549	2626	4137	5158	6086	6939	8438	9290
0245	0900	1614	2693	4227	5265	6140	7126	8456	9330
0256	0902	2235	2719	4294	5310	6256	7253	8466	9387
0290	0910	2253	2729	4463	5457	6262	7370	8534	9388
0439	1071	2267	2752	4471	5458	6285	7408	8590	9396
0480	1110	2293	2950	4499	5459	6326	7524	8675	9524
0610	1160	2321	3253	4584	5462	6629	7537	8680	9626
0620	1232	2425	3340	4587	5573	6660	7715	8856	9777
0762	1277	2452	3430	4746	5635	6667	7745	8864	9892
0800	1316	2475	3456	4748	5667	6696	7768	8907	9933
0809	1389	2483	3651	4754	5680	6749	7824	8961	9981

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गणेशलक्ष्मी दसरा विशेष मासिक सोडत — तिकीट किंमत रु.100/- — सोडत दिनांक 20-10-2025
जिंका फक्त 4 अंकावर — पहिले सामायिक बक्षिस ₹ 22 लाख — दुसरे बक्षीस ₹ 3 लाख (₹ 10 हजारची 30 बक्षिसे) — तिसरे बक्षीस ₹ 5 लाख (₹ 5 हजारची 100 बक्षिसे)

गणेशलक्ष्मी धन विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 03/10/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचुक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — **महाराष्ट्र सह्याद्री** • राजलक्ष्मी विकली लॉटरी • — सोडत सायं. 4:30 वाजता

सोडत दर शुक्रवार • सोडत क्रमांक 40 • तिकीट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 03/10/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/- : SR-04 : 4938 — श्री गणेश एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

बक्षिस										
दुसरे बक्षिस रु. 1000/-	1211	1554	3177	3356	3613	4253	4262	4543	4762	5005
तिसरे बक्षिस रु. 500/-	1836	1972	2448	2812	3690	3692	4354	4457	4702	5708

चौथे बक्षीस रु. 400/- (सर्व मालिकांसाठी)

1011	2072	3032	4281	5096
1062	2225	3310	4285	5255
1118	2282	3363	4331	5260
1133	2325	3378	4476	5305
1141	2358	3499	4485	5325
1177	2438	3568	4489	5531
1214	2510	3573	4605	5653
1550	2621	3603	4734	5749
1586	2882	3703	4764	5757
1745	2962	3746	4886	5805
1800	2992	3838	4906	5860
2069	3021	3877	4987	5929

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत — तिकीट किंमत रु.50/- — सोडत दिनांक 08-10-2025
जिंका फक्त 5 अंकावर — पहिले सामाईक बक्षिस रु. 21 लाख — दुसरे बक्षिस रु. 5 लाख — तिसरे बक्षिस रु. 2,50,000/- (रु. 5 हजाराची 50 बक्षिसे)

छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबावदार नाही. • अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. • प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

महाराष्ट्र सह्याद्री राजलक्ष्मी विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 03/10/2025

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

ऑटो सेक्टर से लेकर रेलवे तक

नई दिल्ली.

ऑटो पार्ट्स बनाने वाली बड़ी कंपनी एसकेएफ इंडिया ग्रुप ने अपने ऑटोमोबाइल और इंडस्ट्रियल बिज़नेस को अलग कर दिया है. इस डिमर्जर (विभाजन) के बाद अब कंपनी दो अलग-अलग यूनिट्स के तौर पर काम करेगी. दोनों मिलकर 2030 तक करीब 1,460 करोड़ रुपए का निवेश क्षमता बढ़ाने और नई फैक्ट्रियां लगाने में करेंगी. 1 अक्टूबर 2025 से इंडस्ट्रियल बिज़नेस का डिमर्जर लागू हो गया है, जिसे मुंबई एनसीएलटी (नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल) ने मंज़ूरी दी है. उम्मीद है कि नई कंपनी एसकेएफ इंडिया (इंडस्ट्रियल) लिमिटेड को नवंबर 2025 तक शेयर मार्केट में लिस्ट कर दिया जाएगा, बशर्ते रेग्युलेटरी अप्रूवल मिल जाए. इस स्कीम के तहत, एसकेएफ इंडिया एलटीडी के हर शेयरहोल्डर को एक नया शेयर एसकेएफ इंडिया इंडस्ट्रियल का मिलेगा. पुरानी कंपनी अब ऑटोमोबाइल बिज़नेस पर फोकस करेगी. यानी निवेशकों के पास अब दो अलग-अलग ग्रोथ स्टोरीज में निवेश का मौका होगा.ऑटोमोबाइल यूनिट अब भारत की मोबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन पर ध्यान देगी. इसमें इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, हाइब्रिड मॉडल्स, प्रीमियम सेगमेंट, लास्ट-माइल डिलीवरी और एडवांस्ड सेफ्टी सिस्टम्स शामिल होंगे. कंपनी 2030 तक 410510 करोड़ रुपए का निवेश हरिद्वार, पुणे और बेंगलुरु में करेगी. इसका मकसद ओईएम की बढ़ती डिमांड पूरी करना है. साथ ही, रिटेल और सर्विस नेटवर्क भी बढ़ाया जाएगा ताकि कंपनी ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स की पसंदीदा पार्टनर बनी रहे.

नई कंपनी एसकेएफ इंडिया (इंडस्ट्रियल)एलटीडी इंडस्ट्रियल सेक्टर में ग्रोथ पर फोकस करेगी. इसमें मैन्युफैक्चरिंग, रेलवे, रिन्यूएबल एनर्जी, सीमेंट, माइनिंग और मेटल्स जैसे सेक्टर शामिल होंगे. ये सभी भारत की ऊर्जा बदलाव और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में अहम भूमिका निभा रहे हैं. इस यूनिट में 2030 तक 800950 करोड़ रुपए का निवेश होगा. चैनल विस्तार के साथ-साथ 2028 तक पुणे में नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट बनाई जाएगी.

१- श्रद्धा सबूरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — **महाराष्ट्र गजलक्ष्मी** शुक्र विकली लॉटरी — सोडत संध्या. 4:45 वाजता

सोडत दर शुक्रवार • सोडत क्रमांक 40 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 03/10/2025

पहिले बक्षिस रु. 10,000/- : GL-04 : 4419

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

बक्षिस										
दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	1032	1199	1998	3088	3492	4210	6024	6362	6847	8844
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	0344	0753	0856	4465	5446	6373	6402	6783	9511	9569
चौथे बक्षिस रु. 500/-	1336	2257	4122	4880	4888	5698	6345	7195	8715	9960

पाचवे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

पाचवे बक्षिस रु. 300/-	0887	1563	2598	3425	4486	5727	6623	7422	7993	9155
0007	0902	1577	2661	3530	4547	5744	6665	7473	7999	9159
0025	0980	1588	2709	3539	4619	5854	6666	7482	8122	9202
0072	1011	1609	2737	3567	4691	5882	6684	7487	8174	9209
0123	1073	1610	2746	3583	4726	5889	6696	7508	8182	9269
0127	1101	1618	2771	3619	4733	5950	6700	7521	8219	9291
0185	1102	1637	2829	3725	4814	5982	6713	7549	8299	9299
0209	1127	1643	2961	3736	4848	5985	6736	7571	8418	9410
0223	1151	1655	3015	3750	4999	6048	6758	7577	8466	9445
0339	1229	1660	3024	3943	5247	6049	6780	7596	8498	9539
0450	1280	1791	3035	3986	5485	6113	6793	7657	8500	9572
0456	1297	2007	3083	3992	5525	6134	6830	7691	8592	9599
0462	1319	2028	3210	4048	5533	6375	6908	7695	8628	9645
0537	1325	2218	3214	4145	5551	6376	6975	7739	8718	9677
0575	1343	2220	3323	4224	5568	6398	6995	7748	8797	9699
0696	1346	2223	3332	4287	5575	6426	7079	7777	8836	9883
0730	1373	2239	3335	4349	5576	6444	7099	7778	8856	9909
0748	1414	2257	3352	4418	5584	6446	7120	7785	8879	9945
0782	1468	2286	3361	4438	5589	6464	7237	7797	8988	9963
0850	1478	2292	3363	4469	5654	6511	7271	7813	9091	9985
0856	1559	2486	3392	4479	5693	6546	7379	7892	9133	9991

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र दिवाळी भव्यतम सोडत — जिंका फक्त 5 अंकावर — पहिले बक्षिस ₹ 2 करोड (₹ 1 करोड x 2 बक्षिसे) — 2 बक्षिसांपैकी किमान 1 बक्षिस हमीपात्र — दुसरे बक्षिस ₹ 10 लाख (₹ 1 लाखाची x 10 बक्षिसे) — तिसरे बक्षिस ₹ 3 लाख (₹ 10 हजाराची x 30 बक्षिसे) — सोडत दिनांक 01.11.2025 — तिकीट किंमत ₹ 200/-

महाराष्ट्र गजलक्ष्मी शुक्र विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 03/10/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचुक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

प्रविण कडू : 9822472123

मेरा समुदाय भूखा मर रहा, थाली से मत छीनिए: पंकजा मुंडे

मराठा समुदाय अधिकारों के सुरक्षा की मांग

मुंबई. बीजेपी नेता पंकजा मुंडे ने आरक्षण पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह मराठों के लिए भी आरक्षण का समर्थन करती हैं , लेकिन उन्हें आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की थाली से नहीं दिया जाना चाहिए. उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि ओबीसी समुदाय के लोग पहले से ही 'भूख से मर रहे हैं.' बीड जिले के सावरगांव घाट में दशहरा के मौके पर रैली में जनता को संबोधित किया. उन्होंने यह भी कहा कि लोगों के दिमाग से 'जातिवाद के दानव' को पूरी तरह से मिटाने की जरूरत है. महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने दो सितंबर को हैदराबाद गजेटियर को लागू करने के लिए एक शासनादेश (जीआर) जारी किया था. जीआर में कहा गया था कि मराठा समुदाय के पात्र सदस्य कुनबी जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन कर सकेंगे. इससे सर्टिफिकेट के मिलने के बाद मराठा ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा कर सकेंगे. पंकजा मुंडे ने कहा कि हम किसानों और अन्य लोगों के साथ मजबूती से खड़े हैं. “उनके चचेरे भाई और एनसीपी विधायक धनंजय मुंडे ने भी रैली में आरक्षण के मुद्दे पर बात की. उन्होंने कहा कि मराठाओं को आरक्षण दिया गया था, और हम इससे खुश थे. अब ओबीसी के हिस्से से आरक्षण देने की मांग हो रही है. इसके पीछे कुछ ऐसे लोग हैं जो सत्ता हासिल करना चाहते हैं.

प्राकृतिक आपदा ने तोड़े जातिगत बंधन

रैली में पंकजा मुंडे ने कहा कि इस प्राकृतिक आपदा ने जातिगत बंधनों को तोड़ दिया है और लोग मानवीय आधार पर एकजुट हुए हैं. मैं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सभी को आश्वस्त करती हूं कि प्रभावित किसानों को हर संभव मदद मिलेगी. ' उन्होंने आगे कहा कि देवी दुर्गा ने रक्तबीज जैसे राक्षसों का वध किया था. उन्होंने कहा कि 'आज, रक्तबीज जैसे राक्षस लोगों के दिमाग में पैदा जन्म ले रहे हैं. यह राक्षस जातिवाद का है. देवी दुर्गा मुझे इन राक्षसों का अंत करने के लिए शक्ति प्रदान करें.'

एनआईए ने हनी बाबू की जमानत का विरोध किया

मुंबई. बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी प्रोफेसर हनी बाबू की जमानत याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया. बाबू पिछले पांच साल दो महीने से पुणे की जेल में बंद हैं. उन्हें 2018 के भीमा कोरेगांव-एल्गार परिषद मामले में गिरफ्तार किया गया था. हनी बाबू की ओर से वकील युग मोहित चौधरी ने दलील दी कि उनके मुवक्किल को बिना ट्रायल के अत्यधिक समय तक जेल में रखा गया है. चौधरी ने इस मामले के अन्य आरोपियों जैसे वर्नन गोंजाल्विस का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने इसी आधार पर जमानत दी थी. चौधरी ने कहा, "चार्जशीट अब तक तय नहीं हुई है और दो साल पहले दाखिल की गई डिस्चार्ज अर्जी पर भी अभियोजन पक्ष ने कोई जवाब नहीं दिया है. अदालत ने पहले 9 महीने के भीतर ट्रायल पूरा करने के निर्देश दिए थे, लेकिन यह अवधि 8 अक्टूबर को पूरी हो रही है और अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को रखी गई है. क्या यह दिखाता है कि अभियोजन पक्ष ट्रायल शुरू करने का इरादा भी रखता है? यह अनुच्छेद 21 का उल्लंघन नहीं है?

एनआईए की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने जमानत का विरोध किया. उन्होंने कहा कि वर्नन गोंजाल्विस को केवल लंबी कैद के आधार पर जमानत नहीं मिली थी, बल्कि इसलिए भी मिली क्योंकि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं था. हनी बाबू आतंकी गतिविधियों में शामिल है.

उन्होंने यह भी दलील दी कि बाबू ने अभी तक उतना समय जेल में नहीं बिताया है जितना कुछ अन्य आरोपियों ने. साथ ही, एनआईए ने ट्रायल कोर्ट में बाबू को केस से बरी करने की मांग पर जवाब दाखिल कर दिया है और किसी भी समय बहस के लिए तैयार है. लेकिन ट्रायल कोर्ट ने सभी डिस्चार्ज अर्जियों को एक साथ सुनने का निर्णय लिया है, जिससे देरी हो रही है.

शाह के कार्यकाल में बढ़ी 'रावणों' की संख्या

मुंबई. राज्य में इन दिनों सियासी पारा हाई है. शिवसेना (यूबीटी) और एकनाथ शिंदे की शिवसेना के बीच जमकर सियासी बयानबाजी देखने को मिल रही है. इसी कड़ी में अब शिवसेना (यूबीटी) सासंद संजय राउत ने बीजेपी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर हमला बोला है. उन्होंने कहा कि शाह के कार्यकाल में आने के बाद रावणों की संख्या बढ़ गई है. संजय राउत ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पार्टी के सत्ता में आने के बाद से कई रावण पैदा हो गए हैं. इसके साथ ही अब सच बोलने वालों की संख्या कम हो गई है.

उन्होंने कहा कि 10 साल में महाराष्ट्र में इतने रावण पैदा हो गए हैं. यहां अगर आप एक रावण मारेंगे तो 10 रावण पैदा हो जाएंगे. इसके साथ ही जब से अमित शाह की सत्ता आई है. तब से केवल रावण ही रावण पैदा हो रहे हैं. इनके आने से राम का राज्य खत्म हो गया है. इसके साथ ही राम का नाम और विचार भी खत्म हो गया है. संजय राउत पिछले कई दिनों से दशहरा को लेकर तीखी बयानबाजी कर रहे हैं. उन्होंने बीते दिन भी कहा था कि महाराष्ट्र में दशहरा पर केवल दो ही रैलियां होती हैं. एक आरएसएस की और दूसरी शिवसेना की. यही सालों से होती आ रही हैं. बाकी कुछ नहीं है. इसके साथ ही राउत लगातार बीजेपी और एकनाथ शिंदे पर भी हमला बोलते नजर आ रहे हैं. ऐसे में उनके इस बयान से साफ है कि आने वाले दिनों में सियासी पारा हाई हो सकता है. संजय राउत ने बीते दिन दशहरा पर महाराष्ट्र में हो रही बारिश का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में बारिश हो रही थी. इसके कारण लोगों के मन में सवाल था कि हम रावण को जलाएं कैसे? अब तो रावण को डुबाना पड़ेगा. मैंने कहा डुबाईये. उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की सरकार में बहुत से रावण हैं और दिल्ली के रावण को हम जलाएंगे. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के हाथ में मशाल वे रावण को जलाएंगे.

पुलिस से भागा, रेलवे ट्रैक पर फंसा पैर

मुंबई. मुंबई लोकल के एक रेलवे स्टेशन से चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहां पर पुलिस ने एक चोर को फिल्मी स्टाइल में गिरफ्तार किया. पुलिस ने भागते हुए ट्रेन के सामने रेलवे ट्रैक पर छलांग लगा दी जिसके बाद पुलिस ने उसे वहीं पर धर दबोचा और काबू में कर लिया. बताया जा रहा है कि चोर ने एक दिन पहले ही चेन स्नेचिंग की घटना को अंजाम दिया था और फरार हो गया था. लेकिन, वह दूसरे दिन भी उसी जगह पर चोरी करने के लिए पहुंचा और पुलिस ने धर दबोचा. जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला मुंबई के अंबरनाथ रेलवे स्टेशन का है. जहां पर एक चोर ने एक दिन पहले एक छात्रा की चेन चोरी की थी और वह भाग निकला था. चोरी की पूरी वारदात स्टेशन पर लगे कैमरों में रिकॉर्ड हो गई थी. वहीं जिस छात्रा की सोने की चेन चोरी हुई थी उसने जीआरपी के पास पहुंचकर पूरे मामले में शिकायत दर्ज कराई.

पाक के खिलाफ कार्रवाई न करना यूपीए का विश्वासघात: शिंदे

मुंबई. राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को कहा कि 26 नवंबर 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद विदेशी दबाव के कारण पाकिस्तान पर हमला न करने का तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार का फैसला विश्वासघात के समान था। शिवसेना की वार्षिक दशहरा रैली में शिंदे ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम की उस टिप्पणी का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने तत्कालीन संप्रग सरकार के सैन्य कार्रवाई न करने के फैसले के बारे में कहा था। शिंदे ने कहा, 'सैकड़ों लोग मारे गए और किसी के दबाव में आपने पाकिस्तान पर हमला नहीं किया। यह लाचारी और कायरता है। यह देश के साथ बेईमानी है। यह भारत के लोगों के साथ विश्वासघात है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले का कड़ा जवाब दिया। शिंदे ने कहा, 'खून का जवाब खून से दिया गया और गोलियों का जवाब तोपों से दिया गया। शिवसेना प्रमुख ने कहा कि पीएम मोदी ने पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाया और संदेश दिया कि भारत और उसके पड़ोसी के बीच कोई और देश नहीं आएगा। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ़ मोदी ही कह सकते थे और हमें इस पर गर्व होना चाहिए। चिदंबरम ने कहा कि मुंबई आतंकी हमले के बाद वह सैन्य कार्रवाई के पक्षधर थे, लेकिन संप्रग सरकार ने अंततः ऐसा कदम उठाने से मना कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका समेत विश्व शक्तियां चाहती थीं कि भारत युद्ध शुरू न करे। शिंदे ने कहा, हमारे सामने पाकिस्तान कौन है? एक गीदड़...सिर्फ खाल ओढ़ लेने से शेर नहीं बन जाता।

पंगा मत लो, कोई करियर बचाने नहीं आएगा'

जरांगे की पंकजा-धनंजय मुंडे को चेतावनी

मुंबई. मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने राज्य की मंत्री पंकजा मुंडे और उनके रिश्ते के भाई धनंजय मुंडे को उनके साथ 'पंगा' नहीं लेने की चेतावनी देते हुए कहा कि मराठा समुदाय उनके राजनीतिक करियर को खत्म कर देगा.महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पंकजा मुंडे ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा था कि मराठों को आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की थाली' से नहीं दिया जाना चाहिए, क्योंकि इस समुदाय के सदस्य पहले से ही भूख से जूझ रहे' हैं. जरांगे ने कहा, 'मैं उन दोनों (पंकजा मुंडे और धनंजय मुंडे) को चेतावनी दे रहा हूं. छगन भुजबल की बात मत मानो और मुझसे पंगा मत लो. कोई तुम्हारा राजनीतिक करियर बचाने नहीं आएगा. समझदार बनो, अब भी समय है.' देवेंद्र फडणवीस सरकार ने दो सितंबर को हैदराबाद गजेटियर को लागू करने के लिए एक शासनादेश (जीआर) जारी किया था, जिससे मराठा समुदाय के पात्र सदस्य कुनबी जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन कर सकेंगे. इससे प्रमाण पत्र जारी होने के बाद मराठा ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा कर सकेंगे. यह जीआर मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के मुंबई में 29 अगस्त से पांच दिन तक अनशन करने के बाद जारी किया गया था.

PAPER PUBLICATION

Pro. No. 17772 Dt. 16-09-25 (U/o 5 Rule 20 CPC)

SUMMONS TO DEFENDANT

IN THE COURT OF 2nd Jt. CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, NAGPUR. Room No. 606

R.C.S.No. 983/2023 Fixed For 06/11/2025

Plaintiff : Kiran @ Soni Singh w/o Manish Singh Thakur -Versus- Defendants: Chitralekha Singh w/o Kailashnath Singh Thakur & others

To,

1) Chitralekha Singh w/o Kailashnath Singh Thakur, 2) Ashish Singh @ Kaalu Kailashnath singh Thakur, Both R/o. Solar Industries Ltd, Solar house 14 Kanchmethe Amravati Road, Nagpur.

Whereas plaintiff has instituted a suit against you **Suit For Declaration & Permananent injunction** to appear in this Court in person or by a pleader duly instructed and able to answer all material questions relating to the suit, or who shall be accompanied by some person, able to answer all such questions, on the **Dt. 06/11/2025, at 11-00 O'clock** in the forenoon, to answer the claim and further you are hereby directed to file on that day (or within 30 days from the date of service of this summons) a written statement of your defence and to produce on the said day all documents in your possession or power upon which you base your defence or claim for set-off or counter- claim, and where you rely on any other document whether in your possession or power or not, as evidence in support of your defence or claim for set-off or counter-claim, you shall enter such documents in a list to be annexed to the written statement. Take notice that in default of your appearance on the day before mentioned the suit will be heard and determined in your absence.

Given under my hand and the seal of the Court this day of **16th day of Sept., 2025.**

Seal — By order of the Court, Asstt. Supdt., Court of Civil Judge Sr.Dn., Nagpur

Prasanna Publicity 09326927622

महसुल व वनविभाग
कोर्ट विद्यमान तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी हिंगणा यांचे कार्यालय

Email ID: tahasildarhingna@gamil.com दुरध्वनी क्र.०७१०४-२७६१३४

क्र.म.स./जन्म-मृत्यू/तह. हि./कावि-८०/२०२५

दिनांक ०९/०९/२०२५

वाचा : १) सार्वजनिक आरोग्य विभाग यांचे शासन निर्णय दिनांक १२ मार्च २०२५, **२)** मा.उप सचिव, महसूल व वन विभाग, मंत्रालय, मुंबई यांचे कडील पत्र क्र. ०३/ई-१ अ.दि. १७/०३/२०२५, **३)** मा. जिल्हाधिकारी, नागपूर यांचे कडील पत्र क्र. अका/डी-१/जन्म-मृत्यू आदेश/ कावि- १०४/ २०२५ दिनांक १७/०३/२०२५, **४) श्रीमती माधुरी शत्रुघन कोडापे,** रा. मांगली यांचा अर्ज दिनांक २२/०१/२०२५

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **श्रीमती माधुरी शत्रुघन कोडापे,** रा. मांगली यांनी त्यांच्या मुलाच्या जन्माची नोंद ग्रामपंचायत/ नगर परिषद दप्तरी घेणेकरिता निर्देशित करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदहू **लकी शत्रुघन कोडापे** यांचा **जन्म दिनांक १९/०६/२०१९** रोजी **राहत्या घरी मांगली** येथे झाला असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदरहू अर्जदार यांना त्यांचे **जन्माचे** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्याची नोंद घेणेकामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी हिंगणा उपरोक्त वाचा क्र. १ आणि २ व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते की, सदर व्यक्तीचा **जन्म** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृह चौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी हिंगणा यांचे न्यायालयात स्वत: जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनामाच्या दिनांकापासून पंधरा दिवसाच्या आत सादर करावे.

उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/ उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **जन्म** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही असे गृहीत धरून प्रस्तावित **जन्म** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का — तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी, हिंगणा

Prasanna Publicity 09326927622

महसुल व वनविभाग
कोर्ट विद्यमान तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर शहर, यांचे कार्यालय.

(आकाशवाणी चौक, सिव्हील लाईन, नागपूर पिन कोड- ४४०००१) तालुका- नागपूर शहर, जिल्हा नागपूर.

Email ID: tahsildarngpcity@gamil.com दुरध्वनी क्र.०७१२-२५६११७५

प्र.क्र. १४७/प्रस्तु- ३/तह. नाग (शहर)/कावि ५४४/२०२५

दिनांक २४/०९/२०२५

वाचा : १) सार्वजनिक आरोग्य विभाग यांचे शासन निर्णय दिनांक १२ मार्च २०२५ नुसार, **२)** मा.उप सचिव, महसूल व वन विभाग, मंत्रालय, मुंबई यांचे कडील पत्र क्र. ०३/ई-१ अ.दि. १७/०३/२०२५, **३)** मा. जिल्हाधिकारी, नागपूर यांचे कडील पत्र क्र. अका/डी-१/जन्म-मृत्यू आदेश/ कावि- १०४/२०२५ दिनांक १७/०३/२०२५, **४) अर्जदार शाईस्ता परवीन मोहम्मद बादुल्ला शाईस्ता परवीन खलील अहमद अंसारी,** राह. हबीब नगर, नसीब डेकोरेशन जवळ, घर नं. १५४३/ए/१९, टेका नाका, नागपूर.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **शाईस्ता परवीन मोहम्मद बादुल्ला शाईस्ता परवीन खलील अहमद अंसारी,** राह. हबीब नगर, नसीब डेकोरेशन जवळ, घर नं. १५४३/ए/१९, टेका नाका, नागपूर यांनी त्यांचे स्वत:चे जन्म तारखेची नोंद महानगर पालिका दप्तरी घेणेकरिता निर्देशित करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू अर्जदार **शाईस्ता परवीन मोहम्मद बादुल्ला** यांचा **जन्म दिनांक २१/०८/२००२ रोजी घर नं. ५१७, मुकुंदनगर, टेका नवीन वस्ती, आंबेडकर मार्ग, नागपूर- ४४००१७ नागपूर येथे घरी** झालेला आहे असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदरहू अर्जदार यांना त्यांचे **जन्म** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्याची नोंद घेणेकामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर (शहर) उपरोक्त वाचा क्र. १ आणि २ व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते की, सदर व्यक्तीचा **जन्म** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृह चौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर (शहर) यांचे न्यायालयात स्वतः जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनामाच्या दिनांकापासून पंधरा दिवसाच्या आत सादर करावे.

उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/ उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **जन्म** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहीत धरून प्रस्तावित **जन्म** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का — तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी, नागपूर शहर करीता

Prasanna Publicity 09326927622

महसुल व वनविभाग
कोर्ट विद्यमान तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर शहर, यांचे कार्यालय.

(आकाशवाणी चौक, सिव्हील लाईन, नागपूर पिन कोड- ४४०००१) तालुका- नागपूर शहर, जिल्हा नागपूर.

Email ID: tahsildarngpcity@gamil.com दुरध्वनी क्र.०७१२-२५६११७५

प्र.क्र. १४६/प्रस्तु-३/तह. नाग (शहर)/कावि ५४३/२०२५

दिनांक २४/०९/२०२५

वाचा : १) सार्वजनिक आरोग्य विभाग यांचे शासन निर्णय दिनांक १२ मार्च २०२५ नुसार, **२)** मा.उप सचिव, महसूल व वन विभाग, मंत्रालय, मुंबई यांचे कडील पत्र क्र. ०३/ई-१ अ.दि. १७/०३/२०२५, **३)** मा. जिल्हाधिकारी, नागपूर यांचे कडील पत्र क्र. अका/डी-१/जन्म-मृत्यू आदेश/ कावि- १०४/२०२५ दिनांक १७/०३/२०२५, **४) अर्जदार शाईस्ता परवीन मोहम्मद बादुल्ला शाईस्ता परवीन खलील अहमद अंसारी,** राह. हबीब नगर, नसीब डेकोरेशन जवळ, घर नं. १५४३/ए/१९, टेका नाका, नागपूर.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **शाईस्ता परवीन मोहम्मद बादुल्ला शाईस्ता परवीन खलील अहमद अंसारी,** राह. हबीब नगर, नसीब डेकोरेशन जवळ, घर नं. १५४३/ए/१९, टेका नाका, नागपूर यांनी पतीचे **जन्म** तारखेची नोंद महानगर पालिका दप्तरी घेणेकरिता निर्देशित करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू अर्जदार **पती नामे खलील अहमद रहमतुल्ला** यांचा **जन्म दिनांक १५/०६/१९६७ रोजी नागपूर येथे घरी** झालेला आहे असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदरहू अर्जदार यांना त्यांचे **जन्म** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्याची नोंद घेणेकामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर (शहर) उपरोक्त वाचा क्र. १ आणि २ व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते की, सदर व्यक्तीचा **जन्म** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृह चौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर (शहर) यांचे न्यायालयात स्वतः जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनामाच्या दिनांकापासून पंधरा दिवसाच्या आत सादर करावे.

उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/ उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **जन्म** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहीत धरून प्रस्तावित **जन्म** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का — तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी, नागपूर शहर करीता

Prasanna Publicity 09326927622

महाराष्ट्र शासन महसुल व वनविभाग
कोर्ट विद्यमान तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर शहर, यांचे कार्यालय.

(जुने पोलीस अधिक्षक कार्यालय (शहर) नागपूर पिन कोड- ४४०००१) तालुका- नागपूर शहर, जिल्हा नागपूर.

Email ID: tahsildarngpcity@gamil.com दुरध्वनी क्र.०७१२-२५६११७५

क.स.म.अ./तह. नाग (शहर)/कावि १४३५/२०२५

दिनांक २५/०९/२०२५

वाचा : १) सार्वजनिक आरोग्य विभाग यांचे शासन निर्णय दिनांक १२ मार्च २०२५ नुसार, **२)** मा.उप सचिव, महसूल व वन विभाग, मंत्रालय, मुंबई यांचे कडील पत्र क्र. ०३/ई-१ अ.दि. १७/०३/२०२५, **३)** मा. जिल्हाधिकारी, नागपूर यांचे कडील पत्र क्र. अका/डी-१/जन्म-मृत्यू आदेश/ कावि- १०४/२०२५ दिनांक १७/०३/२०२५, **४) सुखचंद हिराचंद वाघमारे,** रा. हाउसस नं. ५९०/४८, बौध्द विहारा जवळ, सिरसपेठ नागपूर यांचा अर्ज दि. २५/०८/२०२५

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **सुखचंद हिराचंद वाघमारे,** रा. हाउस नं. ५९०/४८, सिरसपेठ नागपूर यांनी त्यांच्या आजोबाच्या **मृत्युची** नोंद महानगर पालिका दप्तरी घेणेकरिता निर्देशित करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू **दिवाळू मुरारी वाघमारे** यांचा **मृत्यु दिनांक २३/०८/१९८४** रोजी त्यांच्या राहते घरी सिरसपेठ, नागपूर येथे झाला असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदरहू अर्जदार यांना त्यांचे **मृत्युचे** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्याची नोंद घेणेकामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर (शहर) उपरोक्त वाचा क्र. १ आणि २ व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते की, सदर व्यक्तीचा **मृत्यु** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृह चौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर (शहर) यांचे न्यायालयात स्वतः जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनामाच्या दिनांकापासून पंधरा दिवसाच्या आत सादर करावे.

उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/ उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **मृत्यु** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहीत धरून प्रस्तावित **मृत्यु** नोंदीबाबचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का — तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी, नागपूर शहर करीता

Prasanna Publicity 09326927622

PUBLIC NOTICE

Pro. No. 6795 Dt. 24/09/25

IN THE COURT OF JOINT CIVIL JUDGE JUNIOR DIVISION, NAGPUR. Room No. 416-A

M.J.C. Case No. 698/2025

Fixed For 04/11/2025

Applicant : 1) Usha Laxmanrao Nikose, 2) Satish Laxmanrao Nikose, 3) Sau Nisha R. Meshram, 4) Sau Sandhya Sashikant Borkar, 5) Sau Anakshi Suhas Nikose, 6) Akshay Suhas Nikose

--Versus-- Non-Applicants: Nil

Name of Deceased: 1)Laxman Keshav Nikose, Died On: 17/07/2006, 2) Nirmala Laxmanrao Nikose, Died On: 01/01/2001, Both R/o Plot No. 584 Nava Naksha, Lashkaribagh Near Swastik School, Nagpur-17

Whereas **1)Laxman Keshav Nikose, Died On: 17/07/2006, 2) Nirmala Laxmanrao Nikose, Died On: 01/01/2001, Both R/o Plot No. 584 Nava Naksha, Lashkaribagh Near Swastik School, Nagpur-17** and Whereas **Usha Laxmanrao Nikose & Oth.** has presented an application to this Court for grant of **Legal Heir Certificate Under the Bombay Regulation Act 1827.**

This is to give notice to all persons who may dispute the right of the said Applicants **Usha Laxmanrao Nikose & Oth.** as Legal Heir of the deceased to appear in the Court of **Joint Civil Judge Junior Division, Nagpur** on **04th Day of November, 2025** at 10.30 A.M. there to enter their objections and it is hereby declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate of Legal Heir of the said deceased.

Given under my hand and the seal of the court, that **23rd day of Sept., 2025.**

Seal — By order of the Court, Asstt. Supdt. (T.W.), Civil Judge Sr. Dn. Nagpur.

Prasanna Publicity 09326927622

PUBLIC NOTICE

Pro. No. 5970 Dt. 19/08/25

IN THE COURT OF 2nd JOINT CIVIL JUDGE JUNIOR DIVISION, NAGPUR. Room No. 304

M.J.C. Case No. 711/2025

Fixed For 10/10/2025

Applicant : 1) Sanjay Gopichand Khobragade, 2) Vanmala Ratan Nandagawali. --Versus--

Non-Applicants:Nil

Name of Deceased : 1) Dhrupatabai Gopichand Khobragade, Died On: 15/10/1989, R/o Vakil Peth, Near Bajaj Ayurvedic Hospital, Hanuman Nagar, Nagpur

Whereas **Dhrupatabai Gopichand Khobragade, Died On: 15/10/1989, R/o Vakil Peth, Near Bajaj Ayurvedic Hospital, Hanuman Nagar, Nagpur** and Whereas **Sanjay Gopichand Khobragade & Oth.** has presented an application to this Court for grant of **Legal Heir Certificate Under the Bombay Regulation Act 1827.**

This is to give notice to all persons who may dispute the right of the said Applicants **Sanjay Gopichand Khobragade & Oth.** as Legal Heir of the deceased to appear in the Court of **2nd Joint Civil Judge Junior Division, Nagpur** on **10th Day of October, 2025** at 10.30 A.M. there to enter their objections and it is hereby declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate of Legal Heir of the said deceased.

Given under my hand and the seal of the court, that **18th day of August, 2025.**

Seal — By order of the Court, Asstt. Supdt. (T.W.), Civil Judge Sr. Dn. Nagpur.

Prasanna Publicity 09326927622

महाराष्ट्र शासन महसुल व वनविभाग
कोर्ट विद्यमान तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर शहर, यांचे कार्यालय.

(जुने पोलीस अधिक्षक कार्यालय (शहर) नागपूर पिन कोड- ४४०००१) तालुका- नागपूर शहर, जिल्हा नागपूर.

Email ID: tahsildarngpcity@gamil.com दुरध्वनी क्र.०७१२-२५६११७५

क.स.म.अ./तह. नाग (शहर)/कावि १४५५/२०२५

दिनांक ३०/०९/२०२५

वाचा : १) सार्वजनिक आरोग्य विभाग यांचे शासन निर्णय दिनांक १२ मार्च २०२५ नुसार, **२)** मा.उप सचिव, महसूल व वन विभाग, मंत्रालय, मुंबई यांचे कडील पत्र क्र. ०३/ई-१ अ.दि. १७/०३/२०२५, **३)** मा. जिल्हाधिकारी, नागपूर यांचे कडील पत्र क्र. अका/डी-१/जन्म-मृत्यू आदेश/ कावि- १०४/२०२५ दिनांक १७/०३/२०२५, **४) शब्बो बानो शमशेर खान पठाण,** रा. हाउस नं. ११२८/३३९, हसनबाग, नागपूर यांचा अर्ज दिनांक १९/०८/२०२५.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **शब्बो बानो शमशेर खान पठाण,** रा. हाउस नं. ११२८/३३९, हसनबाग, नागपूर यांनी त्यांच्या मुलीच्या **जन्माची** नोंद महानगर पालिका दप्तरी घेणेकरिता निर्देशित करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू **आयत शमशेरखान पठाण** हिचा **जन्म दिनांक ०२/१०/२०१२** रोजी **डागा हॉस्पीटल, नागपूर** येथे झाला असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदरहू अर्जदार यांना त्यांचे **जन्माचे** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्याची नोंद घेणेकामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर (शहर) उपरोक्त वाचा क्र. १ आणि २ व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते की, सदर व्यक्तीचा **जन्म** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृह चौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर (शहर) यांचे न्यायालयात स्वतः जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनामाच्या दिनांकापासून पंधरा दिवसाच्या आत सादर करावे.

उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/ उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **जन्म** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहीत धरून प्रस्तावित **जन्म** नोंदीबाबचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का — तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी, नागपूर शहर करीता

Prasanna Publicity 09326927622

आज का राशिफल

मेष–नई शुरुआत का दिन है, आत्मविश्वास बढ़ेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं, पर खर्चों पर नियंत्रण रखें। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ- घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। धन निवेश से पहले सोच-विचार करें। सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी रखें।

मिथुन- मन में थोड़ी उलझन हो सकती है। पुराने दोस्तों से मुलाकात हो सकती है। व्यापार में नया अवसर मिल सकता है। डाइजेशन से जुड़ी समस्या हो सकती है।

कर्क - भावनात्मक फैसले लेने से बचें। करियर में स्थिरता आएगी। पार्टनर से सहयोग मिलेगा। नींद की कमी महसूस हो सकती है।

सिंह- नई जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं। सम्मान और यश में वृद्धि होगी। खर्च बढ़ सकते हैं, बजट बनाएं। थकान हो सकती है, आराम करें।

कन्या - विद्यार्थियों के लिए शुभ समय है। पार्टनर के साथ समय बिताएं। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। मानसिक तनाव से बचने की सलाह।

तुला- प्रोफेशनल लाइफ में तरक्की के संकेत। सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा। प्रेम जीवन में कुछ असमंजस हो सकता है। सेहत सामान्य रहेगी।

वृश्चिक- मनचाही सफलता मिलने की संभावना। किसी पुराने काम से लाभ होगा। पारिवारिक मतभेद दूर होंगे। सेहत को लेकर लापरवाही न करें।

धनु- दूर की यात्रा संभव है, लाभदायक रहेगी। नए प्रोजेक्ट में सफलता के योग हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जोड़ों में दर्द रह सकता है।

मकर- व्यापार में लाभ के संकेत हैं। परिवार का समर्थन मिलेगा। अहम फैसले लेने में सावधानी रखें। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुम्भ- रचनात्मक कामों में रुचि बढ़ेगी। दोस्तों से सहयोग मिलेगा। पार्टनर के साथ गलतफहमी हो सकती है। नींद पूरी लें।

मीन- धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। आर्थिक दृष्टि से दिन अनुकूल है। कोर्ट-कचहरी के मामलों में राहत मिलेगी। शरीर में आलस्य रह सकता है।

NAAC Accredited DTE CODE - 04151 www.tgpcet.com

TULSIRAMJI GAIKWAD-PATIL COLLEGE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

A+ NAAC 3.32 CGPA

Approved by AICTE, New Delhi and Govt. of Maharashtra | An ISO 9001:2015 Certified Institution
An Autonomous Institute Affiliated to Rashtrasant Tukadoji Maharaj Nagpur University, Nagpur (MH).

ADMISSION NOTIFICATION 2025-26

For Vacancy (If any) Under Against CAP First Year BBA and BCA

Applications are invited from eligible candidates, in prescribed Admission Request Form (ARF*) available at College Website, for the academic session 2025-26

Sr. No.	Event	Schedule	
		BBA	BCA
1	Last date for submission of duly filled ARF*	06/10/2025	06/10/2025
2	Display of Provisional College Merit List (PCML)	07/10/2025	07/10/2025
3	Objections/Grievances, if any pertaining to PCML	08/10/2025 (Upto 11:00 am)	08/10/2025 (Upto 11:00 am)
4	Display of Final College Merit List (FCML)	08/10/2025 (Upto 5:00 pm)	08/10/2025 (Upto 5:00 pm)
5	Counseling & Spot Admission as per FCML	09/10/2025	09/10/2025

*Along with non-refundable DD of Rs. 500/- or cash receipt of College and attested copies of all required documents.

Note:

1. All admissions will be done as per guidelines & Eligibility Criteria drown by AICTE & DTE of Admission Regulating Athority, Mumbai for the session 2025-26.
2. Merit List of BBA and BCA shall be displayed on College Website.
3. The provisional admission will be granted on SPOT as per FCML after receipt of all required documents along with Cash/ Online Payment Demand Draft / Pay Order of prescribed fee drawn in favor of '**Tulsiramji Gaikwad-Patil College of Engineering and Technology**', payable at Nagpur, from any Nationalized bank.
4. If there will be any change in schedule from competent authority then it will be communicated on the college website **www.tgpcet.com**

PRINCIPAL

SPECTRUM

सुविचार

अगर हारने से डर लगता है,
तो कभी जीतने की इच्छा मत रखो

संपादकीय

छुआछूत का अभिशाप

हिमाचल प्रदेश के रोहड़ू में एक दलित बच्चे के साथ मारपीट और फिर उसका कथित तौर पर आत्महत्या कर लेना शर्मनाक है। यह घटना बताती है कि आज भी समाज में जातिगत भेदभाव की जड़ें कितनी गहरी हैं। बदलाव के लिए दोषियों को दंड दिलाना ही काफी नहीं, लोगों की मानसिकता भी बदलनी होगी। आरोपों के मुताबिक, यह घटना 16 सितंबर की है। क्लास 6 में पढ़ने वाला 12 साल का बच्चा गांव की दुकान से कुछ सामान लेने गया था। बच्चा दलित था, जबकि दुकान अगड़ी जाति के परिवार की। बताया जा रहा है कि दुकान पर कोई नहीं था, तो बच्चा घर में घुस गया। इसी बात से नाराज होकर आरोपी महिला ने उसे धमकाया, मारा-पीटा और फिर घर का शुद्धिकरण करने के लिए एक बकरी की मांग की। कथित तौर पर घबराए बच्चे ने बाद में कीटनाशक पीकर जान दे दी। आरोपी महिला पर पहले आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज हुआ था। बाद में जब तक एससी /एसटी एक्ट की धाराएं जोड़ी गईं, तब तक उसे हाई कोर्ट से जमानत मिल गई। अब जब मामला तूल पकड़ रहा है, तो पुलिस जांच में तेजी आई है। हिमाचल की यह वारदात देश में जाति के नाम पर होने वाले अत्याचारों का एक काला सच है। आंकड़े बताते हैं कि 2022 में देशभर में दलितों के खिलाफ अपराध के 51 हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए गए थे और इनमें 80% से ज्यादा केवल केवल 6 राज्यों के थे यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा और महाराष्ट्र। इन आंकड़ों से भी ज्यादा चिंताजनक बात यह रही कि एससी /एसटी एक्ट के तहत सजा मिलने की दर में कमी नोट की गई. भले ही कुछ जगहों से केस ज्यादा सामने आए हों, लेकिन कोई भी राज्य यह दावा पूरी तरह से नहीं कर सकता कि उसके यहां दलितों को किसी तरह का अपमान या अत्याचार नहीं सहना पड़ता।

सरकार किसी भी दल की हो, दलितों से भेदभाव हकीकत बना हुआ है। ऐसी घटनाएं तो हमेशा सुनाई ही पड़ती रहती हैं, जहां किसी दलित दूल्हे को उसकी जाति की वजह से घोड़ी पर न बैठने दिया गया हो। संविधान का अनुच्छेद 46 कहता है कि राज्य को समाज के कमजोर वर्गों के हितों की सुरक्षा करनी चाहिए। देश में इसके लिए कानून भी मौजूद हैं। लेकिन समाज को भी आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है कि आज जब हम विकसित भारत का सपना देख रहे हैं, तब भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जो शर्मनाक है।

मायावती की 9 अक्टूबर वाली रैली से क्यों असहज हो गए हैं सपा-कांग्रेस जैसे दल

संयम श्रीवास्तव

बहुजन समाज पार्टी 9 अक्टूबर को लखनऊ में अपने संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर मेगा रैली का आयोजन कर रही है. रैली की तारीख ज्यों ज्यों नजदीक आ रही है समाजवादी पार्टी और कांग्रेस नेताओं की परेशानी बढ़ती नजर आ रही है. केवल कांग्रेस और सपा ही नहीं, सांसद चंद्रशेखर की पार्टी भीम ऑर्मी भी इस रैली की तोड़ निकालने में लग गई है. पर सवाल यह है कि जिस पार्टी को उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दल खत्म मान कर चल रहे थे, उस पार्टी की एक रैली को लेकर वही दल अचानक इस तरह असहज क्यों हो गए हैं? चार साल के अंतराल के बाद मायावती यह रैली कांशीराम स्मारक स्थल पर कर रहीं हैं.

पार्टी के नेता और कार्यकर्ता हफ़्तों से इस रैली की तैयारी में जुटे हुए हैं. खासकर दलित, अल्पसंख्यक और पिछड़ी जातियों से जुड़ी आबादी को लखनऊ आने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं. पार्टी इसे अपनी ताक़त का प्रदर्शन बताकर 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले यूपी की जनता और अपने विरोधी दलों के सामने अपनी ताकत का प्रदर्शन करना चाहती है. पार्टी का प्रदर्शन पिछले कई चुनावों में बहुत खराब रहा है. बल्कि यह कहना बेहतर होगा कि पार्टी अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही है. पिछली बार मायावती ने ऐसी रैली 9 अक्टूबर 2021 को 2022 विधानसभा चुनाव से पहले की थी.

हालांकि, उसके बाद हुए चुनाव में बसपा सिर्फ़ एक सीट पर सिमट गई और उसका वोट शेयर भी घटकर 12.8% रह गया. 403 सीटों वाली विधानसभा में बसपा के सिर्फ़ एक विधायक उमाशंकर सिंह (बलिया) हैं. 2024 लोकसभा चुनाव में भी पार्टी को करारा झटका लगा और वह खाता तक नहीं खोल सकी.

जाहिर है कि अगला चुनाव पार्टी के लिए जीवन मरण का प्रश्न है. शायद यही कारण है कि बसपा ने रैली को ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक तैयारी शुरू कर दी है. ऐसा माना जा रहा है कि पार्टी पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि कम से कम 2 लाख लोगों की भीड़ जुटाई जाए. गांव-गांव बैठकें हो रही हैं. नारे, गाने, पोस्टर और सोशल मीडिया कैंपेन तेज हैं. 9- अक्टूबर-चलो_लखनऊ ट्रेंड कर रहा है, कार्यकर्ता इसे 'विशाल रैली' बता रहे हैं. इतना ही नहीं दूसरे दलों में जा चुके नेताओं की वापसी की बात भी चल रही है. पार्टी सुप्रीमो मायावती अपने भतीजे आकाश आनंद को फिर से लॉन्च करने की रणनीति पर भी काम कर रही हैं. माना जा रहा है कि इस रैली का लिटमस टेस्ट पंचायत चुनावों में कर लिया जाएगा. क्यों कि पंचायत चुनावों से पहले संगठन को मजबूत करने और बूथ स्तर तक कमेटियां गठित करने की तैयारी हो चुकी है. जाहिर है कि 9 अक्टूबर की बसपा रैली को उसके प्रतिद्वंद्वी प्रदेश की राजनीति में बसपा के पुनरुत्थान की कोशिश के तौर पर देख रहे हैं. साफ देखा जा रहा है कि बसपा के प्रतिद्वंद्वी दलों में दलित और अति पिछड़े वोटों के लिए सतर्कता बढ़ गई है. नगीना से सांसद चंद्रशेखर आज़ाद की आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने भी अपने कार्यकर्ताओं से कहा है कि वे यूपी के हर ज़िले, लखनऊ सहित, कांशीराम की पुण्यतिथि मनाएं.

पार्टी पहले से ही प्रबुद्ध सम्मेलन आयोजित कर रही है और बहुजन समाज को अपने बैनर तले जोड़ने की अपील कर रही है. इंडियन एक्सप्रेस लिखता है कि आजाद समाज पार्टी (कांशी राम) के प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ किशोर कहते हैं कि हमारी जिला इकाइयां हर जिले में एक जगह इकट्ठा होकर कांशीराम जी को याद करेंगी और बाद में लखनऊ में बड़ी बैठक के लिए समुदायों को संगठित किया जाएगा. कांग्रेस में भी बीएसपी को रैली को लेकर बेचैनी स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है.दलित नेता और पूर्व सांसद उदित राज, जो 'कन्फेडरेशन ऑफ दलित, ओबीसी, माइनॉरिटीज़ और आदिवासी ऑर्गनाइजेशन' के अध्यक्ष हैं, ने कुछ दिन पहले लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मायावती पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि मायावती का असली चेहरा अंबेडकर की बात करना लेकिन दिल में कमल (भाजपा का प्रतीक) रखना है. उदित राज कहते हैं कि कांशीराम की पुण्यतिथि मनाना जरूरी है लेकिन ऐसे मौकों को मनुवादियों को फायदा पहुंचाने के लिए इस्तेमाल करना समाज के साथ धोखा होगा. समाजवादी पार्टी भी मायावती की रैली को लेकर सतर्क है. समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता आजम खान जब से जेल से छूटकर आए हैं तब से चर्चा आम है कि वो 9 अक्टूबर को बीएसपी की रैली के दिन लखनऊ में पार्टी का दामन थाम सकते हैं. कहा जा रहा है कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष ने उनको 8 अक्टूबर तक का समय दिया है. इसी दिन अखिलेश यादव रामपुर में आजम खान के घर जाएंगे. जाहिर है कि मायावती की रैली से एक दिन पहले अखिलेश अगर आजम खान के घर जा रहे हैं तो इसका मतलब यही है कि किसी भी तरह आजम खान को बीएसपी में जाने से रोका जा सके.

आलेख

विजय शर्मा

एक सदी के अमर्ष की आवाज

हेरोल्ड पिंटर नाम है उस शख्सियत का जो अपने देश के प्रधान मंत्री टोनी ब्लेयर को उसकी गलतिया गिनाते हुए बेवकूफ कहने की हिम्मत रखता है. यह वह शख्सियत है जो आज के सर्वाधिक शक्तिशाली राष्ट्रपति जॉर्ज बुश को खुलेआम हत्यारा कहता है. यह वह शख्सियत है जिसने अपनी किशोरावस्था में राजाज्ञा का उल्लंघन किया और खुले तौर पर युद्ध में भाग लेने से इंकार कर दिया और जेल जाने के लिए तैयार रहा तथा जिसने सजा के तौर पर जुर्माना भरा. यह वह शख्सियत है जिसने 1966 में तत्कालीन ब्रिटिश प्रधान मंत्री जॉन मेजर के द्वारा नाइटहुड देने की पेशकश को ठुकरा दिया, जो मागरेट थेचर की दक्षिणपंथी नीतियों का कटु आलोचक है. यह वह शख्सियत है जो आज के दौर का इंग्लिश भाषा का सबसे चर्चित नाटककार है, जिससे इंग्लिश भाषा को नए शब्द मिले. यह वह शख्सियत है जो नाटककार होने के साथ-साथ कवि, पटकथा लेखक, अभिनेता, और निर्देशक है. यह वह शख्सियत है जिसने छोटेबड़े उन्तीस नाटक और करीब इतने ही स्क्रीनप्ले लिखने के बाद अपनी सम्पूर्ण शक्ति को समेट कर मानवाधिकारों की जद्दोजहद में खुद को डुबो देने का निश्चय किया है. जिसे उसकी साहित्यिक देन के लिए पूर्व के सैमुअल बेकेट और यूजीन ओ'नील की भाति इस वर्ष नोबेल पुरस्कार से नवाजा गया है. पुरस्कार की घोषणा के तत्काल बाद उसकी प्रतिक्रिया थी, 'जो मैं अनुभव कर रहा हू उसे शब्दों में बयान नहीं कर सकता, मेरे पास शब्द नहीं हैं. जब मैं स्टॉकहोम जाऊंगा मेरे पास शब्द होंगे. समारोह 10 दिसम्बर को होगा.

10 अक्टूबर 1930 को ईस्ट एंड लंडन के एक यहूदी परिवार जिसका पेशा दर्जीगिरी था के घर में पिंटर का जन्म हुआ. वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान है. लिखना उसकी महत्वाकांक्षा थी खुद उसके शब्दों में, ''करीब-करीब हाथ में पेन लिए मैं पैदा हुआ था. संगीत से भी उसे लगाव है. वह कहता है, 'मैं नहीं जानता हू कि संगीत लिखने को कैसे प्रभावित करता है पर यह मेरे लिए अत्यावश्यक है.

व्यंग्य

अजीत सिंह

सुहाना सफर

मैंने टिकट ली। ट्रेन में चढ़ा और वह चल पड़ी क्योंकि उसे तो चलना ही था। अपनी मस्ती में मस्त हॉर्न रूपी मुख से कुछ गीत गुनगुनाते हुए अपनी ही धुन में कुछ गाए जा रही थी.. क्या गा रही थी मेरी समझ से बाहर था। पर शोर टाइप का कुछ था जरूर जहां उसे श्रोता टाइप की कुछ भीड़ दिखती वह खुशी से झूम के रुक जाती, और उन्हें अपने में समाहित करते हुए भारतीय संस्कृति का परिचय देती और आगे चल पड़ती। चलते चलते वह मुकाम भी आया जहां पहुंचने के बाद मेरी टिकट की शारीरिक और मानसिक यानी के आर्थिक शक्ति चुक गई। इसलिए मैं ट्रेन से नीचे उतरा या यूं समझिए कि उतार दिया गया। मैं जहां उतरा वह कोई खास जगह नहीं थी फिर भी दिल बहलाने के लिए दो ठंडे जल की प्याऊ जिनमें पानी लगभग नहीं था क्योंकि वह स्वचालित थी।

दो कांट्रेक्टर जो सुबह की चाय को ताजा कहकर अब तक बेच रहे थे। पास ही एक ब्रेड के टुकड़े को घेरकर दो कुत्ते खड़े थे। जो न लड़ते थे न भौंकते थे, बस बड़े-बड़े सफेद दांत दिखा रहे थे। जैसे पेप्सोडेंट का विज्ञापन कर रहे हों। मैं उस विज्ञापन में दिलचस्पी लेने लगा, तभी जीआरपी वालों का एक कुत्ता आया उस ब्रेड के टुकड़े को उठाया और वहां से चला गया। पर वे दोनों कुत्ते कुछ भी बोलने यानी कि गुर्राने की बजाए बस पूंछ हिलाकर खुशामद कर रहे थे।

जीआरपी का कुत्ता गर्व से सीना ताने उन पर कृपा दृष्टि की और चला गया। वे खुश थे - चलो झंझट मिटा। एक ब्रेड का टुकड़ा और हम दो। क्या फायदा, अच्छा किया जो ले गया। ऐसी भारतीयता और कहां है? मैं फिर नर्वस होने लगा। तभी मॉडल टाइप की कुछ लड़कियां आईं। मैं खुश हुआ बचपन से दो ही शौक रहे हैं - साहित्य पढ़ना और सौंदर्य देखना। साहित्य मेरे पास था नहीं सौंदर्य आ पहुंचा। लाइन मारने के इरादे से मैंने सोचा पहले मुंह हाथ धो लिया जाए। इंप्रेशन जमेगा यही सोचकर नल के पास आया। पानी कम था फिर भी मैंने ड्राई क्लीन कर ली। तभी मुझे लगा कि आयकर विभाग के अधिकारियों की तरह कोई मेरे जेब की लक्ष्मी पर कुदृष्टि डाल रहा है। मेरे होते हुए कोई मेरा धन चुराने का प्रयास करें यह मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता, क्योंकि यह राष्ट्रीय नहीं व्यक्तिगत अस्मिता का भी सवाल था।

लघुकथा

अमिताभ कुमार

मुक्ति

सुबह से ही मोहल्ले में कानाफूसी तेज थी। कल रात से ही रज्जो का कहीं अता-पता नहीं था। उसके घरवाले काफी परेशान थे। कोई पुलिस में रिपोर्ट करने की सलाह दे रहा था तो कोई कुछ और कानाफूसीयों के बीच दबे स्वर में कोई यह भी बोल रहा था. पच्चीस की हो गयी थी छोरी अभी तक शादी भी नहीं हुई थी। भाग गयी होगी किसी के साथ। इसी बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। थोड़ी देर ढाढ़स बंधाने के बाद धीरे-धीरे पड़ोसियों की भीड़ भी समाप्त हो गयी। पांच भाई-बहनों में वह सबसे बड़ी थी। पुत्र की चाहत में उसकी मां ने चार पुत्रियों को जना था।

पिता मेहनत-मजूरी करके जो थोड़ा-बहुत कमाता उससे सबका पेट पल रहा था। विवाह के लिये लड़के वाले दहेज की माँग करते - जिसे उसके मां-बाप पूरा नहीं कर पा रहे थे और छोरी अब तक बिनब्याही थी। सांझ होने को आयी। गांव के ही किसी छोरे ने आकर बताया कि चौर में रज्जो की लाश पड़ी है। शायद उसने आत्महत्या कर ली है। घर में कोहराम मच गया। पूछने पर घरवालों ने बताया - कल शाम लड़केवाले उसे देखने आये थे। दहेज की मांग न मानने के कारण एक बार फिर से रिश्ता टूट गया।

हस्तरेखाएं

हथेली की रेखाएं खोलती हैं भाग्य के राज

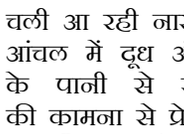

हाथ की रेखाओं को पढ़ने का विज्ञान 'हस्तरेखा शास्त्र' या 'पामिस्ट्री' कहलाता है. इसका अध्ययन हस्तरेखा विज्ञान के अंतर्गत आता है. ज्योतिष और हस्तरेखा विज्ञान में हाथ की रेखाएं विशेष स्थान रखते हैं. भारतीय ऋषि-मुनियों ने बताया है कि आकाश में स्थित ग्रह-नक्षत्रों और हाथ में मौजूद रेखाओं के माध्यम से व्यक्ति के भाग्य और जीवन में होने वाले उतार-चढ़ाव को समझा जा सकता है. हाथ की रेखाएं व्यक्ति के जीवन, व्यक्तित्व, स्वास्थ्य, प्रेम, विवाह, और भाग्य के बारे में सूचना प्रदान करती हैं. जिससे सही मार्ग का चुनाव किया जा सकता है. भारतीय ऋषियों ने यह भी माना कि हाथ की रेखाओं से जन्मकुण्डली को पढ़ा जा सकता है. इसे सामुद्रिक शास्त्र और हस्तरेखा विज्ञान के अंतर्गत किया जाता है. हथेली पर बनी विभिन्न रेखाएं और चिन्ह हमें व्यक्ति के पूर्व जन्म के कर्मों की जानकारी प्रदान कर सकती हैं. खासतौर से, उंगलियों पर बने चक्र भी विशेष महत्व रखते हैं. अगर उंगलियों के शीर्ष भाग में चक्र हो, तो ऐसा माना जाता है कि वह व्यक्ति भाग्यशाली और धनवान होता है. अंगूठे, तर्जनी, मध्यमा, अनामिका और सबसे छोटी उंगली पर बने चक्र भी व्यक्ति के विभिन्न पहलुओं को प्रकट करते हैं, जैसे धन, सफलता, व्यापार, धार्मिकता और स्वास्थ्य.

राजस्थान में घूमने के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन

राजस्थान, भारत का सबसे रंगीन और ऐतिहासिक राज्य, अपने महलों, किलों, रेगिस्तान, झीलों और जीवंत संस्कृति के लिए जाना जाता है. यहां जयपुर गुलाबी शहर राजस्थान की राजधानी अपनी ऐतिहासिक धरोहर और राजसी शान के लिए जानी जाती है. यहां अमेर महल, सिटी पैलेस, और हवा महल घूमना बिलकुल जरूरी है. जयपुर के रंगीन बाजारों में ज्वेलरी, बूटस और हेंडिक्राफ्ट खरीदना भी मजेदार होता है. अगर आप रोमांटिक जगहों के शौकीन हैं तो उदयपुर आपके लिए परफेक्ट है. यहां सिटी पैलेस, लेक पिछोला, और सहेलियों की बाड़ी जैसी खूबसूरत जगहें हैं. रात में लेक पिछोला पर बोटिंग करना एक यादगार अनुभव है. उदयपुर न सिर्फ इंडिया साथ ही विदेशी पर्यटकों के बीच में भी काफी फेमस है. हर साल बड़ी संख्या में विदेशी सैलानी यहां घूमने आते हैं. जैसलमेर अपनी सुनहरी रेत और रेगिस्तानी संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है. सोनार किला और गड़ीसर झील यहां के प्रमुख आकर्षण हैं. जैसलमेर के रेगिस्तान में सैंडसर्फिंग और कैंप फायर का मजा लेना मत भूलिए.जोधपुर का मेहरानगढ़ किला और उम्मेद भवन पैलेस देखने लायक हैं. जोधपुर की गलियों में घूमते हुए नीले घरों की खूबसूरती आपको मंत्रमुग्ध कर देगी. यहां के स्ट्रीट फूड का स्वाद भी लेना चाहिए.

मुक्त होती औरत

बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की संरचनात्मक गतिविधियां, उनका वर्चस्व और उनसे उत्पादित भौतिक सुख-साधनों की आयातित आमद से मनुष्य बाह्य ही नहीं आभ्यांतरिक स्तर पर भी प्रभावित हुआ है। मशीनी कार्यशैली और उसके फलस्वरूप उत्पन्न भावनात्मक शून्यता के साथ निस्पृह जीवन ने मानव मस्तिष्क पर अमिट प्रभाव डाला है। साहित्य भी इनसे अछूता नहीं रहा। इस दौर में चले विभिन्न विमर्शों ने जहा साहित्य की घेराबन्दी की वहीं लेखक को भावनात्मक ही नहीं रचनात्मक स्तर पर भी प्रभावित किया। वर्षों से चली आ रही नारी-दासता, आंचल में दूध और आंखो के पानी से स्त्री-मुक्ति की कामना से प्रेरित उथले सामाजिक एवं विचारपूर्ण साहित्यिक प्रयोग प्रारम्भ हुए। समकालीन कहानियों के दौर में ऐसे ही कई मुद्दों के साथ प्रमोद भार्गव का कहानी संग्रह 'मुक्त होती औरत' वर्तमान परिदृश्य, सामाजिक कूटनीति, मनोवैज्ञानिक अधोगति एवं दैहिक आवश्यकताओं को रेखांकित करता हुआ प्रस्तुत हुआ है। इसमें स्त्री (कामकाजी) और नारी (जो स्वतंत्रता की ओर अग्रसर) ,महिला की मुक्ति की कामना नहीं है वरन् उस औरत की मुक्ति की कामना है जो विभिन्न चौखटों में जकड़ी संस्कारगत जड़ता, धर्मभीरुता और दैहिक परतंत्रता के कारण अभी भी संघर्षरत है। नारी मुक्ति की यह कामना दैहिक स्तर पर ही नहीं अन्य अनेक स्तरों पर है जहा ओढ़ी हुई नैतिकता, लिजलिजे सामाजिक बन्धन, युवा पीढ़ी द्वारा आर्थिक सुदृढ़ता के प्रयास स्वरूप बहुराष्ट्रीय कम्पनी का आश्रय और उसके परिणामस्वरूप प्रकृतिजन्य दैहिक आवश्यकता की प्रतिपूर्ति में कमी, सामाजिक खोखली मान्यताओं, जातिगत प्रतिबद्धता, के साथ-साथ ढकोसली धार्मिक व्यवस्थाओं से नारी मुक्ति हेतु उनके पात्र प्रयासरत हैं।

वास्तुशास्त्र

तुलसी और शिवलिंग को एक साथ न रखें

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में तुलसी का पौधा होना बेहद शुभ माना जाता है. ऐसी मान्यता है कि तुलसी का पौधा हर विपत्ति से घर और उसमें रहने वाले लोगों की रक्षा करता है. हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे का विशेष महत्व है. तुलसी को घर में लगाने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और सकारात्मक ऊर्जा आती है. पौधे वास्तुशास्त्र को अनुसार, जहां तुलसी रखी हो, वहां शिवलिंग नहीं रखना चाहिए. कई लोग तुलसी के गमले में शिवलिंग रख देते हैं. उसके बाद वहीं तुलसी और शिवलिंग की एक साथ पूजा करते हैं. एक पौराणिक कथा के मुताबिक, भगवान शिव ने तुलसी माता के पति का वध किया था, जिसके फलस्वरूप न तो शिव पूजन में तुलसी काम में लेते है और न ही शंख से शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं. वास्तुशास्त्र के अनुसार, तुलसी के साथ गणेशजी का पूजन नहीं करना चाहिए. एक कथा के अनुसार, एक बार गणेशजी ने तुलसी का विवाह प्रस्ताव ये कह कर ठुकरा दिया था कि वो ब्रह्मचारी हैं. ये सुनकर तुलसी ने नाराज होकर उन्हें दो विवाह का श्राप दे दिया था. इसके बाद गणेश जी ने भी तुलसी को एक राक्षस से विवाह का श्राप दे दिया. इसलिए, गणेश पूजन में भी तुलसी का इस्तेमाल नहीं किया जाता है. शास्त्रों के मुताबिक, तुलसी के पौधे के पास भूलकर भी झाड़ू नहीं रखनी चाहिए. इसकी यह वजह है कि झाड़ू का उपयोग घर की गंदगी साफ करने के लिए किया जाता है. ऐसे में तुलसी के पास कभी भी झाड़ू नहीं रखनी चाहिए. ऐसा करने से घर में दरिद्रता आने लगती है और व्यक्ति कई परेशानियों से घिर जाता है. तुलसी के पास झाड़ू रखने से तुलसी जी का अपमान होता है.

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

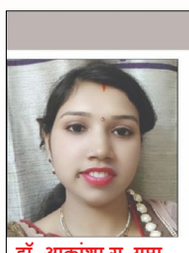
डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सांस (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, शनिवार, 4 अक्तूबर 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

भामरागढ़ तालुका के मरकनार ग्रामस्थों का ऐतिहासिक निर्णय

माओवादियों को गांवबंदी, पुलिस दल पर जताया अटूट विश्वास

भामरागढ़ उपविभाग के 40 गांवों ने किया माओवादी गांवबंदी का ऐलान

गढ़चिरोली.

माओवाद उन्मूलन की दिशा में गढ़चिरौली जिले को एक और बड़ी सफलता मिली है। भामरागढ़ तालुका के मौजा मरकनार के ग्रामीणों ने एकमत से माओवादियों को गांवबंदी का ठराव पारित किया है। इस अवसर पर ग्रामीणों ने अपनी एक भरमार बंदूक भी पुलिस को स्वेच्छा से सौंप दी और पुलिस बल का साथ देने का आश्वासन दिया।

सन 2003 से शासन द्वारा लागू नक्सल गांवबंदी योजना और पुलिस विभाग की "पुलिस दादालोरा खिड़की योजना" के माध्यम से गांव-गांव तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाया गया है। इसके परिणामस्वरूप ग्रामीणों का पुलिस पर विश्वास बढ़ा है और माओवादियों का असली चेहरा सामने आया है। इसी का परिणाम है कि 2024 और 2025 में भामरागढ़ उपविभाग के कवंडे सहित कुल 40 गांवों ने माओवादी गांवबंदी का ठराव मंजूर किया है।

ग्रामसभा में सर्वसम्मत निर्णय : दिनांक 30 सितंबर 2025 को आयोजित ग्रामसभा में मरकनार गांव के 70–75 ग्रामीणों की उपस्थिती में सर्वसम्मति से गांवबंदी का ठराव पारित किया गया। यह ठराव अपर पुलिस अधीक्षक अहेरी (प्राणहिता) श्री सत्य साई कार्तिक को सौंपा गया। इससे पहले 9 फरवरी 2025 को कोठी पुलिस स्टेशन में आयोजित जनसंपर्क बैठक में भी ग्रामीणों ने यही भूमिका स्पष्ट की थी।

माओवादियों के खिलाफ ग्रामस्थों का संकल्प : ग्रामस्थों ने शपथ ली है कि गांव से माओवादी संगठन को भोजन, राशन, पानी या अन्य कोई मदद नहीं दी जाएगी।

गांव के युवक माओवादी संगठन में शामिल नहीं होंगे, न ही प्रशिक्षण लेंगे। गांव के जंगल क्षेत्र में माओवादियों को रुकने नहीं दिया जाएगा। माओवादी बैठकों में कोई भाग नहीं लेगा।

पुलिस प्रयासों का परिणाम : मरकनार गांव अबुझमाड़ जंगल सीमा के निकट होने से पहले माओवादी प्रभाव क्षेत्र में आता था। परंतु पुलिस विभाग के लगातार प्रयास और नागरिक उन्मुख उपक्रमों से यहां की परिस्थितियों में बड़ा बदलाव आया है। 16 जुलाई 2025 को मरकनार से अहेरी बस सेवा शुरू की गई, जिससे ग्रामीणों को सीधा लाभ मिला है।

प्रशासन का मार्गदर्शन और अभिनंदन : इस कार्यवाही में पुलिस अधीक्षक गढ़चिरौली नीलोत्पल के मार्गदर्शन में अपर पुलिस अधीक्षक (अहेरी) सत्य साई कार्तिक, उपविभागीय पुलिस अधिकारी (भामरागढ़) अमर मोहिते तथा पो.उ.नि. दिलीप गवली सहित अधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) एम. रमेश तथा अपर पुलिस अधीक्षक (प्रशासन) गोकुल राज जी. ने मरकनार गांववासियों का अभिनंदन करते हुए अन्य गांवों से भी अपील की कि वे माओवादियों के झूठे प्रचार में न आएं और अपने गांव तथा बच्चों के भविष्य के लिए विकास की मुख्य धारा से जुड़ें।

पोस्टे कटेझरी क्षेत्र में माओवादी स्मारक गढ़चिरोली पुलिस ने किए नष्ट

गढ़चिरोली.

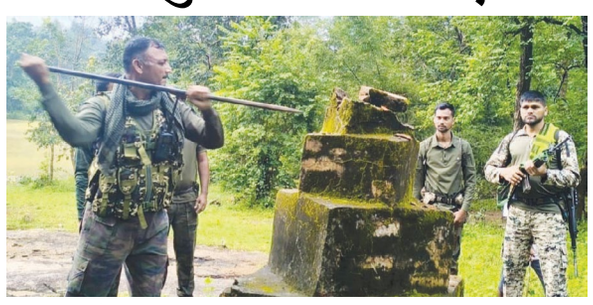

मौजा कटेझरी और मर्मा जंगल क्षेत्र में माओवादियों द्वारा दो से तीन वर्ष पहले बनाए गए दो स्मारक सुरक्षा बल के जवानों ने ध्वस्त किए। स्मारकों के स्थान पर वृक्षारोपण कर पुलिस दल ने दिया शांति और सुरक्षा का संदेश।

गढ़चिरोली जिला दुर्गम और अति-दुर्गम क्षेत्र होने के कारण माओवादी दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है। स्थानीय जनता के मन में भय उत्पन्न करने और अपना अस्तित्व जताने के लिए माओवादी कई स्थानों पर स्मारक स्थापित करते थे। लेकिन हाल के वर्षों में गढ़चिरोली पुलिस के प्रभावी माओवादी विरोधी अभियानों से नागरिकों के मन में माओवादियों की दहशत कम होती दिखाई दे रही है। इसी क्रम में, पोस्टे कटेझरी क्षेत्र में स्थित दो से तीन वर्ष पुराने मौजा कटेझरी और मर्मा जंगल परिसर के दो माओवादी स्मारक 30/09/2025 को पुलिस और एसआरपीएफ जवानों ने नष्ट किए।

जानकारी के अनुसार, जंगल में खोज अभियान चलाते समय पुलिस को ये स्मारक दिखाई दिए। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में बीडीडीएस दल ने जांच कर इन्हें ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई में स्थानीय नागरिकों का भी सहयोग लिया गया। साथ ही शांति का संदेश देने के लिए वहां वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर पुलिस दल ने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि वे माओवादियों के झूठे प्रलोभनों में न फँसें और पुलिस का सहयोग कर गाँव के विकास में भागीदार बनें। साथ ही नागरिकों में सुरक्षा की भावना भी उत्पन्न की गई। गढ़चिरोली के पुलिस अधीक्षक श्री नीलोत्पल ने कहा, "गढ़चिरोली पुलिस नागरिकों को माओवादी आतंक से मुक्त करने के लिए लगातार प्रयासरत है। ऐसे स्मारकों का समाज में कोई स्थान नहीं है। कोई भी व्यक्ति अवैध निर्माण कार्यों में सहभागी न बने।"

यह पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गढ़चिरोली श्री नीलोत्पल, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) श्री एम. रमेश, अपर पुलिस अधीक्षक (अहेरी) श्री सत्य साई कार्तिक, अपर पुलिस अधीक्षक (प्रशासन) श्री गोकुल राज जी तथा सहायक पुलिस अधीक्षक धानोरा श्री अनिकेत हिरडे के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

इस अभियान में पोस्टे कटेझरी प्रभारी अधिकारी पोउपनि. अजय भोसले, एसआरपीएफ गट क्रमांक 11 के पोउपनि. कुणाल भारती, पुलिस अमलदार और एसआरपीएफ के जवान शामिल रहे।

मेडिकल कॉलेज के डीन पर सिविल सर्जन का प्रहार

रोगी सेवा में लापरवाही को लेकर जिला शल्य चिकित्सक डॉ. माधुरी किलनाके का डीन डॉ. अविनाश टेकाडे को कड़ा पत्र

गढ़चिरोली.

पिछले कुछ महीनों से गढ़चिरोली सरकारी मेडिकल कॉलेज और इसके अधिष्ठाता (डीन) डॉ. अविनाश टेकाडे पर अनियमितताओं के आरोप लगते रहे हैं। गुरुवार को एक बार फिर जिला शल्य चिकित्सक डॉ. माधुरी किलनाके ने पत्र लिखकर डॉ. टेकाडे के कामकाज की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल में नियुक्त किए गए 29 चिकित्सालयीन प्राध्यापक मरीजों की सेवा में लापरवाही बरत रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। मरीजों की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए, वरना गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे, ऐसा स्पष्ट इशारा भी डॉ. किलनाके ने दिया।

इस शैक्षणिक वर्ष में शुरू हुआ गडचिरोली का सरकारी मेडिकल कॉलेज शुरू से ही विवादों में है। तीन छात्रों की वैनगंगा नदी में डूबकर मौत, निर्माण कार्य में गड़बड़ी, ज़मीन विवाद जैसे मुद्दों के कारण कॉलेज लगातार चर्चा में रहा। हाल ही में कलेक्टर अविश्यांत पांडा ने जांच के आदेश दिए थे, जबकि आम आदमी पार्टी और वंचित बहुजन आघाड़ी ने डीन को हटाने की मांग की थी।

गैर-जिम्मेदार रवैया : 4 अगस्त को 29 प्राध्यापकों को जिला अस्पताल में तैनात किया गया था, लेकिन कई प्राध्यापक नियमित रूप से ड्यूटी नहीं कर रहे हैं। इस पर अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक ने पहले ही डीन को पत्र लिखकर शिकायत की थी। मगर, उस पर डीन ने आपत्ति जताई। अब खुद जिला शल्य चिकित्सक डॉ. माधुरी किलनाके ने कड़े शब्दों में कहा – "पत्र पर हस्ताक्षर या पदनाम पर विवाद करना छोड़िए और वास्तविक सेवा दीजिए।"

डीन डॉ. अविनाश टेकाडे की प्रतिक्रिया : "मेडिकल कॉलेज में कई प्रोफेसरों की पोस्ट खाली हैं। फिर भी औषधि, अस्थि रोग आदि विभागों में प्राध्यापक सेवा दे रहे हैं। यदि कोई प्रोफेसर सेवा से बच रहा है, तो उसकी सूची दी जाए। उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।"

दो पालकमंत्रियों वाले गडचिरोली ज़िले में प्रशासनिक अधिकारियों के बीच चल रही इस "लेटर वार" ने चर्चा गर्म कर दी है। अब बड़ा सवाल है – प्रशासन पर असली अंकुश किसका?

कांग्रेस का ताडोबा प्रशासन के खिलाफ एल्गार

> सांसद प्रतिभा धानोरकर ने ताडोबा प्रशासन पर निशाना साधा, स्थानीय लोगों के लिए प्रवेश शुल्क 5,000 रुपये की मांग

> कांग्रेस ने जिप्सी शुल्क वृद्धि के खिलाफ छह गेटों पर किया जोरदार प्रदर्शन

> सांसद प्रतिभा धानोरकर का 8 दिन का अल्टीमेटम

चंद्रपुर. तीन महीने के मानसून अवकाश के बाद, ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व के द्वार 1 अक्टूबर से पर्यटकों के लिए खुल गए। हालाँकि, इसी बीच, कांग्रेस ने ताडोबा प्रशासन द्वारा जिप्सी सफारी शुल्क बढ़ाने के फैसले का कड़ा विरोध किया। यह कड़ा विरोध मोहरली गेट और पाँच अन्य द्वारों पर सांसद प्रतिभा धानोरकर के नेतृत्व में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। वन विभाग ने हाल ही में कोर ज़ोन में शनिवार और रविवार को जिप्सी सफारी का शुल्क बढ़ाकर 12,800 रुपये कर दिया है। सांसद प्रतिभा धानोरकर ने इस मूल्य वृद्धि के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। प्रदर्शनकारियों का तर्क था कि चंद्रपुर जिले के नागरिकों को ताड़ोबा, जो चंद्रपुर जिले की पहचान है, बाघों के दर्शन के लिए इतनी बड़ी रकम

चुकाना अनुचित है। ऐसे में जब जिले में मानव-वन्यजीव संघर्ष पहले से ही व्याप्त है, स्थानीय लोगों से अधिक शुल्क वसूलना पूरी तरह से अनुचित है। विरोध प्रदर्शन के दौरान सभी वाहनों का आवागमन रोक दिया गया और प्रशासन पर शुल्क वृद्धि तुरंत वापस लेने का दबाव डाला गया।

इस दौरान सांसद प्रतिभा धानोरकर ने प्रशासन के समक्ष स्थानीय लोगों के लिए एक ठोस मांग रखी। इस महत्वपूर्ण मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए, ताडोबा टाइगर रिजर्व के उप निदेशक अनंत रेड्डी ने आश्वासन दिया कि स्थानीय लोगों से अब 5,000 रुपये लिया जाएगा। सांसद प्रतिभा धानोरकर ने स्पष्ट किया कि उन्हें गाइड शुल्क बढ़ाने पर कोई आपत्ति नहीं है और उनकी मुख्य भूमिका ताडोबा सफारी को जिले के आम आदमी के लिए किफायती बनाना है। इस चर्चा में, प्रशासन ने यह भी आश्वासन दिया कि सप्ताह में एक दिन स्थानीय लोगों के लिए विचार किया जाएगा और इस मुद्दे को समिति के समक्ष रखा जाएगा। साथ ही, यह भी कहा गया कि स्थानीय चालक बीमा के मुद्दे को भी सकारात्मक रूप से स्वीकार कर लिया गया है।

प्रशासन से ठोस आश्वासन मिलने के बाद, सांसद प्रतिभा धानोरकर ने अस्थायी रूप से आंदोलन वापस ले लिया और पर्यटकों के लिए ताडोबा में प्रवेश का रास्ता साफ़ कर दिया। हालाँकि, उन्होंने ताडोबा प्रशासन को आठ दिनों का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है, "हम आठ दिनों तक प्रशासन के फैसले का इंतज़ार करेंगे। अगर उपनिदेशक द्वारा दिया गया आश्वासन पूरा नहीं हुआ और उचित व जनहितकारी फैसला नहीं लिया गया, तो हम भविष्य में और भी कड़ा आंदोलन करके जिप्सियों का प्रवेश पूरी तरह से बंद कर देंगे।" सांसद प्रतिभा धानोरकर के इस कदम से ताडोबा प्रशासन पर भारी दबाव है और अब ज़िले के आम नागरिकों की नज़र इस बात पर टिकी है कि आठ दिनों में क्या अंतिम फैसला होता है।

अवैध देशी शराब की 730 पेटियों सहित चारपहिया वाहन कब्ज़े में

एक आरोपी गिरफ्तार, तीन फरार; तलाश जारी

गढ़चिरोली. ज़िले में शराबबंदी लागू होने के बावजूद अवैध रूप से गुप्त तरीके से शराब की बिक्री और परिवहन किया जा रहा है। इस पर अंकुश लाने के लिए गढ़चिरोली के पुलिस अधीक्षक श्री नीलोत्पल ने अवैध शराब विक्रेताओं के खिलाफ कड़ी और प्रभावी कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। इसी के तहत, दिनांक 01/10/2025 को स्थानीय अपराध शाखा गड़चिरोली की टीम ने अहेरी थाना क्षेत्र के मौजा मद्दीगुडम में छापा मारकर बड़ी कार्रवाई की।

गोपनीय सूचना के आधार पर अपराध शाखा की टीम ने मौजा मद्दीगुडम क्षेत्र में छापा डाला। जांच के दौरान एक महिंद्रा स्कॉर्पियो (क्र. MH-34-CD-8410) वाहन में भारी मात्रा में अवैध देशी शराब पाई गई। मौके पर आरोपी मिथुन विश्वास मडावी (35 वर्ष, निवासी आलापल्ली, ता. अहेरी) को वाहन समेत गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, पुलिस की मौजूदगी का आभास होते ही अन्य तीन आरोपी घटनास्थल से फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है।

इस कार्रवाई में 730 पेटियां अवैध देशी शराब (क़ीमत लगभग 58,40,000 रुपये) और महिंद्रा स्कॉर्पियो वाहन (क़ीमत लगभग 15,00,000 रुपये) ज़ब्त किया गया। कुल मिलाकर 73,40,000 रुपये मूल्य का माल जब्त किया गया है। इस संबंध में अहेरी थाने में गु.र.क्र. 306/2025 भारतीय दारूबंदी क़ानून की धारा 65(अ), 65(ई), 83, 98(2) के अंतर्गत अपराध दर्ज किया गया है। आरोपी मिथुन विश्वास मडावी की गिरफ्तारी की प्रक्रिया शुरू है जबकि फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। मामले की आगे की जांच सपोनि. देवेंद्र पटले कर रहे हैं।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्री नीलोत्पल, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) श्री एम. रमेश, अपर पुलिस अधीक्षक (अहेरी) श्री सत्य साई कार्तिक, अपर पुलिस अधीक्षक (प्रशासन) श्री गोकुल राज जी के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। इस टीम में पुलिस निरीक्षक श्री अरुण फेगडे के नेतृत्व में सपोनि. भगतसिंह दुलत, पोअं. राजू पंचफुलीवार और चापोअं. दीपक लोणारे शामिल थे।

एमपीएससी अभ्यर्थियों का धैर्य समाप्त

चंद्रपुर.

नौकरी मेलों के दबाव के कारण क्लर्क-टाइपिस्ट अभ्यर्थियों की नियुक्ति ढाई साल से अटकी; सांसद प्रतिभा धानोरकर का मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सीधा पत्र. महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित ग्रुप-सी क्लर्क और टाइपिस्ट परीक्षा 2023 में चयनित कई उम्मीदवारों को अपनी नियुक्ति के लिए ढाई साल से ज़्यादा इंतज़ार करना पड़ रहा है। भर्ती प्रक्रिया का अंतिम चरण पूरा होने के बावजूद, सरकार की 'रोज़गार मेला' नीति के कारण नियुक्ति पत्र अटके होने से युवा उम्मीदवारों में भारी निराशा है। सांसद प्रतिभा धानोरकर ने इस गंभीर देरी पर रोष व्यक्त किया है और सीधे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर रोज़गार मेले का इंतज़ार किए बिना प्रशासनिक स्तर पर तुरंत नियुक्ति पत्र जारी करने की मांग की है।

इन पदों के लिए चयनित उम्मीदवारों को सितंबर 2025 में आयोजित होने वाले 'नौकरी मेले' में नियुक्ति मिलने की उम्मीद थी। लेकिन, मेले के बार-बार स्थगित होने से उन्हें चयनित होने के बाद भी नौकरी के लिए इंतज़ार करना पड़ रहा है। इससे उम्मीदवारों का काफी समय बर्बाद हो रहा है और उनमें निराशा का माहौल बन रहा है। सांसद प्रतिभा धानोरकर ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में गहरी चिंता व्यक्त की है कि अगर यह नियुक्ति प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं हुई, तो इसका उनके भविष्य पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

सांसद प्रतिभा धानोरकर ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है, "जिन अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन हो चुका है और जिनका चयन सुनिश्चित हो चुका है, उनके लिए 'मिलन समारोह' का इंतजार करना उचित नहीं है। नियुक्ति में इतनी बड़ी देरी हमारी युवा पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने जैसा है।"

उन्होंने मांग की है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस स्वयं इस गंभीर मामले का संज्ञान लें और किसी राजनीतिक समारोह या जमावड़े का इंतजार किए बिना प्रशासनिक स्तर पर तुरंत नियुक्ति पत्र जारी करें और क्लर्क-टाइपिस्ट पदों के उम्मीदवारों को तत्काल न्याय प्रदान करें।

गोंडवाना विद्यापीठ एवं महाविद्यालयों पर आरटीआई कानून उल्लंघन का आरोप: हिमायूं अली

> कुलगुरु से की गई कड़ी कार्रवाई की मांग

चंद्रपुर, सुनील तायडे

माहिती अधिकार कार्यकर्ता महासंघ, चंद्रपुर के जिला अध्यक्ष हिमायूँ इसराइल अली ने गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली के जनमाहिती अधिकारी व कुलसचिव, सहायक कुलसचिव, विशेष मागासवर्ग कक्ष तथा तीन महाविद्यालयों के प्राचार्यों पर माहिती अधिकार अधिनियम 2005 के उल्लंघन का गंभीर आरोप लगाते हुए कुलगुरु महोदय को लिखित शिकायत प्रस्तुत की है।

शिकायत के अनुसार, 17 जून 2025 को जिला अधिकारी कार्यालय, गडचिरोली में ऑनलाइन आरटीआई आवेदन किया गया था, जिसे 23 जून 2025 को धारा 6(3) के तहत गोंडवाना विद्यापीठ को फॉरवर्ड किया गया।

इसके बाद विद्यापीठ की ओर से संबंधित तीन महाविद्यालयों

1. रीनायसंस इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, चंद्रपुर
2. सौ. लीना किशोर मामीडवार इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडी एंड रिसर्च, कोसारा, चंद्रपुर
3. बल्लारपूर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बामणी, ता.बल्लारपुर, जि.चंद्रपुर को जानकारी उपलब्ध कराने हेतु पत्र जारी किया गया, परंतु किसी भी संस्थान ने जानकारी उपलब्ध नहीं कराई। सिर्फ कोसारा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. जे. एन. चक्रवर्ती ने पत्र भेजकर यह कहते हुए जानकारी देने से मना कर दिया कि "महाविद्यालय अनुदानरहित है, इसलिए आरटीआई लागू नहीं होता।" शिकायतकर्ता ने कहा कि न तो किसी कोर्ट आदेश का संदर्भ दिया गया और न ही कोई प्रमाण संलग्न किया गया। प्रथम अपील भी विफल, विद्यापीठ ने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ा. जानकारी न मिलने पर 29 जुलाई 2025 को प्रथम अपील गोंडवाना विद्यापीठ में दाखिल की गई। लेकिन 11 सप्टेंबर 2025 को विद्यापीठ ने उल्टा यह कहते हुए अपील ठुकरा दी कि "अपील महाविद्यालय में करें।"

जबकि आरटीआई कानून के अनुसार जब आवेदन विद्यापीठ द्वारा फॉरवर्ड किया गया है, तो अपील भी वहीं स्वीकार की जानी चाहिए।

कुलगुरु से कार्रवाई की मांग

शिकायतकर्ता ने कुलगुरु से मांग की है कि,कायदे की जानकारी न रखने वाले जन माहिती अधिकारी एवं कुलसचिव,सहायक माहिती अधिकारी,तथा तीनों महाविद्यालयों के प्राचार्य पर शासकीय नियमों के अनुसार अनुशासनात्मक एवं वैधानिक कार्रवाई की जाए।

उच्च न्यायालय जाने की चेतावनी

हिमायूँ इसराइल अली ने स्पष्ट कहा है कि यदि नियमानुसार कार्रवाई नहीं होती है तो यह प्रकरण उच्च न्यायालय में उठाया जाएगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी।

फिल्में फेल तो परेशान नजर आते हैं अक्षय

सुपरस्टार अक्षय कुमार अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों का हिस्सा बने रहते हैं. अक्षय ने हाल ही में अपनी फैमली से जुड़ा एक किस्सा सभी के साथ शेयर किया, जिसे सुनने के बाद हर कोई हैरान रह गया. खिलाड़ी कुमार ने साइबर क्राइम से जुड़े एक इवेंट में शिरकत की.

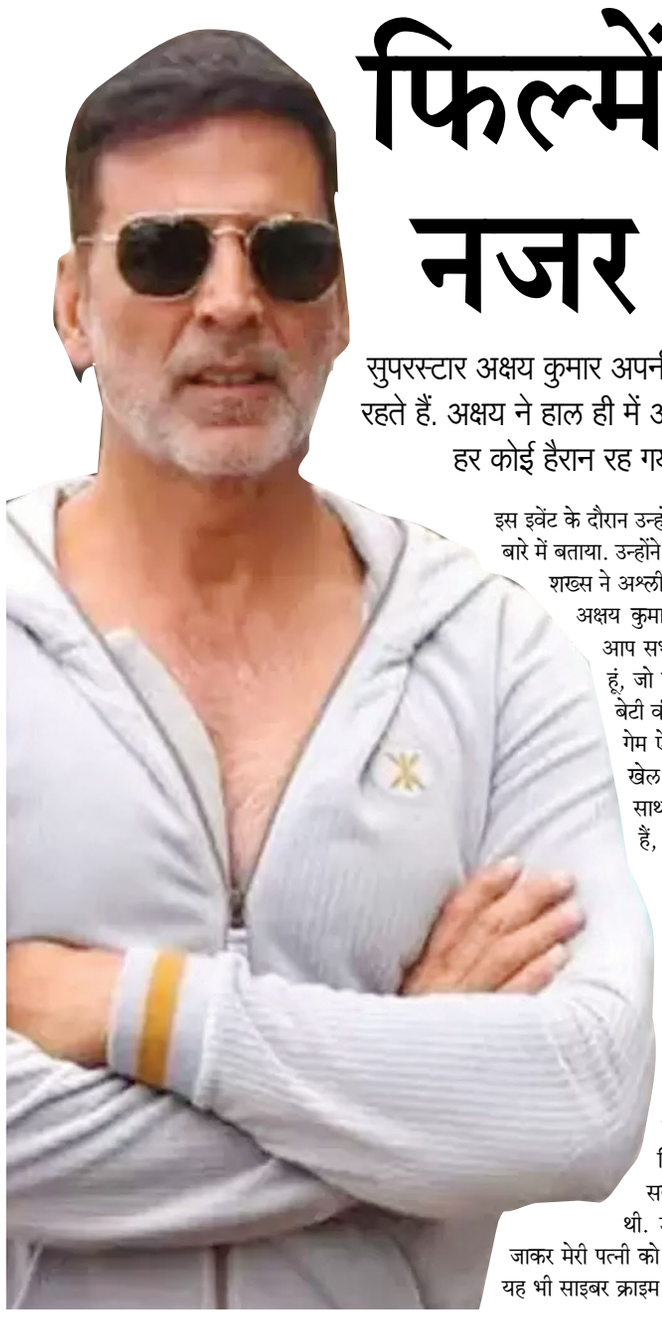

इस इवेंट के दौरान उन्होंने अपनी बेटी को आए अश्लील मैसेज के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि कैसे उनकी बेटी को एक अनजान शख्स ने अश्लील मैसेज भेजकर उससे उसी फोटोज मांगी. अक्षय कुमार ने पूरा किस्सा बताते हुए कहा कि मैं आप सभी को एक छोटी सी घटना बताना चाहता हूं, जो कुछ महीने पहले मेरे घर पर घटी थी. मेरी बेटी वीडियो गेम खेल रही थी, और कुछ वीडियो गेम ऐसे होते हैं, जिन्हें आप किसी के साथ भी खेल सकते हैं. आप किसी अनजान अजनबी के साथ खेल रहे होते हैं. जब आप खेल रहे होते हैं, तो कभी-कभी उधर से एक मैसेज आता है.

अक्षय ने आगे कहा कि पहले उस अनजान शख्स ने उनक बेटी को काफी डीसेंट मैसेज भेजे. जैसे तुम अच्छा खेल रही हो, बहुत बढ़िया. धीरे-धीरे वह गेम खेलती रही और उधर से अच्छे मैसेज आते रहे. लेकिन फिर उस शख्स ने उनकी बेटी से पूछा कि आप मेल हैं या फीमेल? जवाब में बेटी ने लिखा फीमेल. लेकिन फिर उस अनजान शख्स ने मैसेज में लिखा कि क्या आप अपनी अश्लील फोटोज भेज सकती हैं?अक्षय ने आगे कहा, "ये मेरी बेटी थी. उसने सब कुछ बंद कर दिया और उसने जाकर मेरी पत्नी को सब बताया. इस तरह चीजें शुरू होती हैं. यह भी साइबर क्राइम का एक हिस्सा है.

जावेद अली ने 'गणेश कार्तिकेय' एंथम में जताई भक्ति

सोनी सब अपनी महागाथा 'गाथा शिव परिवार की – गणेश कार्तिकेय' लेकर आ रहा है, जो ब्रह्मांड के सबसे शक्तिशाली और दिव्य देव परिवार को जीवंत रूप में प्रस्तुत करेगा। इस भव्य गाथा की गरिमा में चार चांद लगाए हैं मशहूर पार्श्व गायक जावेद अली ने, जिन्होंने शो के एंथम को अपनी मधुर आवाज दी है। उनकी यह प्रस्तुति भक्ति, दिव्यता और भावनाओं की गहराई को बड़े ही सुंदर ढंग से व्यक्त करती है। इस खास बातचीत में जावेद अली ने बताया कि यह एंथम गाना उनके लिए एक आत्मिक और अविस्मरणीय अनुभव क्यों रहा। सोनी सब का आने वाला शो 'गणेश कार्तिकेय' एक पौराणिक महागाथा है। आपको क्या लगता है, यह एंथम शो की थीम को किस तरह पूरक बनाता है?यह एंथम सचमुच शो की रीढ़ की हड्डी जैसा है। यह शुरुआत से ही माहौल और ऊर्जा बना देता है। यह दर्शकों में उत्साह जगाएगा और उन्हें शो देखने के लिए प्रेरित करेगा। मुझे विश्वास है कि दर्शक इस गीत से तुरंत जुड़ जाएंगे। यह गीत दर्शकों को क्या संदेश देता है, खासकर शो की थीम को ध्यान में रखते हुए?

आपने कई शैलियों में गाया है जैसे रोमांटिक, सूफी और देशभक्ति। इनके मुकाबले भक्ति/पौराणिक गीत गाने का अनुभव कैसा होता है? मैं अलग-अलग शैलियों में गाता हू क्योंकि मेरा मानना है कि सारा संगीत एक ही दिव्य शक्ति से प्रवाहित होता है। मैंने पहले भी भक्ति गीत गाए हैं और हाल ही में मेरे एक गीत को बहुत प्यार मिला, जिससे मैं खुद को धन्य मानता हू। 'गणेश कार्तिकेय' के लिए गाना अलग अनुभव रहा क्योंकि आदिल-प्रशांत ने इसे समकालीन अंदाज़ के साथ भक्ति की अनुभूति दी है, जो शो से बड़ी खूबसूरती से जुड़ता है। यह भव्य है, अलौकिक है और इसमें अपनी आवाज़ देने का अवसरपाकर मैं बेहद उत्साहित और धन्य महसूस कर रहा हू।

सोनी सब कलाकारों ने दशहरा उत्सव मनाया

विजयादशमी या दशहरा, जो कि अच्छाई की बुराई पर विजय और धर्म की जीत का प्रतीक है, पूरे भारत में बड़े उत्साह से मनाया जाता है। रामलीला के मंचन, रावण के पुतले के दहन और परिवार के साथ मिलन समारोहों के जरिए यह त्योहार खास बनता है। इस मौके पर सोनी सब के कलाकार करुणा पांडे, ऋषि सक्सेना, गौरी टोंक और समृद्ध बावा अपने दशहरा के अनुभव और भावनाएं साझा करते हैं। करुणा पांडे कहती हैं कि दशहरा उनके लिए सकारात्मकता और नई शुरुआत का दिन है। बचपन में रामलीला और रावण दहन देखना उनके लिए नकारात्मकता को जलाने जैसा प्रतीत होता था। वह इसे एक ताकतवर अनुस्मारक मानती हैं कि अच्छाई हमेशा जीतती है, चाहे रास्ता कितना भी कठिन हो। समृद्ध बावा का कहना है कि दशहरा उनके लिए आशा और सही रास्ते की याद दिलाता है। बचपन में कॉलोनी के छोटे रावण दहन समारोह की यादें उनके लिए बहुत खास हैं, जहां पूरे परिवार के साथ त्योहार मनाते थे। आज भी वह परिवार के साथ समय बिताकर इसे मनाते हैं।

ऋषि सक्सेना ने बताया कि दशहरा उनके लिए समुदाय और एकता का पर्व है। जोधपुर में बड़े पैमाने पर मनाए जाने वाले इस त्योहार में परिवार के साथ रावण दहन देखना और मिठाइयों का आनंद लेना उनके दिल के करीब है। यह पर्व सभी को एक साथ लाने वाला है और सत्य तथा धर्म की शक्ति की याद दिलाता है।गौरी टोंक बताती हैं कि दशहरा केवल रावण की हार नहीं, बल्कि हमारे भीतर के भय, अहंकार और नकारात्मकता पर विजय पाने का प्रतीक है। वह अपने बच्चों को भी यह त्योहार मनाने की परंपरा सिखाती हैं ताकि वे अच्छाई की बुराई पर जीत के महत्व को समझ सकें। यह खास त्योहार और कलाकारों की ये भावनाएं 'पुष्पा इम्पॉसिबल' और 'इत्ती सी खुशी' में देखी जा सकती हैं, जो हर सोमवार से शनिवार सोनी सब पर प्रसारित होती हैं।

जान्हवी ने छीनी बड़ी स्टार की

साल 2023 के बाद से बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर के करियर ने काफी तेजी से रफ्तार पकड़ी है. उनकी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी हाल ही में रिलीज हुई है. इस फिल्म की कमाई ठीक जा रही है. फिल्म में उनके अपोजिट वरुण धवन नजर आए हैं. इससे पहले दोनों की ये जोड़ी बवाल फिल्म में नजर आई थी.मगर रिपोर्ट्स में ऐसा सुनने में आ रहा है कि इस फिल्म के लिए पहले वरुण धवन के अपोजिट आलिया भट्ट को कास्ट किए जाने की बात चल रही थी. लेकिन इस बात में अब सच्चाई क्या है इसका खुलासा खुद फिल्म के डायरेक्टर शशांक खैतान ने कर दिया है. सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी फिल्म की कास्टिंग के बारे में बात करते हुए शशांक ने कहा- ये फिल्म पूरी तरह से सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के तौर पर ही लिखी गई थी और एकदम फ्रेश थी. ये कभी भी दुल्हनिया फ्रेंचाइज का हिस्सा नहीं थी. मैं आलिया का शेड्यूल जानता था. मैं श्योर था कि आने वाले 2-3 सालों तक के लिए वे फ्री नहीं हैं. क्योंकि उनके पास और भी वर्क कमिट्मेंट्स हैं.सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी फिल्म की स्क्रिप्टिंग के बारे में बात करते हुए कहा कि- दुल्हनिया फ्रेंचाइजी की फिल्म को लेकर मैं करण जौहर, वरुण धवन और जान्हवी कपूर से कई ऑकेजन्स में बात कर भी चुका था. लेकिन ये फिल्म वो नहीं है. ये लगभग उस तरह की ही एक बहुत अलग फिल्म है.

कैंसर से जीतकर फिर से लौट आई हिना

आज (2 अक्टूबर) टेलीविजन की मशहूर एक्ट्रेस हिना खान का जन्मदिन है. 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की अक्षरा अब 38 साल की हो गई हैं. हिना की जिंदगी का सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है. ये कहानी है डर को हराकर डर से लड़ने की, दर्द सहकर भी मुस्कुराने की. ये कहानी है हिना खान की कैंसर से जंग की, जिसने उन्हें सिर्फ सर्वाइवर नहीं, बल्कि जिंदगी की शेरनी बना दिया!हिना खान ने जब दुनिया को बताया कि उन्हें स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर है, तब उनके फैंस और इंडस्ट्री को एक बड़ा झटका लगा. ये वो पल था जब किसी भी इंसान की हिम्मत टूट सकती है. कैंसर का नाम सुनते ही लोग घबरा जाते हैं, पर हिना ने घबराने की बजाय लड़ने का फैसला लिया. उन्होंने इसे जिंदगी का एक इम्तिहान माना और डटकर मुकाबला किया.हिना खान ने एक रियलिटी शो में बताया था कि जिस रात उन्हें कैंसर की रिपोर्ट मिली, वो अपने परिवार के साथ रात का खाना खा रही थीं. दरअसल जब हिना खान को उनके रिपोर्ट्स के जरिए कैंसर की खबर मिली, तब वो एक पल के लिए शांत हो गईं. लेकिन तभी दरवाजे की घंटी बजी. डिलीवरी बॉय फालूदा आइस क्रीम लेकर आया था, जो हिना ने रिपोर्ट्स आने से पहले मंगवाई थी. जब हिना ने वो आइस क्रीम देखी.

'डॉन' की दौड़ में किसने मारी बाज़ी बिग बी या शाहरुख़

अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान दोनों ही हिंदी सिनेमा के सबसे बड़े और सबसे लोकप्रिय एक्टर्स में से एक हैं. दोनों ने अपने करियर में गजब की लोकप्रियता और सफलता हासिल की है. अमिताभ बच्चन 56 साल से बॉलीवुड में एक्टिव हैं, तो वहीं शाहरुख खान 33 साल से इस इंडस्ट्री का हिस्सा हैं. आज हम आप से दोनों दिग्गजों की एक ही नाम की फिल्म 'डॉन' को लेकर बात करेंगे. आइए आज जानते हैं कि बिग बी की डॉन या फिर शाहरुख की डॉन, आखिर दोनों फिल्मों में से किसने बॉक्स ऑफिस पर बाजी मारी थी?अमिताभ बच्चन ने बॉलीवुड में बतौर एक्टर अपना डेब्यू साल 1969 की फिल्म 'सात हिन्दुस्तानी' से किया था. वहीं शाहरुख खान की हिंदी सिनेमा में शुरुआत साल 1992 की फिल्म 'दीवाना' से हुई थी. बिग बी ने 70 के दशक में डॉन बनकर सबपर छा गए थे. वहीं शाहरुख बड़े पर्दे पर डॉन करीब दो दशक पहले बने थे.

56 साल के बॉलीवुड करियर में कई बेहतरीन फिल्मों से फैंस के दिलों को जीतने वाले 'सदी के महानायक' अमिताभ बच्चन की फिल्म डॉन 1978 में रिलीज हुई थी. इसमें बिग बी के साथ जीनत अमान, प्राण, सत्येंद्र कपूर, मैक मोहन, ओम शिवपुरी, कमल कपूर, इफ्तेखार जैसे कलाकार भी थे. इसका डायरेक्शन चंद्र बरोट ने किया था. 70-75 लाख रुपये के बजट में बनी फिल्म दुनियाभर में 7 करोड़ रुपये कमाते हुए सुपरहिट साबित हुई थी. फिल्म ने बजट से करीब 10 गुना ज्यादा कमाई की थी. वहीं डॉन साल 1978 की तीसरी सबसे कमाऊ पिक्चर भी थी.

डॉन के 28 साल बाद इसका रीमेक बना था और इसमें शाहरुख खान ने काम किया था. शाहरुख की डॉन 19 साल पहले 20 अक्टूबर 2006 को रिलीज हुई थी. इसका डायरेक्शन फरहान अख्तर ने किया था और इसमें शाहरुख के साथ लीड रोल में 'देसी गर्ल' प्रियंका चोपड़ा नजर आई थीं. फिल्म में करीना कपूर, ईशा कोप्पिकर, अर्जुन रामपाल और बोमन ईरानी भी थे. डॉन को 35 करोड़ रुपये के बजट में बनाया था और इसने अपने बजट से करीब तीन गुना ज्यादा 104 करोड़ की वर्ल्डवाइड कमाई की थी. ये फिल्म हिट रही थी.

रानी की डेब्यू फिल्म पर मां का विरोध

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मर्दानी 3' को लेकर सुर्खियों में है. हाल ही में एक्ट्रेस को बेस्ट एक्ट्रेस 2023 के नेशनल अवॉर्ड से नवाजा गया. इसके अलावा हाल ही में उन्होंने एक ऐसा खुलासा किया, जिसे सुनकर सभी हैरान रह गए. एक्ट्रेस ने अपना एक किस्सा शेयर करते हुए बताया कि जब उनकी डेब्यू फिल्म, 'राजा की आएगी बारात' का स्क्रीन टेस्ट उनकी मां कृष्णा मुखर्जी ने बहुत अजीब रिएक्ट किया था. एक्ट्रेस के पापा ने भी कुछ रिस्पांस नहीं दिया था.रानी मुखर्जी ने बताया कि, 'मेरी मां का नजरिया कुछ ऐसा था कि तुम कोशिश करो और देखो क्या होता है, लेकिन जब मेरा पहला स्क्रीन टेस्ट हुआ, तो उन्हें मेरा परफॉर्मेंस इतना खराब लगा कि उन्होंने प्रोड्यूसर्स से साफ-साफ कह दिया कि मुझे लगता है कि मेरी बेटी को लेकर आप अपनी फिल्म बर्बाद कर देंगे. आपको नुकसान होगा. बेहतर होगा कि आप इसे साइन न करें. असल में, राजा की आएगी बारात के प्रोड्यूसर सलीम अंकल मुझे साइन करने को लेकर बहुत एक्साइटेड थे, लेकिन मेरी मां इतनी समझदार थीं कि उन्होंने समझ लिया था कि मैं उस वक्त अच्छा काम नहीं कर रही थी. इसलिए उन्होंने उन्हें मना कर दिया और कहा कि मुझे नहीं लगता कि आपको मेरी बेटी को लेना चाहिए.' आगे रानी ने बताया कि जब उन्होंने फिल्मों में आने की इच्छा जताई तो उनके पिता राम मुखर्जी भी कुछ खास एक्साइटेड नहीं थे. एक्ट्रेस ने कहा, 'पापा इसको लेकर ज्यादा एक्साइटेड नहीं थे, क्योंकि उस समय फिल्मी परिवारों की बेटियों का एक्टिंग करना बहुत आम नहीं था. तब ज्यादातर पुरुष ही इस इंडस्ट्री में काम करते थे, आज की तरह नहीं जहां लगभग हर स्टारकिड अपने पेरेंट्स के नक्शेकदम पर चलना चाहता है. उस दौर में चीजें कुछ अलग थीं. मुझे नहीं लगता कि उस समय फिल्म इंडस्ट्री को एक व्यावहारिक करियर ऑप्शन के रूप में देखा जाता था. जब मैं बड़ी हो रही थी, तब स्कूल में यह कहना कि मैं एक फिल्मी परिवार से हूं.

शिव परिवार की शिक्षाओं पर टीवी सितारों की सोच

सोनी सब का आगामी पौराणिक शो 'गाथा शिव परिवार की गणेश कार्तिकेय' भगवान शिव, माता पार्वती और उनके पुत्रों भगवान गणेश और भगवान कार्तिकेय की जीवन यात्रा को दर्शाता है। यह कहानी केवल देवताओं की नहीं, बल्कि एक परिवार के बीच प्रेम, साहस और निस्वार्थता जैसे अमूल्य जीवन मूल्यों की भी है, जो आज भी हमारे जीवन में उतने ही प्रासंगिक हैं जितने सदियों पहले थे। यह शो 6 अक्टूबर से हर सोमवार से शनिवार रात 8 बजे प्रसारित होगा।

पॉपुलर टीवी कलाकार नकुल मेहता, सुधांशु पांडे, शक्ति अरोड़ा और शिवांगी जोशी ने इस शो के प्रीमियर से पहले शिव परिवार की शाश्वत शिक्षाओं पर अपने अनुभव साझा किए। नकुल मेहता ने बताया कि उन्हें उत्तराखंड के कार्तिकेय स्वामी मंदिर की यात्रा ने अंदर से शांति और संतुलन का अनुभव कराया, और अब वे अपने बच्चों को भी भगवान गणेश और कार्तिकेय के रूप में देखते हैं. जहां एक बुद्धिमान और दूसरा साहसी है। शिवांगी जोशी ने बताया कि बचपन से ही गणेशजी उनके सच्चे साथी रहे हैं और उन्होंने अपने जीवन में कई बार इन कथाओं से प्रेरणा और शांति पाई है। वह हर साल रक्षाबंधन पर भगवान गणेश और कार्तिकेय के लिए राखी बांधती हैं, जो उनके लिए एक विशेष आध्यात्मिक अनुभव है।

शक्ति अरोड़ा ने कहा कि बचपन में वह अक्सर यह सोचते थे कि मां अपनी बहनों से ज्यादा प्यार करती हैं, लेकिन गणेश और कार्तिकेय की कहानिया उन्हें समझाती हैं कि मां अपने सभी बच्चों को अलग-अलग तरीकों से समान रूप से प्यार करती हैं। इसने उन्हें मां को बेहतर समझने में मदद की। ये कलाकार मानते हैं कि 'गाथा शिव परिवार की गणेश कार्तिकेय' दर्शकों को पौराणिक कथाओं को एक नए और व्यक्तिगत नजरिए से देखने का मौका देगा, जो हमारे जीवन के गहरे सवालों और रिश्तों से जुड़ी

ZEE5 पर मराठी फिल्म स्थळ का वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर 10 अक्टूबर को

जयंत दिगंबर सोमालकर के निर्देशन में बनी और धुन द्वारा निर्मित स्थळ को कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में सराहना और पुरस्कार मिले हैं ~ इस साल की शानदार फेस्टिवल यात्रा और सफल थियेट्रिकल रिलीज़ के बाद, ZEE5 गर्व के साथ यह घोषणा करता है कि बहुचर्चित मराठी फिल्म स्थळ का वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर 10 अक्टूबर 2025 को होगा।जयंत दिगंबर सोमालकर के निर्देशन और धुन के प्रोडक्शन में बनी स्थळ को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में व्यापक पहचान और सम्मान मिला है। इस फिल्म ने टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2023 में NETPAC अवॉर्ड फॉर बेस्ट एशिया पैसिफिक फिल्म, पुणे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 में सर्वश्रेष्ठ मराठी फिल्म और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, तथा लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल 2024 में ऑडियंस फिल्म अवॉर्ड जीता। इसके अलावा इसने इंडो-जर्मन फिल्म वीक 2024 में ऑडियंस चॉइस अवॉर्ड और बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर, इंडियन फिल्म फेस्टिवल स्टटगार्ट 2024 में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, और जाफना इंटरनेशनल सिनेमा फेस्टिवल 2024 में सर्वश्रेष्ठ डेब्यू फिल्म सहित कई अन्य पुरस्कार भी हासिल किए।

एक मार्मिक कमिंग-ऑफ़-एज सामाजिक ड्रामा, स्थळ ग्रामीण महाराष्ट्र में स्थापित है और 16 वर्षीय सविता की कहानी कहता है, जिसकी ज़िंदगी पितृसत्तात्मक अपेक्षाओं और पारंपरिक शादी की गहरी जड़ें जमा चुकी परंपराओं से प्रभावित होती है। जब वह "मॅचिंग" सेरेमनी यानी स्थळ से गुज़रती है, तो उसे धीरे-धीरे अहसास होता है कि कैसे उसकी व्यक्तिगतता, सपने और आत्मसम्मान समाज की रीति-रिवाजों के आगे दबा दिए जाते हैं।

सविता की नज़र से, स्थळ लिंग असमानता, सामाजिक पक्षपात और परंपरा के नाम पर महिलाओं के वस्तुकरण की कठोर सच्चाई को उजागर करता है। फिल्म की सच्ची और ईमानदार कहानी यह दर्शाती है कि ऐसे सामाजिक-सांस्कृतिक माहौल में युवतियों के पास अपनी ज़िंदगी पर कितना कम नियंत्रण और स्वतंत्रता होती है।

पूरी फिल्म निर्देशक के अपने मूल गाँव, महाराष्ट्र के चंद्रपुर ज़िले के डोंगरगांव में शूट की गई है। फिल्म में ज्यादातर नए कलाकारों और स्थानीय अभिनेताओं ने काम किया है, जिनमें सविता की भूमिका में नंदिनी चिकटे, उसके भाई के रूप में सुयोग धवस, और माता-पिता के किरदार में तरनाथ खिरातकर और संगीता सोनेकर शामिल हैं। अपनी गहन कहानी कहने की शैली, सटीक अभिनय और पितृसत्ता पर तीखी टिप्पणी के लिए सराही गई स्थळ अब 10 अक्टूबर को ZEE5 पर अपने वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है।

निर्देशक जयंत दिगंबर सोमलकर ने कहा, "स्थल मेरे लिए बेहद निजी फिल्म है।

यह उसी गाँव में बनी है जहाँ मैं बड़ा हुआ और जिन कहानियों को मैंने करीब से देखा, उनसे प्रेरित है। परंपरा के नाम पर महिलाएँ जो चुपचाप पीड़ा और अपमान सहती हैं, वह एक कड़वा सच है, जिस पर अक्सर ध्यान ही नहीं दिया जाता। स्थल के ज़रिए मैंने उन दबे हुए स्वरों को सामने लाने की कोशिश की है। अंतरराष्ट्रीय फेस्टिवलों में फिल्म की यात्रा बेहद विनम्र अनुभव रही है, लेकिन ZEE5 पर इसका प्रीमियर मेरे लिए और भी मायने रखता है — क्योंकि इससे स्थल लाखों दर्शकों तक पहुँचेगी और महोत्सवों की सीमाओं से बाहर निकलकर आम दर्शकों से जुड़ेगी, जो शायद अपनी ही हकीकत इस परदे पर देख पाएँ।"

नंदिनी चिकटे, जो सविता की भूमिका में अपना डेब्यू कर रही हैं, ने साझा किया, "सविता का किरदार निभाना मेरे लिए भावनात्मक और रूपांतरकारी अनुभव रहा है।

एक नए कलाकार के तौर पर इस भूमिका के लिए मुझे जो प्यार और सराहना मिली है, वह बेहद अभिभूत करने वाली और विनम्र बना देने वाली है। सविता उन अनगिनत लड़कियों का प्रतिनिधित्व करती है, जिनकी आवाज़ें सुनी नहीं जातीं और जिनके सपने समाज की अपेक्षाओं के बोझ तले दबा दिए जाते हैं। मैं चाहती हूँ कि हर कोई यह फिल्म देखे — सिर्फ उसकी कहानी जानने के लिए नहीं, बल्कि हमारे आस-पास मौजूद असली सविताओं पर विचार करने के लिए। उसकी गरिमा और चुनने के अधिकार के लिए लड़ाई वास्तव में हम सभी की लड़ाई है।"

एशिया कप ट्रॉफी विवाद

बीसीसीआई की कार्रवाई से मोहसिन नकवी की कुर्सी खतरे में

नई दिल्ली. एशिया कप 2025 के दौरान जो विवाद शुरू हुआ वो अब थमने का नाम ही नहीं ले रहा है. अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के खिलाफ जबरदस्त एक्शन के मूड में आ गया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक बीसीसीआई की एक्शन की वजह से मोहसिन नकवी की कुर्सी जा सकती है. एशिया कप 2025 की ट्रॉफी अपने साथ ले जाने के मामले में मोहसिन नकवी लगातार आलोचना के शिकार हो रहे हैं. अब उनकी कुर्सी पर भी खतरा मंडराने लगा है.

जारी है एशिया कप ट्रॉफी का विवाद

एशिया कप ट्रॉफी विवाद का असर अभी तक जारी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक बीसीसीआई पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी को एसीसी के अध्यक्ष पद से हटाने की मांग कर रहा है. ये तब हुआ है जब मोहसिन नकवी ने एशिया कप 2025 की ट्रॉफी को अपने पास रख लिया है और उसे भारतीय टीम को नहीं दिया है. इस मामले को लेकर हाल ही में एसीसी की बैठक हुई. इसमें बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कथित तौर पर ट्रॉफी सीधे भारत को सौंपने की मांग की थी. हालांकि नकवी ने ये कहते हुए इनकार कर दिया कि यह मुद्दा आधिकारिक एजेंडे में नहीं था.

बीसीसीआई क्या लेगा एक्शन?

रिपोर्ट्स के मुताबिक अब इस मामले में बीसीसीआई मोहसिन नकवी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए मेंबर बोर्डों से समर्थन जुटा रहा है, ताकि उन्हें पद से हटाया जा सके. श्रीलंका के भारत का समर्थन करने की बात कही जा रही है, जबकि बांग्लादेश ने पाकिस्तान का साथ दिया है. अफगानिस्तान के बदलते रूख से इस नतीजे में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है. अब ये देखना बाकी है कि क्या बीसीसीआई मोहसिन नकवी को पद से हटाने के लिए पर्याप्त वोट जुटा पाता है या नहीं?

क्या है पूरा मामला?

अप्रैल में पहलगाम हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी. इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया था. इसकी वजह से दोनों देशों तनाव काफी बढ़ गया था. हालांकि केंद्र सरकार ने भारतीय टीम को एशिया कप में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी थी, लेकिन भारतीय टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने और बात करने से इनकार कर दिया था. नया विवाद तब खड़ा हुआ जब भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी से मेडल और एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था.

टी20 इंटरनेशनल में 6 गेंदों पर 6 चौके लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने

क्रैग इरविन. जिम्बाब्वे के 21 साल के बल्लेबाज ब्रायन बैनेट ने 72 घंटे के अंदर दूसरा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है. 30 सितंबर को वो तीनों फॉर्मेट में शतक बनाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बने तो अब 2 अक्टूबर को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के क्वालिफिकेशन मुकाबले में केन्या के खिलाफ उन्होंने एक और बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है. टी20 इंटरनेशनल में 6 गेंदों पर 6 छक्के जमाने का कारनामा तो पहले हो चुका है. भारत के युवराज सिंह ने ही ये कमाल किया है. मगर ब्रायन बैनेट टी20 इंटरनेशनल में 6 गेंदों पर 6 चौके जमाने वाले पहले बल्लेबाज बने हैं.21 साल के ब्रायन ने केन्या के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालिफायर के दूसरे सेमीफाइनल में जिम्बाब्वे की इनिंग के चौथे ओवर में ये कमाल किया. उन्होंने लुकास ओलुच नाम के केन्याई गेंदबाज के खिलाफ 6 गेंदों पर 6 चौके वाले रिकॉर्ड की स्क्रिप्ट लिखी. एक ओवर में 6 चौके जमाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के साथ-साथ ब्रायन बैनेट ने 25 गेंदों में 204 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 51 रन भी बनाए. उनकी इस पारी में 8 चौके और 2 छक्के शामिल रहे थे.

मुकाबले में केन्या ने पहले बल्लेबाजी की थी और 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 122 रन बनाए. जवाब में जिम्बाब्वे की ओर से ब्रायन बेनेट ने पारी की शुरुआत की. उन्होंने पहले विकेट के लिए अपने साथी ओपनर के साथ मिलकर 76 रन स्कोर बोर्ड में जोड़े. बैनेट जिम्बाब्वे की ओर से आउट होने वाले पहले बल्लेबाज रहे. मगर जाने से पहले वो अपना काम अच्छे से कर के गए. इसका पता इससे भी चलता है कि 76 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप में 51 रन उनके रहे. और, इसमें उनके एक ओवर में जमाए 6 चौके वाले वर्ल्ड रिकॉर्ड का बड़ा हाथ रहा. इससे पहले ब्रायन बेनेट ने 30 सितंबर को तनजानिया के खिलाफ 111 रन की पारी खेली थी, जो कि टी20 इंटरनेशनल में उनका पहला शतक था. और, जिसके साथ वो इंटरनेशनल क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बने. ब्रायन बैनेट के वनडे में 1, टेस्ट में 2 और टी20I में 1 शतक हैं.

लियोनल मेसी का भारत दौरा तय, 'गोआट इंडिया टूर' का किया ऐलान

नई दिल्ली. कई दिनों की बेसब्री, उत्सकुता, अटकलें और अफवाहों के बाद आखिरकार वो मुहर लग गई है, जिसका भारतीय फुटबॉल फैंस को इंतजार था. फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी भारत दौरे पर आ रहे हैं. पिछले कई हफ्तों से इसको लेकर बातें की जा रही थी लेकिन अब मेसी ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स से इस दौरे का ऐलान कर भारतीय फैंस को चैन की सांस लेने का मौका दिया है और साथ ही उनकी धड़कनें भी बढ़ाई हैं. गुरुवार 2 अक्टूबर को जहां पूरे भारत में दशहरा का उत्सव मनाया जा रहा था, उसी दिन लियोनल मेसी ने भारतीय फुटबॉल फैंस को सबसे बड़ी खबर दी. मेसी ने अपने सोशल मीडिया

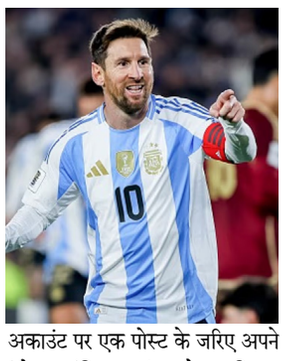

अकाउंट पर एक पोस्ट के जरिए अपने 'गोआट इंडिया टूर ' का ऐलान किया. मेसी ने इसके साथ ही भारत दौरे पर आने के लिए अपनी खुशी और उत्सुकता का इजहार भी किया और बताया कि 3 दिन के अपने दौरे पर वो कब किस शहर में रहेंगे और किन इवेंट्स में हिस्सा लेंगे. अर्जेंटीना को वर्ल्ड कप 2022 का चैंपियन बनाने वाले स्टार कप्तान मेसी ने लिखा.

वैभव सूर्यवंशी खेलेंगे लेकिन कर नहीं पाएंगे कमाल?

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे मल्टी डे मैच में परफॉर्मेंस पर संशय

नई दिल्ली. भारत की अंडर-19 टीम फिलहाल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है, जहां टीम ने वनडे सीरीज के बाद अब मल्टी डे सीरीज में भी कमाल का प्रदर्शन किया है। पहले मल्टी डे मुकाबले में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शानदार शतक जड़कर खुद को साबित किया था। लेकिन अब सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि क्या वो अपने उस प्रदर्शन को दूसरे मल्टी डे मैच में भी दोहरा पाएंगे? हालांकि, हालात कुछ और ही इशारा कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक सूर्यवंशी इस मुकाबले में प्लेयिंग इलेवन का हिस्सा तो होंगे, लेकिन उनके खेलने को लेकर संशय बना हुआ है। इसका मतलब यह नहीं कि वो मैदान पर नहीं उतरेंगे, बल्कि चिंता उनके फॉर्म और फिटनेस को लेकर है। टीम मैनेजमेंट के मुताबिक सूर्यवंशी किसी हल्की चोट या थकान की समस्या से जूझ रहे हैं, जिससे उनका पूरा फोकस और ऊर्जा मैच में नहीं झलक सकती। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि उनका फॉर्म इस मुकाबले में गिर सकता है और वो पहले मैच जैसा प्रदर्शन दोहराने में असफल रह सकते हैं।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे मल्टी डे मैच में वैभव सूर्यवंशी के परफॉर्मेन्स को लेकर सवाल इसलिए हैं क्योंकि अंडर 19 लेवल पर रेड बॉल क्रिकेट में खेली किसी भी सीरीज में उन्होंने परफॉर्म नहीं किया है. वैभव सूर्यवंशी ने अब तक इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मल्टी डे मैच खेले हैं.

लेकिन, इन दोनों टीमों के खिलाफ खेले मल्टी डे मैच में आप उनके परफॉर्मेन्स पर गौर करेंगे तो पहले मैच के मुकाबले दूसरे में जमीन आसमान का फर्क दिखेगा.

वैभव सूर्यवंशी के ये आंकड़े हैरान करने वाले

वैभव सूर्यवंशी ने अब तक कुल 5 मल्टी डे मैच खेले हैं, जिसमें से 2 शतक के साथ उन्होंने 311 रन बनाए हैं. इस दौरान उनका औसत 38.87 का रहा है. इन 5 मैचों में 3 मुकाबले सीरीज के पहले रहे हैं जबकि बाकी के 2 दूसरे. सीरीज के खेले पहले 3 मैचों में वैभव सूर्यवंशी ने 57.60 की औसत से 288 रन बनाए हैं, जिसमें से उनके दोनों शतक शामिल रहे हैं. वहीं बाकी के 2 मैच जो उन्होंने सीरीज के दूसरे मुकाबले के तौर पर खेले हैं, उसमें उन्होंने 7.66 की खराब औसत से सिर्फ 23 रन जड़े हैं. वैभव सूर्यवंशी ने अब तक खेले 5 यूथ टेस्ट में 3 ऑस्ट्रेलिया की अंडर 19 टीम के खिलाफ खेले हैं, जिनमें से 2 उन्होंने सीरीज के पहले मैच के तौर पर खेले हैं और उसमें उनका प्रदर्शन दमदार रहा है. वैभव ने ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 के खिलाफ खेले सीरीज के पहले दो मैचों में 72.66 की औसत से 2 शतक के साथ 218 रन बनाए हैं. वहीं बाकी के 1 मैच जो उन्होंने ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 के खिलाफ सीरीज के दूसरे मैच के तौर पर खेला है, उसमें उनका औसत बस 3 का रहा है. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर होने वाला अगला मल्टी डे मैच भी सीरीज का दूसरा होगा, जिसमें वैभव सूर्यवंशी खेल पाएंगे यानी परफॉर्म कर पाएंगे या नहीं, कहना मुश्किल है.

मैदान पर भिड़ीं दो टीमें, पर चर्चाओं में 'मिसिंग इलेवन'

वेलिंगटन. न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज इन दिनों क्रिकेट फैंस के लिए रोमांच का केंद्र बनी हुई है। दोनों टीमें अपनी-अपनी प्लेइंग इलेवन के साथ मुकाबले में उतर रही हैं, लेकिन इस सीरीज की एक और 'टीम' है जो मैदान पर तो नहीं, मगर चर्चाओं में ज़रूर बनी हुई है — 'मिसिंग इलेवन'। इस मिसिंग इलेवन से मतलब उन दिग्गज खिलाड़ियों से है जो चोट, थकान, निजी फैसले या अन्य कारणों के चलते इस सीरीज में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। अगर ये खिलाड़ी उपलब्ध होते, तो यह सीरीज और भी हाई-वोल्टेज बन सकती थी।

मिसिंग 11 में ओपनर कौन?

प्लेइंग इलेवन में पहले जैसे ओपनर्स होते हैं तो मिसिंग 11 की भी शुरुआत ओपनर से ही करते हैं. न्यूजीलैंड के फिन एलेन और रचिन रवींद इस रोल के लिए परफेक्ट प्लेयर हैं, जो सीरीज से मिसिंग हैं. फिन एलेन पैर में लगी चोट के चलते सीरीज से बाहर हैं तो रचिन को सीरीज के शुरू होने से ठीक एक दिन पहले चेहरे पर चोट लगी थी.

मिसिंग 11 के मिडिल ऑर्डर में ये खिलाड़ी

ओपनर के बाद नंबर आता है फर्स्ट डाउन बल्लेबाज और मीडिल ऑर्डर का, इस रोल में न्यूजीलैंड के ही केन विलियमसन, ऑस्ट्रेलिया के कैमरन ग्रीन, ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल, न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स और ऑस्ट्रेलिया के जॉश इंग्लिस फिट बैठते हैं. विलियमसन ने इस सीरीज के लिए खुद को अनुपलब्ध बताया तो वहीं ग्रीन शेफील्ड शील्ड में खेलने के चलते यहां नहीं खेल रहे. मैक्सवेल को सीरीज शुरू होने से पहले लगी चोट के चलते बाहर होना पड़ा था तो वहीं ग्लेन फिलिप्स ग्रोइन इंजरी और जॉस इंग्लिस काफ इंजरी को लेकर बाहर हैं.

मिसिंग 11 के गेंदबाज

गेंदबाजी के मोर्चे पर मिसिंग इलेवन में न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर, लॉकी फर्ग्युसन और ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क का नाम है. इनमें सैंटनर के टी20 सीरीज से बाहर रहने की वजह पेट की इंजरी है. फर्ग्युसन को हैमस्ट्रिंग हुई है. पैट कमिंस को बैक इंजरी है जबकि स्टार्क टी20 इंटरनेशनल से अपने संन्यास के फैसले के चलते इस सीरीज से बाहर हैं.

अभिषेक शर्मा ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ सीरीज में व्यस्त

नई दिल्ली. एशिया कप 2025 में धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इन दिनों ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ जारी वनडे सीरीज में व्यस्त हैं। हालांकि उन्हें पहले वनडे मुकाबले में प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला,

लेकिन वह कानपुर में टीम के साथ बने हुए हैं और लगातार नेट्स पर जमकर पसीना बहा रहे हैं। इस बीच अभिषेक शर्मा के परिवार के लिए एक बड़ी खुशी की खबर है। 3 अक्टूबर, शुक्रवार को उनकी बड़ी बहन कोमल शर्मा की शादी अमृतसर में हो रही है। मगर रिपोर्ट्स की मानें तो अभिषेक का इस शादी समारोह में शामिल होना काफी मुश्किल माना जा रहा है।

अभिषेक शादी में क्यों नहीं होंगे शामिल?

अभिषेक शर्मा की बहन कोमल शर्मा की शादी लुधियाना के मशहूर बिजनेसमैन परिवार से ताल्लुक रखने वाले लविश ओबराय से हो रही है. ये शादी अमृतसर में 3 अक्टूबर को होगी. इसी दिन भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए का मुकाबला भी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक इसी वजह से अभिषेक शर्मा अपनी बहन की शादी में शामिल होने की संभावना बहुत कम है. इसके अलावा कोई भी क्रिकेटर इस शादी समारोह में शामिल नहीं होगा, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ मैच के अलावा टीम इंडिया अहमदाबाद वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैच खेलने में बिजी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान इस समारोह में शामिल हो सकते हैं. इसके अलावा और भी कई मशहूर हस्तियों के आने की संभावना जताई जा रही है. इस दौरान मीडिया की एंट्री बंद है.

जब अभिषेक शर्मा ने किया था डांस

हालांकि अभिषेक शर्मा ने 30 सितंबर को अपनी बहन की शगुन की रस्म में खूब डांस किये थे. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था. इस दौरान पूर्व भारतीय क्रिकेट युवराज सिंह भी मौजूद थे. इस दौरान अभिषेक शर्मा ने कहा था कि मेरी बहन कोमल मेरे लिए बहुत लकी है.

इस बार उसने शादी का गिफ्ट एशिया कप मांगा था और मैंने उसकी ये इच्छा पूरी कर दी. शादी के बाद भी हमारा भाई-बहन का रिश्ता ऐसे ही बना रहेगा. शगुन की रस्म के दौरान अभिषेक शर्मा की बहन लहंगे में काफी खूबसूरत लग रही थी.अभिषेक शर्मा ने एशिया कप 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाए थे. इसी वजह से उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था.

जयपुर पिंक पैंथर्स ने आखिरी मिनट में हरियाणा को हराया

चेन्नई. प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 57वें मुकाबले में जयपुर पिंक पैंथर्स ने हरियाणा स्टीलर्स के खिलाफ रोमांचक अंदाज में जीत हासिल की. चेन्नई के एसडीएटी मल्टी परपज इनडोर स्टेडियम में खेले गए इस मैच में जयपुर ने एक समय 10 अंकों से पिछड़ने के बावजूद आखिरी मिनट में शानदार वापसी करते हुए 37-36 से जीत दर्ज की. यह मुकाबला कबड्डी फैंस के लिए रोमांच से भरपूर रहा, जहां दोनों टीमों ने अंत तक हार नहीं मानी.

मैच की शुरुआत में हरियाणा स्टीलर्स ने दमदार खेल दिखाया. विनय और शिवम पटारे की जोड़ी ने शानदार रेडिंग के साथ पहले 10 मिनट में चार-चार अंक जुटाए, जिससे उनकी टीम ने 10-4 की बढ़त बना ली. हरियाणा ने धीरे-धीरे अपनी लय पकड़ी और पहले हाफ के अंत तक 20-13 के स्कोर के साथ सात अंकों की बढ़त हासिल कर ली. पहले हाफ में दबाव में दिख रही जयपुर पिंक पैंथर्स ने हार नहीं मानी और धीरे-धीरे खेल में वापसी की कोशिश शुरू की. दूसरे हाफ में जयपुर ने अपनी रणनीति में बदलाव किया. 25वें मिनट तक हरियाणा 24-17 से आगे थी, लेकिन जयपुर के सुपर टैकल ने फिर से उनके लिए राह बनाई. ईरान के रेडर अली समादी ने 28वें मिनट में डू-ऑर-डाई रेड में टैकल होने से पहले हरियाणा को दबाव में ला दिया. जयपुर ने 32वें मिनट में हरियाणा को ऑलआउट कर स्कोर को 26-24 तक लाकर सिर्फ दो अंकों का अंतर रहने दिया. मैच के आखिरी पलों में जयपुर के साहिल ने सुपर रेड लगाकर अपनी टीम को बराबरी पर ला खड़ा किया. साहिल ने कुल सात अंक हासिल किए, जबकि अली ने छह और दीपांशु व आर्यन ने चार-चार अंकों का योगदान दिया. 36वें मिनट में हरियाणा 32-28 से आगे थी, लेकिन जयपुर ने हिम्मत नहीं हारी. आखिरी मिनट में पैंथर्स ने एक और ऑलआउट कर हरियाणा से एक अंक की बढ़त ले ली. आखिरी रेड में हरियाणा के स्टार रेडर विनय टैकल हो गए, जिससे जयपुर ने 37-36 से जीत हासिल की. दिन के दूसरे मैच में यू मुंबा ने शानदार अंदाज में वापसी करते हुए तमिल थलाइवाज को 42-24 से करारी शिकस्त दी. इस एकतरफा मुकाबले में यू मुंबा ने अपनी रणनीति और डिफेंस की ताकत से मेजबान टीम को कोई मौका नहीं दिया. लगातार तीन हार के बाद यह जीत यू मुंबा के लिए मनोबल बढ़ाने वाली रही. मैच की शुरुआत में दोनों टीमें सातवें मिनट तक 5-5 की बराबरी पर थीं. तमिल थलाइवाज, जो पिछले मुकाबलों की हार का बदला लेने उतरी थी, उसने कड़ी टक्कर दी. लेकिन यू मुंबा ने 10वें मिनट तक दो सुपर टैकल के जरिए दो अंकों की बढ़त बना ली. लोकेश ने 12वें मिनट में ही अपना हाई-फाइव पूरा कर लिया, जिसने मुंबा की रेडिंग को मजबूती दी. इसके बाद तीसरे सुपर टैकल ने स्कोर को 13-9 तक पहुंचाया, जिससे यू मुंबा ने पहले हाफ में 16-11 की बढ़त हासिल की.

इस दौरान मुंबा ने अपने 16 में से आठ अंक डिफेंस से कमाए. दूसरे हाफ में तमिल थलाइवाज के पास वापसी का मौका था, लेकिन यू मुंबा के डिफेंस ने उन्हें कोई राहत नहीं दी. 25वें मिनट में स्टार रेडर संदीप कुमार ने सुपर रेड लगाकर स्कोर को 20-12 तक पहुंचाया. अगले ही मिनट में संदीप की एक और सुपर रेड ने थलाइवाज को ऑलआउट कर दिया, जिससे यू मुंबा ने 25-13 की मजबूत बढ़त बना ली. संदीप ने इस सीजन में लगातार तीसरा सुपर-10 (12 अंक) हासिल किया, जिसने मुकाबले का रुख पूरी तरह मुंबा के पक्ष में कर दिया. 35वें मिनट तक यू मुंबा 23-20 की लीड बनाए हुए थी, लेकिन आखिरी मिनट में उन्होंने एक बार फिर थलाइवाज को ऑलआउट कर 42-24 के स्कोर के साथ जीत पक्की कर ली.

यश ठाकुर की यॉर्कर ने मचाया तहलका

बुमराह जैसी धार और कहानी भी खास

नई दिल्ली. क्रिकेट में जब भी यॉर्कर गेंदबाज़ी की बात होती है, तो भारतीय फैंस के ज़ेहन में सबसे पहले नाम आता है – जसप्रीत बुमराह का। बुमराह की यॉर्कर की सटीकता और रफ्तार के सामने बड़े-बड़े दिग्गज बल्लेबाज़ भी टिक नहीं पाते। लेकिन अब एक और भारतीय गेंदबाज ने यॉर्कर से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है यश ठाकुर। हाल ही में खेले गए एक घरेलू मैच के दौरान यश ठाकुर ने एक ऐसी तेज और धारदार यॉर्कर फेंकी, जिसने बल्लेबाज़ की गिल्लियां उड़ा दीं। हैरानी की बात यह रही कि जिस बल्लेबाज़ को आउट किया गया, उसकी कहानी भी कुछ कम दिलचस्प नहीं है, उसकी जिंदगी एक 'नोट' से बदल गई थी। यश ठाकुर की ये यॉर्कर इतनी सटीक थी कि बल्लेबाज को गेंद समझने तक का मौका नहीं मिला और स्टंप उखड़कर पीछे जा गिरे। कमेंटेटर्स और फैंस दोनों ही इस गेंद को देखकर हैरान रह गए और तुरंत तुलना बुमराह से होने लगी। यश ठाकुर की सटीक यॉर्कर और उसके असर का पूरा नजारा ईरानी कप में विदर्भ और रेस्ट ऑफ इंडिया के बीच खेले जा रहे मुकाबले में दिखा. विदर्भ ने इस मुकाबले में पहले खेलते हुए पहली पारी में 342 रन बनाए. जवाब में रेस्ट ऑफ इंडिया जब खेलने उतरी तो वो सिर्फ 214 रन ही अपनी पहली पारी में बना सकी. रेस्ट ऑफ इंडिया की पहली पारी के दौरान यश ठाकुर की एक ऐसी यॉर्कर देखने को मिली, जिसने उसके खिलाड़ी सारांश जैन के पांव कब उखाड़ दिये, उन्हें पता भी नहीं चला. 7 में से 6 बार नाकाम, कब तक चलेगा ऐसे काम? कहीं टीम इंडिया से कट न जाए इस स्टार का नाम!

करूर हादसे पर एचसी सख्त

> बीजेपी की याचिका खारिज, एसआईटी जांच

चैन्नई.

तमिलनाडु के करूर में पिछले हफ्ते एक्टर विजय की रैली में हुई भगदड़ की घटना के बाद जमकर राजनीति की जा रही है. आरोप-प्रत्यारोप भी लगाए जा रहे हैं.

इस बीच मद्रास हाई कोर्ट ने आज शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी की नेता उमा आनंदन की 27 सितंबर को करूर जनसभा में हुई भगदड़ की सीबीआई जांच की याचिका खारिज कर दी. इस हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी. वहीं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि भगदड़ पर बीजेपी की कोई वास्तविक चिंता नहीं, बल्कि वह राजनीतिक फायदा उठाना चाहती है.

उमा आनंदन ने कोर्ट का रुख करते हुए कहा था कि इस वीभत्स घटना के पीछे संभावित सरकारी उदासीनता समेत कई तरह के गंभीर सवाल हैं. और मामले की जांच सीबीआई से कराई जानी चाहिए.

हाई कोर्ट की डिविजन बेंच ने याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट की मदुरै बेंच, जो उनके क्षेत्राधिकार वाली कोर्ट है, का दरवाजा खटखटाने को कहा.

साथ ही मद्रास हाई कोर्ट ने आज सीनियर आईपीएस अधिकारी असरा गर्ग की अगुवाई में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आदेश दिया. गर्ग वर्तमान में उत्तरी क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक हैं.

सिंगल जज की बेंच ने कथित तौर पर इस घटना के लिए विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के अधिकारियों की भी कड़ी आलोचना की. दूसरी ओर, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बीजेपी और उसकी अगुवाई वाली केंद्र सरकार पर करूर हादसे को लेकर वास्तविक चिंता नहीं रखने का आरोप लगाया और कहा कि भगवा पार्टी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इस घटना का फायदा उठाना चाहती है.

स्टालिन का केंद्र पर निशाना: करूर जांच पर उठाए सवाल

मुख्यमंत्री ने यह भी जानना चाहा कि भगदड़ के कारणों की जांच के लिए एनडीए सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल इतनी जल्दी करूर क्यों भेजा गया. उन्होंने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि मणिपुर हिंसा, गुजरात में मोरबी पुल दुर्घटना और उत्तर प्रदेश में कुंभ मेले में हुई भगदड़ की जांच के लिए टीमें नहीं भेजी गईं. स्टालिन ने एक कार्यक्रम में कहा, 'बेशक, इसमें उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है. यह सब कुछ 2026 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक लाभ लेने की एक तुच्छ हरकत है'.

पीओके में 10-10 रुपये में बेची जा रही वर्दी और हेलमेट

कराची.

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पिछले एक हफ्ते से विरोध प्रदर्शनों और हिंसा का दौर जारी है. इस दौरान जमकर उपद्रव देखने को मिल रहा है. इसके साथ ही प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तानी सुरक्षाबलों का मजाक उड़ाते हुए उनकी वर्दी, हेलमेट बिक्री लगा दी है, जिसकी कीमत महज 10 रुपये रखी है. सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो रहा है. पाक अधिकृत जम्मू-कश्मीर में लगातार जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच एक अनोखा और चौंकाने वाला नजारा देखने को मिला है. प्रदर्शनकारी आम नागरिकों ने पाकिस्तानी सुरक्षाबलों का मजाक उड़ाते हुए उनकी वर्दी, हेलमेट और ढालों को केवल 10 रुपये में बिक्री पर रख दिया.

वीडियो में दिख रहा यह वो सामान है जो कि पोक के लोगों ने पाकिस्तानी सुरक्षाबलों को अपने कब्जे में लेने के बाद हासिल किया है. इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर अब जमकर वायरल हो रहा है. पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर की सेना प्रदर्शनकारियों पर गोलियां बरसा रही है, लेकिन वे रुकने के लिए तैयार नहीं हैं. पाक अधिकृत कश्मीर में बड़ी संख्या में लोग पाकिस्तान सरकार और सुरक्षाबलों के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे. प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सुरक्षाबल अब जनता के लिए ढाल नहीं बल्कि जुल्म का हथियार बन चुके हैं. इसी का प्रतीकात्मक विरोध जताने के लिए उनकी वर्दी और सुरक्षात्मक उपकरणों को बेचने का नाटक किया गया. स्थानीय लोगों ने कहा कि महंगाई, रोजगार और लगातार हो रहे दमन के खिलाफ यह आंदोलन अब केवल नारों तक सीमित नहीं रहा है. बल्कि व्यंग्य और तंज के जरिए भी अपना गुस्सा जाहिर कर रहा है.

कवि डॉ. मृणाल कांति पंडित 'गुणी जन सम्मान' समारोह में सम्मानित

कोलकाता (सौमित्र नंदी).

पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर का जन्म 205 वर्ष पहले 12 अश्विन, 1227 बीएस (बंगाली कैलेंडर) को ब्रिटिश भारत के बंगाल प्रेसीडेंसी के मिदनापुर (जो अब पश्चिम बंगाल में है) के बीरसिंघा गांव में एक गरीब ब्राह्मण परिवार में हुआ था। इस दिन को मनाने के लिए, इंटरनेशनल बंगाली लिटरेचर एंड कल्चर काउंसिल, राम मोहन एंड विद्यासागर एकेडमी, और इंटरनेशनल साहित्य प्रकाशन, पश्चिम बंगाल, ने हर साल की तरह इस बार भी 12 अश्विन, 1432 बीएस, सोमवार को एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम के मुख्य सलाहकार पश्चिम बंगाल के जाने-माने शिक्षाविद पवित्र सरकार थे। यह कार्यक्रम पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के आरामबाग स्थित होटल तारामां में हुआ। इस संस्था के प्रेरणा स्रोत, कवि, लेखक, समाज सेवक और बंगाली भाषा व बुद्धिजीवियों के प्रचारक सुनील चक्रवर्ती ने पूरे दिन सभी की विशेष देखभाल की।

इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया, जहां सौ से अधिक शिक्षकों को शिक्षक सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय मंच का एक मुख्य आकर्षण 'गुणी जन सम्मान' था।

आगरतला निवासी अंतर्राष्ट्रीय कवि, लेखक और प्रसिद्ध इंजीनियर डॉ. मृणाल कांति पंडित त्रिपुरा के एकमात्र प्रतिनिधि थे और उन्हें 'पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संस्था ने उन्हें एक शॉल व प्रशस्ति पत्र भेंट कर गरिमापूर्ण तरीके से यह सम्मान प्रदान किया। यह गौरवशाली अवसर निस्संदेह त्रिपुरा के लिए एक कीर्तिमान अध्याय है।

मुत्ताकी का भारत दौरा, संदिग्ध हालात और सवाल

काबुल.

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी 9 अक्टूबर को भारत का दौरा करेंगे. जहां तालिबान और पाकिस्तान के बीच तनाव देखा जा रहा है. उसी बीच यह यात्रा हो रही है. तालिबान ने साल 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता संभाली थी. सत्ता संभालने के बाद अफगानी विदेश मंत्री की यह पहली भारतीय यात्रा होगी. इस बीच यह यात्रा काफी अहम मानी जा रही है.

शुरूआती सालों में तालिबान सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगभग अलग-थलग पड़ गई थी, लेकिन अब धीरे-धीरे यह स्थिति बदलती नजर आ रही है. तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी 9 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक भारत की यात्रा पर आने वाले हैं. दरअसल, मुत्ताकी पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने यात्रा प्रतिबंध लगाए हुए थे. अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने उन पर लगे यात्रा प्रतिबंध (ट्रैवल बैन) से छूट दी है.

इस समय पाकिस्तान और तालिबान के बीच तनाव बना हुआ है. गुरुवार को कुनार बॉर्डर पर पाकिस्तान और तालिबान के बीच झड़प हुई. पाकिस्तान आर्मी ने कुनार बॉर्डर पर तालिबान के अधिकृत सैनिकों पर गोलीबारी की. फिर तालिबान के सैनिकों ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसके बाद सीमा पर तनाव के हालात बन गए हैं. रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की सेना डोकलाम में तहरीक-ए-तालिबान के आतंकियों पर ऑपरेशन चलाना चाहती थी, लेकिन तालिबान ने इसका विरोध किया. यह ही तनाव की वजह बन गया. अब पाकिस्तान से तनाव के बीच होने वाली अफगान विदेश मंत्री की यह यात्रा काफी अहम मानी जा रही है.

मुत्ताकी पर 25 जनवरी 2001 से ही संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध लगे हुए हैं. इन प्रतिबंधों में यात्रा बैन, संपत्ति फ्रीज करना और हथियारों पर रोक (आर्म्स एम्बार्गो) शामिल हैं. इसका मतलब यह है कि अगर उन्हें कहीं यात्रा करनी हो, तो उन्हें पहले संयुक्त राष्ट्र की इस समिति से अनुमति लेनी पड़ती है. अब उन्हें भारत की यात्रा के लिए यह इजाजत मिल गई है.

भारत और तालिबान दोनों पक्षों से जुड़े सूत्रों का कहना है कि यह दौरा आपसी संबंधों को आगे ले जाएगा. हालांकि, भारत औपचारिक रूप से तालिबान शासन को मान्यता नहीं देगा. इस यात्रा को दोनों देशों के बीच "वर्किंग रिलेशनशिप मजबूत करने का रास्ता" माना जा रहा है. तालिबान चाहता है कि नई दिल्ली में अपने राजदूत और अधिक राजनयिकों की नियुक्ति करे, साथ ही मुंबई और हैदराबाद स्थित अफगान कांसुलेट्स में भी अपने अधिकारी भेज सके.

राहुल गांधी पर बरसे अनिल विज, कहा- भारत को विदेश में बदनाम करते हैं

चंडीगढ़.

हरियाणा सरकार में ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कोलंबिया के ईआईए विश्वविद्यालय में दिए गए बयान पर तीखा हमला बोला है. विदेश में जाकर भारत के खिलाफ बयान देने को लेकर अनिल विज ने कहा है कि भारत मां के दो तरह के लाल हैं, एक विदेश में भारत का नाम रौशन करते हैं और एक वो हैं जो विदेशों में भारत का नाम डुबोते हैं.

राहुल गांधी ने कोलंबिया के ईआईए विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में कहा था कि लोकतंत्र पर हमला भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा है. राहुल के इस बयान पर अब अनिल विज ने कड़ी प्रतिक्रिया दी. अंबाला में मीडिया से बात करते हुए विज ने कहा कि विदेशों में जाकर भारत के खिलाफ बोलना राहुल गांधी जी की आदत है. उन्होंने कहा कि भारत मां के दो तरह के लाल है, एक वो है जो विदेशों में जाकर भारत का नाम रोशन करते है और एक वो है जो विदेशों में जाकर भारत का नाम डुबोने की कोशिश करते हैं. उन्होंने कहा कि अब फैसला लोगों को करना है कि कौन किस तरह का लाल है, प्रजातंत्र में तो फैसला लोगों को ही होता है.

दरअसल, राहुल गांधी ने कोलंबिया की यूनिवर्सिटी में 'द फ्यूचर इज टुडे' कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते बीजेपी और संघ पर हमला बोला था. उन्होंने कहा था कि भारत में लोकतंत्र पर हमले हो रहे हैं. ऐसा होना देश के लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा है. इससे देश में संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है और विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है. भारत की ताकत उसकी विविधता और लोकतंत्र है, लेकिन वर्तमान हालात ऐसे हैं कि इन मूल्यों पर खतरा मंडराने लगा है.

इसके अलावा राहुल गांधी ने कार्यक्रम में बीजेपी और संघ और विदेश मंत्री एस जयशंकर पर भी हमला बोला था. उन्होंने कहा था कि संघ और बीजेपी की विचारधारा के मूल में कायरता है. वहीं, विदेश मंत्री को लेकर उन्होंने कहा था कि उनके बयान पर एक नजर डाले तो उन्होंने कहा था कि चीन हमसे कहीं ज्यादा ताकतवर है. हम उससे कैसे लड़ सकते हैं? इस विचारधारा के मूल में कायरता है.

पश्चिम बंगाल में एसिड अटैक मामलों में बढ़ोत्तरी

> एनसीआरबी का चौंकाने वाला डेटा

कोलकाता.

पिछले रिपोर्ट की तुलना के आधार पर देशभर में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में कुछ आई है. लेकिन अगर बात करें पश्चिम बंगाल की तो इस राज्य में एसिड अटैक की घटनाएं बढ़ी हैं.

महिलाओं के खिलाफ यहां पहले की तुलना में ज्यादा एसिड अटैक के मामले सामने आए हैं. देश में सबसे ज्यादा एसिड अटैक के मामले इसी राज्य में हुए हैं. इसके आंकड़े 'क्राइम इन इंडिया 2023' रिपोर्ट से सामने आए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023 में पूरे देश में एसिड अटैक की कुल 207 घटनाएं हुईं.

एसिड पीड़ितों के लिए उठी आवाज

पश्चिम बंगाल में एसिड अटैक पीड़ितों के लिए मुआवजे और उनके रहने के मामले दर्ज हैं. 2025 में कोलकाता में आयोजित एक सामुदायिक दुर्गा पूजा में एसिड अटैक पीड़ितों की स्थिति पर चर्चा की गई थी. इसके साथ ही, 2023 में पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34,691 मामले भारतीय दंड संहिता और विशेष स्थानीय कानूनों के तहत दर्ज किए गए, जो 2022 में दर्ज 34,738 मामलों से थोड़ा कम हैं. यह आंकड़ा महिलाओं के खिलाफ अपराध में मामूली कमी को दर्शाता है.

इसमें पश्चिम बंगाल में अकेले ही 57 मामले हुए दर्ज किए गए. ऐसे में इस रिपोर्ट में एसिड अटैक में पश्चिम बंगाल ने टॉप किया है. आईपीसी की धारा 326ए के तहत दर्ज इन मामलों में पश्चिम बंगाल का हिस्सा देश के कुल एसिड अटैक के 27.5% रहा. महिलाओं के एसिड अटैक के मामले बढ़ना चिंता बढ़ाने वाला है.भले ही यहां दूसरे अपराधों में मामूली गिरावट आई हो.

उत्तर प्रदेश में 31 एसिड अटैक के मामले हुए, जिनमें 31 लोग पीड़ित थे, और यह देश में दूसरा सबसे ज्यादा एसिड अटैक वाला राज्य रहा. वहीं गुजरात में 15 मामले हुए. 11 लोग ओडिशा में पीड़ित हुए. पंजाब में 9, हरियाणा और असम में 10-10 मामले सामने आए हैं. पश्चिम बंगाल भारत का चौथा सबसे ज्यादा आबादी वाला राज्य है, पिछले कई सालें से देश में सबसे ज्यादा एसिड हमलों की घटनाओं को दर्ज कर रहा है. एनसीआरबी की 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में 48 एसिड हमले हुए और 52 पीड़ित या बचे हुए लोग थे. 2022 में पूरे देश में 202 एसिड हमलों की घटनाएं दर्ज की गईं. 2018 से पश्चिम बंगाल लगातार देश में सबसे ज्यादा एसिड हमलों वाला राज्य रहा है.

2 बेटियों और 1 बेटे के साथ पिता ने लगाई फांसी

> जिंदा बचे मासूम

फरीदाबाद.

फरीदाबाद के धौज थाना क्षेत्र के नेकपुर गांव में शुक्रवार सुबह दिल दहला देने वाली घटना सामने आई. गांव के 32 वर्षीय युवक कर्मवीर ने अपनी 2 बेटियों और 1 बेटे के साथ फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की. घटना में कर्मवीर और उसकी 10 वर्षीय बेटी छवि की मौत हो गई. वहीं, निशु और सृष्टि नाम के बच्चे गंभीर हालत में मिले. निशु कर्मवीर का बेटा है और उसकी उम्र 8 वर्ष बताई गई है. वहीं, सृष्टि की उम्र 6 वर्ष बताई गई है. दोनों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया. उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है.

कर्मवीर अपनी दो बच्चियों और 1 बेटे के साथ घर के बाहर बने पशु बांधने वाले बाड़े में सोया करता था. बीती रात भी वह यहीं सोया था. सुबह करीब 4:30 से 5 बजे के बीच उसने पहले बेटे और बेटियों को फंदे पर लटकाया और फिर खुद भी फांसी लगा ली. जब परिवार का एक सदस्य सुबह वहां पहुंचा तो उसने चारों को फंदे पर लटका देखा. शोर मचने पर गांव के लोग इकट्ठा हो गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई. सूचना मिलते ही धौज थाना पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची. जांच में पाया गया कि दो बच्चों जिनमे 1 लड़का निशु और बेटी की सांसें चल रही थीं, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया. वहीं कर्मवीर और बड़ी बेटी छवि की मौके पर ही मौत हो चुकी थी. पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया है.

इस पूरे मामले ने तब और सनसनी फैला दी जब पता चला कि कर्मवीर ने आत्महत्या से पहले एक वीडियो रिकॉर्ड किया था. इस वीडियो में उसने अपनी पत्नी चंचल, सास बबिता, सालियां ज्योति और पूजा, और पत्नी की बुआ पूनम पर गंभीर आरोप लगाए. उसने आरोप लगाया कि ये सभी महिलाएं वेश्यावृत्ति में लिप्त हैं और उसे तथा उसकी पत्नी को भी इसमें कई बार फंसाने की कोशिश की. कर्मवीर ने कहा कि उसकी मौत का जिम्मेदार यही लोग हैं और पुलिस उनके मोबाइल फोन चेक कर कड़ी कार्रवाई करे. गांव वालों के अनुसार, कर्मवीर का अपनी पत्नी और ससुराल पक्ष के साथ पिछले डेढ़ साल से विवाद चल रहा था. इसी वजह से पति-पत्नी अलग रहने लगे थे. बताया जा रहा है कि करीब 7 दिन पहले भी झगड़ा हुआ था, जिसके बाद से कर्मवीर काफी परेशान रहने लगा. वह डेरी चलाकर बच्चों की पढ़ाई और परिवार का पालन-पोषण करता था.

गोलगप्पे खाने के बाद 3 की मौत!

पटना. एक ही परिवार के तीन लोगों की एक के बाद एक मौत हो गई. मृतकों में दो पुत्र और एक पिता शामिल है. घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है, साथ ही परिवार में मातम पसरा है. एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो जाने के बाद पुलिस अब जांच में जुटी हुई है. जानकारी के अनुसार, पटना के पालीगंज अनुमंडल के सीगोरी थाना क्षेत्र अंतर्गत करहरा गांव में बीती रात तीन लोगों की तबीयत बिगड़ गई थी. तबीयत बिगड़ने के बाद स्थानीय स्तर पर उपचार करने की कोशिश की गई. कुछ दिन बाद एक बेटे की मौत हो गई. मृतकों की पहचान नीरज साव के रूप में की गई है. जबकि मरने वाले पुत्रों में निर्मल कुमार 8 साल तथा निर्भय कुमार 4 साल का था. एक साथ तीन लोगों की मौत होने के बाद गांव में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी. मौत कैसे हुई, अभी इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है. इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची. घटना को लेकर पुलिस का कहना है कि ऐसी आशंका है कि फूट प्वाइजनिंग से मौत हुई है. पूरी तस्वीर पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ होगी. पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है.

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

MSBVE / MSBTE महाराष्ट्र शासन मान्य
AYUSHMAN COLLEGE & HOSPITAL
KAMPTEE, NAGPUR (MS.)
आयुष्मान मेडिकल पॅरामेडिकल कॉलेज
सईद नगर, बालाजी मंदिर के सामने, कलमना रोड, रनाला, कामठी
महाराष्ट्र हमारे कोर्स
BSc MLT, BVOC MLT, PGDMLT / ADMLT (MSBTE) ADXR (MSBTE), DMLT, DDT, DNYS, DAT, GNMA, CCOT, Health Sanitary Inspector, Radiology Technician
इंटर्नशिप आपको सरकारी हॉस्पिटल मे मिलेगी
ADMISSION OPEN 2025-26
8651512020, 8651513030

DR. NANDI PATH LAB
Committed to your Wellness
OUR SERVICES: • BLOOD TESTS • BIOCHEMISTRY • HEMATOLOGY • MICROBIOLOGY • SEROLOGY & MORE
DR. GAURAV NANDI MBBS, MD (Patho)
Ex. ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE
Mobile No.: 8767516249 | 7420869774
Near Nutan Saraswati School, Main Road, Kamptee, Nagpur

श्री सतगुरु ट्रैवल्स
• 1 ऑगस्ट अयोध्या काशी
• १४ ऑगस्ट आग्रा मथुरा वृंदावन
• ७ सप्टेंबर केदारनाथ चारधाम यात्र
• २७ ऑक्टोबर केरळ कन्याकुमारी
• २८ ऑक्टोबर गुजरात राजस्थान
• १६ नोव्हेंबर आणि १० डिसेंबर अंदमान
• ३ जानेवारी गंगासागर नेपाळ
संपर्क आशीष लक्ष्मीनारायण कावळे
7498753939, 93095 96390
8698495200, 9823454945

अल्का लाडे प्रस्तुत "ज़िंदगी का सफर"
Organizar संकल्प बहुद्देशीय संस्था
सुहाना म्यूज़िकल ग्रुप
(लाइव ऑर्केस्ट्रा पर सुमधुर गीतों की प्रस्तुति)
Alka Lade बॉलिवुड गायिका
Contact For Participate 9373108897, 7798900066 9579254999
Per Song 1500
दि. 10 आगस्ट 2025 दोप. 3 बजे से रात 9.30 बजे तक
अमृत भवन, झांसी रानी चौक, सिताबर्डी, नागपुर

धनवटे ऑनलाइन सर्विसेस
7/12 डिजिटल, ई-अभिलेख, 8 अ डिजिटल, ई- मोजनी, प्रॉपर्टी कार्ड, अधिकार क्षेत्र, झोन सर्टिफिकेट, वर्ग 2 ते वर्ग 1 अर्ज, अखिव पत्रिका, 7/12 फेरफार साठी अर्ज, फेरफार अर्ज,
राजेश धनवटे
9561498551
उपजिला रुग्णालय रोड, हैदरी चौक कामठी

VATSALYA Preschool
'Little Minds, Big Adventures'
Nurturing Young Minds with Heart and Purpose
Pre-Nursery, Nursery, KG1, KG2
Enquire now
More Information 9834172396
Address : Near Ashapurak Ganesh Mandir Ground, Professor Colony, Ranala, Kamptee

NISHCHAY TRAVELS
All types of AC & Non-AC Vehicles Available
Buses 30, 40 & 50 Seater Available
Plot No. 35, House No. 40, Kamptee Road, Shri Hari Nagri Near Ram Vatika, Bhilgaon, Nagpur-441002
: Contact :
Avinash Zanzote 9850340105 7972365539
Vilas Zanzote 9372211220 9112274567

प्रवेश सुरू... प्रवेश सुरू... प्रवेश सुरू...
नवयुग एज्युकेशन आणि बहुउद्देशीय संस्था कन्हान द्वारा संचालित
:: ADMISSION OPEN FOR 2024-2025 ::
मारोतराव पानतावणे ज्यु. कॉलेज
११ व १२ वी कला, वाणिज्य, विज्ञान
मारोतराव पानतावणे महाविद्यालय
(राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ नागपूर द्वारा संलग्नित)
B.A., B.Com, B.Sc.कला, वाणिज्य, विज्ञान
कार्यालय वेळ सकाळी १० ते सायं. ५ पर्यंत
SC/ST/OBC/VJNT विद्यार्थ्यांना BA/B.Com/B.Sc ला निःशुल्क प्रवेश देण्यात येईल.
स्कॉलरशिप ची सुविधा उपलब्ध आहे.
संपर्क : मारोतराव पानतावणे महाविद्यालय, गहुहिवरा रोड, कांद्री-कन्हान
07102-236484, 9373120336, 9834985854, 8766643359

2025 ADMISSION OPEN
FOR I.T.I. ELECTRICIAN & FITTER
Eligibility 10th Pass
FREE ADMISSION FOR GIRLS
Maharashtra Govt. SCHOLARSHIP UPTO 100% for SC/ST/OBC/EWS boys & girls
CONTACT US
RABBANI ITI
Near Samaj Bhawan, Imli Bag, Kamptee 441001 Dist. Nagpur (M.S.)
9021132527 7721877941 9021194901

तुळजाभवानी ट्रेडर्स
कलमना रोड, महालक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, रनाला चौक, कामठी
हमारे यहां गिट्टी, ईटा, राखड, मुरूम आदि का सप्लाई किया जाता है।
ठोक व चिल्लर विक्रेता
JCP Work 24 हमारे यहां उपलब्ध है
M. : 7987262970 | 9175172712

प्लस प्वाइंट ट्युशन क्लासेस
10, 11, 12 वीं की सभी विषयों की अनुभवी शिक्षकों द्वारा ट्युशन क्लासेस ली जाती है।
प्रोप्रा. मो. सलमान शेख
मोटर स्टैंड मस्जिद के पास, कामठी
तारसा रोड, कन्हान

ADMISSION OPEN
RKS PUBLIC SCHOOL
NURSERY to Std. IX
OUR FACILITY
Computer Lab • Cricket
Karate Class • Swimming Pool
Skating Class • Basket Ball
M. 8087955831 8956785080
Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur

ZOREN PROPERTY DEALERS
हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स, घर, बंगलो, फार्म हाऊस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है
अफसर खान
M. 9371381114, 7038696893
सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता है

3 STAR HOTEL
LODGING, BOARDING & RESTAURANT
AC / Non AC Room
8983305535, 8055705535
पता: घोरपड बस्ती, लिहीगांव रोड, कामठी

VIDEO GAMES SHOP
Convert VHS to Pendrive, Harddiskh
VHS को पेंनड्राइव में डालते है.
कोई भी पुरानी Video Cassette Recorder (VRC) शादी एवंम कोई भी पुरानी (VHS) कार्यक्रम की Video Cassette (VHS), VCD, CD, DVD, को Pendrive या Harddisk में Convert किया जाता है.
All Video Game for Sell & Repair Services also available
Only Place for Harddisk Loading
All type of USB & Electrical Accessories
All type of video game are available
Repair your Video Games, PS 2, 3, 4 & X Box
Order for Digital Video, Photo Album
DHAMTI VIDEO FILMS
9423771189, 9595399588
FOR SALE
Plot Size 500 sqft. Construction 1000 sqft. RANALA, KAMPTEE

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944, 9881272088